ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • वैशाख शुक्ल पक्ष 11 • विक्रम संवत 2080 • सोमवार, 01 मई 2023 • वर्ष-24 • अंक- 88 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

मेरी लव स्टोरियां मेरे साथ कब्र तक... पेज 12 पर

शुभकामनाएं

राज्य के हर मेहनतकश मजदूर को 'अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस' (पहली मई) की ढेर सारी शुभकामनाएं।

- संपादक

अवकाश की सूचना

'अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस' के मौके पर 1 मई को राष्ट्रीय नवीन मेल प्रेस और कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 3 मई को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

NEWS इन ब्रीफ

रामगढ़ के कुंज बिहारी राय को एयर एंबुलेंस का मिला लाभ

रामगढ़। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा लोकार्पित एयर एंबुलेंस के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। रविवार को रामगढ़ के 73 वर्षीय एक मरीज, कुंज बिहारी राय को, जो दिल के मरीज हैं। इलाज के लिए एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया गया। कुंज बिहारी राय के परिजनों ने सरकार के इस प्रयास की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताया है और कहा कि आवेदन के साथ ही त्वरित एंबुलेंस सेवा उन्हें मुहैया कराई गई।

राज्यपाल ने शिबू सोरेन से की मुलाकात

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को मोरहाबादी स्थित राज्य सभा सांसद एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की एवं उनका हालचाल लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भी मौजूद थे।

रांची के डिप्टी रजिस्ट्रार से पूछताछ आज

रांची। रांची में जमीन घोटाले में सरकारी पदाधिकारियों की भूमिका पर विस्तृत जांच ईडी ने शुरू कर दी है। ईडी के रांची जोनल आफिस में सेना जमीन, बजरा के खाता संख्या 140 व चेशायर होम रोड में एक एकड़ जमीन की रजिस्ट्री के मामले में ईडी रांची के डिप्टी रजिस्ट्रार वैभव मणि त्रिपाठी से एक मई को पूछताछ करेगी। वैभव मणि त्रिपाठी पूर्व से ही ईडी की रडार पर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के जज व हाई कोर्ट के मुख्य जज ने की पूजा-अर्चना

देवघर। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार महेश्वरी एवं झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने रविवार को सपरिवार बाबा बैद्यनाथ का पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। प्रशासनिक भवन में तीर्थ पुरोहितों ने मंत्रोच्चार के साथ उन्हें संकल्प कराया। इसके बाद दोनों जस्टिस ने द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा बैद्यनाथ का रुद्राभिषेक और जलाभिषेक किया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने दोनों जजों को भेंट स्वरूप स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और बाबा मंदिर का प्रसाद दिया।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत : केंद्र सरकार का ऐतिहासिक फैसला

सभी राज्य मनाएंगे एक-दूसरे का स्थापना दिवस

एजेंसी। नई दिल्ली

अब देश के सभी राज्य एक-दूसरे का स्थापना दिवस मनाएंगे। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने यह बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इसके तहत सभी राज्य अब ना केवल अपना स्थापना दिवस मनाएंगे बल्कि अन्य राज्यों का स्थापना दिवस भी मनाएंगे। सरकार ने यह निर्णय एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देने के लिए लिया है। इसके तहत अब से देश में सभी राजभवनों में सभी राज्यों के स्थापना दिवस मनाए जाएंगे।

आज सभी राज्यों में मनाया जाएगा महाराष्ट्र-गुजरात का स्थापना दिवस

इस निर्णय के तहत एक मई को महाराष्ट्र और गुजरात का स्थापना दिवस देश भर के राजभवनों में मनाया जाएगा। बीस राज्यों और सभी आठ केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने-अपने राजभवन (गवर्नर हाउस) और राज निवास (लेफ्टिनेंट गवर्नर निवास) में गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस मनाए जाने की पुष्टि की है। इनमें 30 राजभवन शामिल हैं। अन्य राज्यों के साथ स्थापना दिवस मनाने के लिए राजभवनों में गुजरात और महाराष्ट्र के निवासियों को आमंत्रित किया गया है। इसके तहत सोमवार को लगभग सभी स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

गौरतलब है कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती पर 31 अक्टूबर, 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की घोषणा की गई थी। इसके पहल का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान से उनके बीच समझ और जुड़ाव बढ़ाते हुए भारत की एकता और अखंडता भी मजबूत होगी।

दिल्ली से न्यूयार्क तक, मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने कार्यक्रम 'मन की बात' के 100वें एपिसोड में खास अंदाज में लोगों से रूबरू हुए। भारत से लेकर लंदन और अमेरिका तक में इस खास एपिसोड का प्रसारण हुआ। करोड़ों लोग पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री ने इस दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से लेकर कश्मीर के मंजूर और हरियाणा के सुनील जगलान तक का जिक्र किया। पर्यावरण से लेकर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और अमृतकाल तक की बात कही। बोले, 'इस कार्यक्रम के जरिए कई जनआंदोलन शुरू हुए। लोगों ने इसे खूब पसंद किया।' प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के सफर के बारे में भी बताया।

इस 100वें एपिसोड में मोटे तौर पर पीएम ने निम्न बिंदुओं पर अपनी बात रखी-

मन की बात एक अनोखा पर्व बन गया

'तीन अक्टूबर 2014 को विजया दशमी का वो पर्व था और हम सबने मिलकर विजया दशमी के दिन 'मन की बात' की यात्रा शुरू की थी। विजया दशमी यानी, बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व, 'मन की बात' भी देशवासियों की अच्छाइयों का सकारात्मकता का एक अनोखा पर्व बन गया है। एक ऐसा पर्व, जो हर महीने आता है, जिसका इंतजार हम सभी को होता है। हम इसमें पॉजिटिविटी को सेलीब्रेट करते हैं। हम इसमें लोगों की भागीदारी को भी सेलीब्रेट करते हैं। कई बार यकीन नहीं होता कि 'मन की बात' को इतने महीने और इतने साल गुजर गए। हर एपिसोड अपने-आप में खास रहा।''आज मन की बात का 100वां एपिसोड है। मुझे आप सबकी हजारों चिट्ठियां और संदेश मिले। कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा चीजों को पढ़ पाऊं देख पाऊं। संदेशों को समझने की कोशिश करूं। कई बार पत्र पढ़ते वक्त भावुक हो गया, भावनाओं में बह गया और संभाला। 100वें एपिसोड पर सच्चे दिल से कहता हूं कि बधाई आपने दी, पात्र आप सभी श्रोता हैं।'

ओबामा के साथ मन की बात की तो, दुनिया में इसकी चर्चा होने लगी

'जब मैंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ मन की बात की तो इसकी चर्चा दुनिया में हुई। मन की बात मेरे लिए दूसरों के गुणों की पूजा का मौका है। मेरे मार्गदर्शक थे लक्ष्मण राव, वो कहते थे कि हमें दूसरों के गुणों की पूजा करनी चाहिए। उनकी इस बात ने मुझे प्रेरणा देती है। यह कार्यक्रम दूसरों से सीखने की प्रेरणा बन गया है। इसने मुझे आपसे कभी दूर नहीं होने दिया।'

देशवासी से कटकर नहीं रह सकता

'जब मैं गुजरात का सीएम था, तब ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

लुधियाना में गैस लीक, 11 की मौत

एजेंसी। लुधियाना

लुधियाना में घनी आबादी वाले गियासपुरा इलाके में रविवार को एक फैक्ट्री से गैस का रिसाव होने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और कई लोग बीमार हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, गैस लीक के कारण नौ लोगों की मौत हो गई और कई लोगों ने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। एनडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंच गए हैं और पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सांस लेने में दिक्कत की शिकायत करने वाले करीब 10 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। गैस पीड़ितों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घटना पर दुख जताते हुए ट्वीट कर कहा, लुधियाना के गियासपुरा इलाके में एक फैक्ट्री से गैस रिसाव की घटना बेहद दुखद है। पुलिस, सरकार और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है। और विवरण जल्द ही। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। कुछ लोग जान बचाने के लिए अपने घरों से बाहर आ गए।

सीएम 2 को 80 उत्कृष्ट विद्यालयों का करेंगे उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दो मई को राज्य के 80 उत्कृष्ट विद्यालयों का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम की रूप रेखा तय हो चुकी है। उद्घाटन कार्यक्रम ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव उच्च विद्यालय धुर्वा रांची में होगा। इसके साथ इन स्कूल ऑफ एक्सिलैंस में पढ़ाई शुरू हो जाएगी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इन स्कूलों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हजारीबाग सहित अन्य जिलों के स्कूलों में एडमिशन का विज्ञापन जारी कर दिया गया है। जून से इन स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

स्कूल ऑफ एक्सिलैंस में एडमिशन के लिए सात मई तक आवेदन लिए जाएंगे। यह आवेदन पूरी तरह से निःशुल्क होगा। इसके

बाद 8 से 10 मई तक आवेदनों की स्क्रूटनी होगी। 12 मई को प्रोविजनल लिस्ट जारी किया जाएगा। इसके बाद 13 और 14 मई तक अभिभावकों को आपत्ति के लिए समय मिलेगा। 15 मई को स्कूल के अनुसार फर्स्ट मेरिट लिस्ट जारी हो जाएगा। 16 से 10 मई तक चयनित स्कूलों में एडमिशन लिया जाएगा। इसके बाद गर्मी की छुट्टी के बाद नया सेशन शुरू होगा। जारी किए गए कैलेंडर के अनुसार 10 जून तक गर्मी की छुट्टी निर्धारित है। 11 को रविवार है। इसके बाद 12 जून से स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

स्कूलों में एडमिशन के लिए अभिभावकों की ओर से दिए गए आवेदन और विभाग की ओर से निर्धारित योग्यता के आधार पर मेरिट लिस्ट निकाला जाएगा। यह मेरिट लिस्ट जिला स्तर पर निकलेगा और स्कूल के अनुसार होगा। सीटों की संख्या के अनुसार मेरिट लिस्ट घट बढ़ सकता है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 7 उत्कृष्ट मॉडल विद्यालयों में झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से आयोजित परीक्षा और सीटें खाली रहने पर जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा आयोजित चयन परीक्षा के माध्यम से तैयार मेरिट लिस्ट के आधार पर एडमिशन होगा।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग सचिव के रवि कुमार की ओर से इन स्कूलों में एडमिशन के लिए उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है। उसके अनुसार राज्य में 27 उत्कृष्ट विद्यालय ऐसे हैं, जहां क्लास 9 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। 48 ऐसे स्कूल हैं, जहां क्लास 6 से 12वीं तक की पढ़ाई होगी। इन स्कूलों में क्लास 9 और क्लास 6 में एडमिशन लिया जाएगा। चार उत्कृष्ट विद्यालय ऐसे हैं, जहां पहली क्लास से लेकर 12वीं क्लास तक की पढ़ाई होगी जबकि एक स्कूल ऐसा है, जहां पहली क्लास से आठवीं क्लास तक की ही पढ़ाई होगी।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट : 5 जुलाई से देना होगा अधिक पार्किंग चार्ज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची की ओर से पांच जुलाई से अधिक पार्किंग शुल्क लगेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की नई पार्किंग पॉलिसी के तहत दरों में बदलाव किया है। नयी दर पांच जुलाई से लागू होगी। नए नियमों के अनुसार आठ मिनट तक किसी भी गाड़ी को एंट्री गेट से एग्जिट गेट के बीच कोई शुल्क नहीं देना होगा। आठ मिनट से ज्यादा समय होने पर प्राइवेट गाड़ियों को 30 रुपये और व्यावसायिक गाड़ियों को 115 रुपये देने होंगे। नई पॉलिसी के अनुसार, पार्किंग टैरिफ में भी बदलाव किया गया है। नयी दरों के अनुसार, बस-ट्रक को 30 मिनट तक 170 रुपये देने पड़ेंगे। वही 30 मिनट से 120 मिनट तक 250 रुपय देने होंगे। ऑटो और एक्सयूवी को 30 मिनट तक 20 रुपये देना होगा। 30 मिनट से 120 मिनट तक के लिए 35 रुपये देने होंगे। प्रीमियम कार पार्किंग के लिए 30 मिनट तक 75 रुपये लगेंगे। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

नक्सलियों का कैंप ध्वस्त

चाईबासा। रविवार को सुरक्षाबलों ने जिले के अति नक्सल प्रभावित गोइलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिया गांव के समीप नक्सलियों के कैंप को ध्वस्त कर दिया। हालांकि, इस कैंप से कोई सामग्री मिलने की सूचना नहीं है। फिलहाल, नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन जारी है। इस अभियान में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बटालियन, 203 बटालियन, 205 बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ 60, 197, 157, 174, 193, 07 और सीआरपीएफ 26 बटालियन की टीम शामिल रहीं। इन जवानों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार ऑपरेशन चलाया जा रहा था।

साहिबगंज में बिजली गिरने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत

नवीन मेल संवाददाता। साहिबगंज

जिले के राजमहल के राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी उधवा के बाबुटोला मोड़ के समीप राजमहल में आसमानी बिजली गिरने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक बच्चे की हालत गंभीर है। सीएम ने इस पर शोक जताया है। रविवार को दोपहर में बारिश शुरू हो गयी। आंधी भी चलने लगी। आसपास के इलाके के बच्चे आम चुनने के लिए बागान पहुंच थे। तभी तेज बारिश से बचने के लिए सभी एक आम के पेड़ के नीचे खड़े हो गये। इसी दौरान गर्जन के साथ ठनका उस आम के

पेड़ के पास गिरा। घटनास्थल पर ही चार बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान बाबूटोला की अयशा खातून (14), नजरुल शेख (10), तौकीर शेख (12) और जाहिद शेख (10) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि आयशा खातून और नजरुल शेख दोनों हुमायूं शेख के बच्चे हैं। तौकीर के पिता महबूब शेख एवं जाहिद के पिता का नाम अशरफुल शेख है। हुमायूं शेख की एक बेटी नसतरा खातून गंभीर रूप से घायल हो गयी है। अनुमंडल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। आसपास के लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और उन्हें ढांढस बंधाया। घटना की सूचना मिलते ही राधा नगर की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल को राधा नगर पुलिस ने अनुमंडल अस्पताल राजमहल पहुंचाया गया। मौके पर मौजूद थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि आसमानी बिजली गिरने से चार बच्चों की मौत हुई है।

मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

रांची। राज्य में मौसम का मिजाज बदल गया है। इसके कारण लोगों को फिलहाल गर्मी से राहत है। दिन की शुरूआत जहां गर्मी होती है, वहीं दोपहर बाद मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। राज्य के कई जिलों में लगभग हर दिन बारिश हो रही है। मौसम विभाग हर घंटे मौसम में परिवर्तन का अपडेट जारी कर रहा है। रविवार को भी मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई हिस्से में बारिश होगी। रांची का तापमान 30.3 के आसपास रहा है। रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने रविवार को बताया कि राज्य के कुछ भागों में गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश के आसार हैं जबकि कुछ हिस्सों में वज्रपात के साथ सतही हवा चलने की संभावना है।

मजदूर दिवस पर — पूरे राज्य में खाएंगे लोग कोदो, कुटगी और रागी

छत्तीसगढ़: फिर चर्चा है बोरे-बासी की

एजेंसी। रायपुर

एक मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है मगर छत्तीसगढ़ में इसे बोरे-बासी तिहार के तौर पर मनाया जाने लगा है। यह छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यही कारण है कि हर किसी को इंतजार है बोरे-बासी तिहार का। छत्तीसगढ़ में पहली बार वर्ष 2022 में एक मई मजदूर दिवस को बोरे बासी तिहार के रूप में मनाया गया। पहले वर्ष ही बोरे बासी तिहार को राज्य के हर वर्ग ने धूमधाम से मनाया था। इस वर्ष भी पूरा राज्य बोरे बासी तिहार का इंतजार कर रहा है। यहां के लोग दावा करते हैं कि युवाओं में लोकप्रिय व्यंजन मोमोज और पिज्जा से बोरे-बासी ज्यादा स्वादिष्ट और सेहदमंद है। बोरे-बासी तिहार से नई पीढ़ी के लोगों को भी छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति से जुड़ने का मौका मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में बोरे बासी प्रमुख व्यंजनों में से एक है। राज्य के मैदानी क्षेत्रों में चावल को पका कर रात के समय ठंडा होने के बाद पानी में डूबा कर इसे बनाया जाता है, जिसे सुबह नाश्ता और भरपेट भोजन के रूप में खाया जाता है। इसी प्रकार बोरे-बासी लघुधान्य फसल जैसे कोदो, कुटगी, रागी और कुल्थी की भी बनाई जाती है। बोरे-बासी के इन सभी प्रकारों में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फ्राइबर, एनर्जी और विटामिन्स, मुख्य रूप से विटामिन बी-12, खनिज लवण जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। बोरे बासी, पिज्जा और मोमोस जैसे खाद्य पदार्थों से ज्यादा पौष्टिक, स्वादिष्ट और सेहदमंद है।

राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से लधु धान्य कोदो, कुटकी, रागी का समर्थन मूल्य भी तय किया है। सरकारी तौर पर इन फसलों की खरीदी की शुरूआत होने से किसानों को उचित दाम मिल रहा है, जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।

मंजू कुमारी हत्याकांड में आरोपी गिरफ्तार

रांची। अनगड़ा थाना पुलिस ने मंजू कुमारी हत्याकांड का खुलासा करते हुए पशुपति महतो को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी, लोहे का दाब, बाइक, दो मोबाइल और दो टूटा हुआ सिम कार्ड बरामद किया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गत 27 अप्रैल को कनकटा पाहु टुंगरी जंगल में एक अज्ञात युवती का शव पुलिस ने बरामद किया था। युवती का गर्दन आधा कटा हुआ था और चेहरे को किसी भोथरे हथियार से कुचला हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिल्ली डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने जांच के दौरान युवती की शिनाख्त खलारी निवासी भिखु महतो की पुत्री मंजू कुमारी के रूप में की।

झारखंड में आज से चलेंगी समर स्पेशल ट्रेनें

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड में एक मई से समर स्पेशल ट्रेन चलेगी। रेलवे ने गर्मियों के मौसम में यात्रियों को राहत देने के लिए कई स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां होने वाली हैं। इसी गर्मी की छुट्टी में शादी-ब्याह का सीजन भी शुरू है। ऐसे में अपने-अपने गांव-घर से दूर रहने वाले छात्र भी अपने परिजनों के पास वापस लौटेंगे या फिर अपने दोस्तों-परिजनों के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

ट्रेनों की सूची

- ट्रेन संख्या (01031) छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मालदा टाउन स्पेशल एक मई से 29 मई तक हर बुधवार को 00:25 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी।
- ट्रेन संख्या (01032) मालदा टाउन-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस प्रत्येक बुधवार को तीन मई से 31 मई के बीच मालदा टाउन से 12:45 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या (09011) उधना जंक्शन-मालदा टाउन स्पेशल प्रत्येक शनिवार को चार मई से 24 जून के बीच 9:30 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी।
- ट्रेन संख्या (09012) मालदा टाउन-उधना जंक्शन स्पेशल मालदा टाउन से प्रत्येक रविवार को सात मई से 25 जून, 2023 के बीच 09:05 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या (05671) गुवाहाटी-रांची हर रविवार को दोपहर दो बजे मालदा टाउन पहुंचेगी और 2:10 बजे रवाना होगी। इसे 30 सितंबर, 2023 तक बढ़ाई गई है।
- ट्रेन संख्या (05672) रांची-गुवाहाटी प्रत्येक सोमवार को 08:25 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी और 08:35 बजे रवाना होगी। इसे भी 30 सितंबर, 2023 तक बढ़ाई गई है।

मन की बात अब जन आंदोलन का कार्यक्रम बना

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली

9 साल पहले 3 अक्टूबर 2014 विजयादशमी के दिन शुरू किया गया मन की बात का ऐतिहासिक सफर अपने 100 वें पड़ाव पर पहुंच गया।यह शतक सबूत है मोदीजी और देश की जनता के बीच मजबूत जुड़ाव और लगाव का उक्त बातें भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें संस्करण पर आयोजित कार्यक्रम में कही। श्री महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से सदैव प्रेरणा मिलती है।यह कार्यक्रम अब जन आंदोलन बन गया है।लोगों के विचारों में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला रहा है। प्रधानमंत्री जी मन की बात कार्यक्रम में देश की नारी शक्ति की सैकड़ों प्रेरणादायी गाथाओं का जिक्र किए। प्रधानमंत्री ने चर्चा किए कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरूआत मैंने हरियाणा से की थी। जो जल्द ही वैश्विक हो गया ।मन की बात के दौरान किए गए चर्चा के ऐसे क ?ई उदाहरण हैं जो लोगों को बहुत प्रभावित किया।उनका यह कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखने की व्यवस्था भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज के आवास पर किया गया था।जहां बूथ संख्या 146 एवं 147 के लोग शामिल हुए। सफल 100 वें संस्करण पूर्ण होने की खुशी में केक भी काटा गया।यह कार्यक्रम सिल्ली विधानसभा में 100 विभिन्न स्थानों पर सुना गया जो अपने आप में ऐतिहासिक है। इस अवसर पर भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज, वरिष्ठ भाजपा नेता पशुपति नाथ महतो, मेघनाथ महतो, दुर्लभ महतो, बोधनाथ महतो, गिरिधर महतो, विपतारण महतो, रामेश्वर महतो, किरीटी कुमार महतो, जन्मेंजय महतो, किशोर, निखिल, फनीभूषण, पंकज, यशपाल सुरज, शेखर आदि मौजूद थे।

विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण का आह्वान : संजीत कुमार

रांची। एसआर डीएवी, पुंदाग के विद्यार्थी, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने आर्य समाज मंदिर में आयोजित साप्ताहिक महा हवन एवं सत्संग कार्यक्रम में भाग लिया। हवन आर्य समाज मंदिर के यज्ञ पुरोहित ने संपन्न कराया। हवन के उपरांत सत्संग में महर्षि दयानंद कृत सत्यार्थ प्रकाश पर चर्चा की गई। प्राचार्य संजीत कुमार मिश्रा ने शिक्षकों से विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ वैदिक मूल्यों के संवर्धन एवं चरित्र निर्माण पर जोर देने का आह्वान किया। संगीत शिक्षक ध्रुपद गायक पंडित शैलेंद्र कुमार पाठक तथा विद्यालय की संगीत मंडली ने भजन प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। कविता पाठ के माध्यम से महर्षि दयानंद के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

रांची के शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ प्रदर्शन किया

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में रविवार 30 अप्रैल 2023 को शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मुसलमानों का यह प्रदर्शन चर्च रोड, स्थित मस्जिद ऐ जाफरिया रांची में हुआ। इस प्रदर्शन में लोग सऊदी हुकूमत और आतंकवादी विरोधी तख्तियां लेकर पहुंचे। बड़ी तादाद में मौजूद लोगों ने सऊदी अरब की हुकूमत के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जताया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगो ने मजार निर्माण करने का मांग किया। रांची में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब मौलाना सैयद तहजीब उल हसन रिजवी की अगुवाई में हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों ने जन्नतुलबकी का जल्द निर्माण कराए जाने की मांग भारत सरकार के द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ से ज्ञापन भेजकर की। मौलाना तहजीबुल हसन ने बताया कि सौ साल पहले सऊदी हुकूमत ने मदीना शहर में स्थित जन्नतुल बकी कब्रिस्तान के तमाम मजारों को तोड़ दिया था। इसमे हजरत फातिमा जहरा का भी मजार शामिल था। हर साल इस्लामी कैलेंडर के शव्वाल महीने की 8 तारीख को सऊदी हुकूमत की इस विध्वंसक करवाई के खिलाफ इंसाफ पसंद शिया मुसलमान सऊदी हुकूमत के खिलाफ प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराते हैं। साथ ही बीबी फातिमा जहरा के मजार का फिर से निर्माण कराने की मांग हम करते हैं।

रांची ग्रामीण क्षेत्र सिल्ली के पत्रकार को दिल्ली में किया गया सम्मानित

सिल्ली। रांची जिला के सिल्ली विधानसभा के वरिष्ठ पत्रकार तारकेश्वर महतो को ग्रामीण क्षेत्र में दो दशक से ज्यादा समय तक कुशल,पक्षपातपूर्ण और जनवादी पत्रकारिता करने तथा समाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने जैसे अभूतपूर्व कार्यों के लिए दिल्ली में आयोजित 'वसुधैव कुटुम्बकम' (संपूर्ण विश्व एक बड़ा परिवार है)कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। लोधी रोड स्थित आंध्रा एसोसिएशन बिल्डिंग के गोदावरी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम जिसका आयोजन सन ड्रीम प्राइवेट लिमिटेड,नीलम युनिवर्सिटी के तत्वावधान मेंकिया गया।इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार के अलावा विभिन्न राज्यों से आए हुए उद्यमीयों के साथ भोला इंस्टीट्यूशनल ट्रस्ट के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, डॉ समीम अहमद वाईस चांसलर नीलम यूनिवर्सिटी, डॉ अभिषेक रंजन डायरेक्टर ए ए ए ग्रुप, डायरेक्टर नीलम यूनिवर्सिटी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष को हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कांग्रेस से निष्कासित नेता आलोक दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव और डॉ राजेश गुप्ता ने सामूहिक रूप से रविवार को राजकीय अतिथिशाला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष की गणेश परिक्रमा करने वाले नेताओं को बोर्ड निगम में जगह देने की तैयारी है जबकि संगठन को सींचने वाले नेता निष्कासन का दंश झेल रहे हैं। तीनों नेताओं ने पार्टी के आलाकमान से मांग की कि राजेश ठाकुर को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाकर आदिवासी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाये, जिनकी अगुवाई में 2024 के चुनाव में पार्टी बेहतर कर सके। नेताओं कहा कि कांग्रेस पार्टी में एक व्यक्ति एक पद का ढर्रा पुराना रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एआईसीसी की बैठक में जाने से पहले इस्तीफा दिया था। इसके बाद ही वो एआईसीसी की बैठक में शामिल हुए थे। प्रदेश अध्यक्ष को भी राज्यमंत्री का दर्जा मिला है। फिर भी वह प्रदेश अध्यक्ष के पद पर काबिज हैं। डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि प्रदेश कमेटी ने एआईसीसी के गठन से पूर्व चार नेताओं को निलंबित कर दिया।हमें विश्वास था कि एआईसीसी में जगह मिलती लेकिन प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने व्यक्तिगत रूप से चिन्हित कर निलंबित किया। लाल किशोरनाथ शाहदेव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार में बोर्ड निगम का गठन होना है और पार्टी के कार्यकताओं को जगह दिया जायेगा। इससे पहले भी 20 सूत्री और 15 सूत्री का गठन किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी का भी गठन हुआ और इन तमाम चीजों में विवाद हुए हैं। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी और विधायक दल की नेता की ओर से घोर लापरवाही किया गया। एक बार फिर चर्चा है कि बोर्ड निगम का गठन होगा।

झामुमो पंचायत कमेटी का हुआ गठन

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत रविवार को को झामुमो सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो उर्फ राधिका के अध्यक्षता में लोवादाग पंचायत के चातमबाडी स्कूल प्रांगण में लोवादाग पंचायत के सक्रिय झामुमो कार्यकताओं के बीच एक बैठक रखी गई। जिसमें झामुमो पंचायत कमेटी का गठन सर्वसम्मति से किया गया जिसमें पंचायत के प्रभारी अजीत कुमार महतो सारजमडीह, अध्यक्ष वासुदेव सिंह मुंडा धरमपुर, सचिव मनोज महतो इटिहासा, कोषाध्यक्ष लालू लोहरा चातमबाडी, उपाध्यक्ष शंभू नाथ महतो केशरडीह, उपसचिव प्रफुल्ला महतो वोरनाटांड आदि 15 सदस्य का चुनाव किया गया। मौके पर झामुमो प्रखंड कमेटी के अमित कुमार महतो, अशोक कुमार महतो, अनिल बेदिया, पांडे महतो, गोपाल महतो, प्रमोद कुमार महतो, अखिलेश कुम्हार, शिवचरण पहान आदि उपस्थित रहे।

श्री श्याम मंदिर का स्थापना दिवस आज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर का सप्तम स्थापना दिवस समारोह वैशाख शुक्ल एकादशी सोमवार 1 मई 2023 को विविध कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नर्सरिया ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्थापना समारोह का प्रारंभ प्रातः 5:30 बजे मंगल आरती से होगा, इसके बाद श्रृंगार किया जाएगा व 8:30 बजे श्रृंगार आरती करके भोग अर्पित किया जाएगा। दोपहर बाद मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं को नवीन पोशाक पहनाकर नवीन विशेष सजावट की जाएगी। मुख्य समारोह रात्रि 9:30 बजे प्रारंभ होगा। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सराओगी अन्नपूर्णा सराओगी परिवार के साथ खाटू नरेश की अखंड पावन ज्योति प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। इसके बाद मंडल के सदस्य गण श्रवण ढानढनिया श्याम सुंदर शर्मा अनुज मोदी मनोहर केडिया गौरव अग्रवाल मोनू सलज अग्रवाल सोनू साकेत अलग-अलग सभी देवी देवता और गुरुजनों के भजनों का गायन करेंगे। इसके बाद कोलकाता से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक बालकिशन शर्मा और पूजा पारीक अपने सहयोगियों के साथ श्री श्याम दरबार में भजनों का गायन करेंगे । स्थापना दिवस समारोह की तैयारी का दायित्व महामंत्री विश्वनाथ नर्सरिया, मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, उप मंत्री अनिल नारनोली, संजय सर्राफ, पंकज गाड़ोदिया, दिनेश अग्रवाल, कृष्ण शर्मा, रोशन खेमका, अरविंद सोमानी, विशाल पोद्दार, अभिषेक सराओगी, रोनक पोद्दार, रतन शर्मा आदि को दिया गया है। इस अवसर पर विशेष केसरिया पेड़ा ओमप्रकाश छावनीका रबड़ी प्रसाद अन्नपूर्णा सराओगी मगही पान प्रसाद सुभाष रौनक पोद्दार पंचमेवा प्रसाद यूबी वर्णवाल गिरी गोला सेवा एक भक्तों द्वारा निवेदित किया जाएगा। महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया सभी श्याम भक्तों को स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित किया है। ज्ञातव्य है कि 2017 में मई माह में श्री श्याम मंदिर का उद्घाटन हुआ था। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में खाटू नरेश का विशेष श्रृंगार किया गया। लाल गुलाबी पीला लाल गुलाबी कमल के फूल मालाओं से खाटू नरेश किशोरगंज निवासी दिनेश प्रसाद परिवार के साथ श्रृंगार व पंचमेवा प्रसाद की सेवा निवेदित की।

मांगों को लेकर राज्य के मनरेगा कर्मी आज से शुरू करेंगे पदयात्रा

रांची। राज्य के मनरेगा कर्मी एक मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सोमवार को अपनी लंबित मांगों के लिए पदयात्रा करेंगे। झारखंड मनरेगा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जॉन पीटर बागे ने कहा कि मजदूर दिवस के दिन से यह पदयात्रा बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलीहातू अड़की से राजभवन तक होगी। तीन मई को राजभवन के समक्ष मनरेगाकर्मी धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि संघ ने पदयात्रा की रूपरेखा तैयार कर लिया गया है। रोड मैप और रात्रि विश्राम के जगह को चिन्हित किया गया। उलीहातू से पदयात्रा प्रारंभ होगा। दोपहर में अड़की प्रखंड में विश्राम के बाद तमाड़ तक पदयात्रा होगी। रात्रि विश्राम तमाड़ में होगा। दूसरे दिन दो मई को पदयात्रा बुंडू प्रखंड होते हुए रामपुर पंचायत तक चलेगी। रात्रि विश्राम रामपुर पंचायत में होगा। तीसरे दिन दुर्गा सोरेन चौक होते हुए राजभवन तक पदयात्रा करेंगे।

झारखंड एचएमएआई रांची को मिला सम्मान

डॉ. राजीव कुमार को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

कार्यक्रम में झारखंड के प्रतिनिधि डॉ. राजीव कुमार सचिव एचएमएआई रांची यूनिट एवं डॉ. बीएन सहाय रंजन को विश्व होमियोपैथिक दिवस के अवसर पर झारखंड रांची के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित होमियोपैथी के समारोह के सफल आयोजन मुख्यमंत्री झारखंड हेमन्त सोरेन के द्वारा 1000 आयुष आंगनबाड़ी होमियोपैथी किट एवं होमियोपैथिक एनीमिया किट के निःशुल्क वितरण के शुभारंभ, 950+ होमियोपैथिक चिकित्सकों को सम्मान एवं झारखंड में एचएमएआई की पांच नई इकाई दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, गिरिडीह एवं रांची 1 के गठन हेतु मोमेंटो, पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। होमियोपैथी का देश का सबसे बड़ा संगठन एचएमएआई (होमियोपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक देश की राजधानी दिल्ली की प्रतिष्ठित होटल हयात सेंट्रिक जनकपुरी पश्चिम में एचएमएआई दिल्ली इकाई के द्वारा रविवार को सम्पन्न हुई जिसमें पूरे देश से सभी राज्यों के एचएमएआई इकाई के प्रतिनिधी सम्मिलित हुए। एचएमएआई के वरीय पदाधिकारियों को सम्मानित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में एचएमएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामजी सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. अरुण भाष्मे, सीसीएच के भूतपूर्व अध्यक्ष सह बैक्सन होमियोपैथी के संस्थापक डॉ. एसपीएस बक्शी, कोलकाता होमियोपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कोलकाता पश्चिम बंगाल के प्राचार्य सह ऑर्गेनॉन होमियोपैथिक कम्पनी के संस्थापक डॉ. श्यामल मुखर्जी, एचएमएआई बिहार के अध्यक्ष डॉ. संजीव सिंह सहित सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न राज्यों जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र , जम्मू कश्मीर एवं अन्य राज्यों से आए हुए एचएमएआई के प्रतिनिधियों ने सर्व सम्मति से भारत के विभिन्न राज्यों के सरकारों से सामंजस्य स्थापित कर होमियोपैथिक को जन जन तक पहुंचाने के लिए डॉ. राजीव कुमार को अधिकृत किया। यह झारखंड जैसे छोटे प्रदेश से पूरे भारत देश के लिए इतना बड़ा कार्य करने का मौका प्राप्त हुआ है। यह हमारे पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। इससे पूरे झारखंड के होमियोपैथिक चिकित्सकों में अपार हर्ष की लहर है।

कार्रवाई जानकारी होने के बाद भी पुलिस का एक्शन न लेना समझ से परे

बन्ना पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई हो : सरयू

नवीन मेल संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने कहा है कि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा प्रतिबंधित ग्लौक पिस्तौल अवैध रूप से खरीदने, अवैध रूप से जमशेदपुर लाने, ज़िला के आर्म्स मजिस्ट्रेट के यहाँ गलत रिपोर्ट देने, कदमा थाना में आधी-अधूरी जानकारी देकर प्रतिबंधित पिस्तौल अवैध रूप से अपने घर में रखने और सार्वजनिक स्थान पर प्रतिबंधित पिस्तौल से फायरिंग करने की शिकायत और जानकारी ज़िला प्रशासन और पुलिस को मिलने के तीन दिन बाद भी इस मामले में कोई कारवाई होने की सूचना नहीं है। यहां जारी एक बयान में राय ने कहा कि रविवार को उन्होंने मंत्री के अवैध कारनामे के बारे में दूरभाष पर राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस निदेशक को जानकारी दी और कहा कि वे इस बारे में ज़िला के उपायुक्त और वरीय पुलिस अधीक्षक से इस संबंध में एक स्वभारित प्रतिवेदन माँगे। राय के अनुसार, उन्होंने उनसे कहा कि एक मंत्री की गैरकानूनी गतिविधियों पर हाथ डालने में और कानूनी कदम उठाने में लगता है कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस असहज महसूस कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में राज्य के पुलिस एवं प्रशासनिक मुख्यालय से इन्हें आवश्यक समर्थन और निर्देश मिलना आवश्यक है ताकि ये अपने वैधानिक दायित्व का निर्वहन कर सकें। बयान के अनुसार, सरयू राय ने पुलिस महानिदेशक से कहा कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने 21 जनवरी 2023 को ग्लौक पिस्तौल की खरीद बिक्री को अवैध ठहराते हुए सभी राज्यों को लिखा है कि यदि किसी ने यह पिस्तौल रखा है तो उसे जप्त कर सरकारी मालखाना में जमा करायें। जमशेदपुर के कदमा थाना क्षेत्र में निवास करने वाले स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के पास यह प्रतिबंधित पिस्तौल है। पत्रकारों के एक स्थानीय कार्यक्रम में एक दिन इन्होंने इससे फायरिंग भी की थी। उन्होंने डीजीपी को बताया कि इस कांड की सूचना जमशेदपुर ज़िला प्रशासन को मिले तीन दिन हो गये पर इन्होंने कोई कारवाई नही की।

मां जानकी जन्म महोत्सव का किया गया आयोजन

रांची। झारखंड मैथिली मंच की ओर से हरमू के विद्यापति दालान में मां जानकी का अवतरण दिवस मनाया गया। बहिना प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित जानकी नवमी की शुरूआत भगवती बंदना से हुई। संस्था की मंजू झा, अनिता झा, अंजू झा, रेणु झा, बिट्टू झा ने पारंपरिक गीत पेश किए। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष विनय झा, महासचिव वैद्यनाथ झा, अमरनाथ झा, अरूण कुमार झा, जयन्त कुमार झा, अभय कुमार झा, सुकुमार नाथ झा, नर्मदेश्वर झा, बाबूलाल झा, नंदकिशोर महतो, नारायण तिवारी समेत अन्य की भागीदारी रही। बाबा विद्यापति स्मारक समिति की ओर से भी मां जानकी जन्मोत्सव मनाया गया। समिति के सदस्यों द्वारा सर्जना चौक पर श्रीराम जानकी मंदिर में माता जानकी की पूजा अर्चना हुई। इसके बाद कचहरी रोड स्थित कार्यालय परिसर में समारोह का आयोजन हुआ।

विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ स्वागत

देश ही नहीं विदेशों में भी पहचान बनाई

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रविवार को झारखंड की धरती पर विश्व ब्राह्मण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष केसी पांडे का आगमन हुआ। रांची एयरपोर्ट पर स्वागत भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने की। अंग वस्त्र और पुष्प गुछ देकर स्वागत करने वालों में प्रेम जीवाल, अरविंद पाठक रहे। धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि हम सभी के लिए आज सीखने का दिन है। केसी पांडे अपने प्रदेश उत्तराखंड के लिए बहुत कुछ किया है और विश्व ब्राह्मण संघ को देश ही नहीं विदेशों में भी स्थापित की है। समाज को एकता के सूत्र में बांधने वाले श्री पांडे के साथ धर्मेंद्र तिवारी भी विश्व ब्राह्मण संघ के भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष में रामगढ़ गुरुनानक स्कूल के हाल में पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलित कर, श्रद्धा सुमन अर्पित कर मंचासीन होकर लोगों का प्यार दुलार पाया। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष का स्वागत करने वालों में प्रदीप शर्मा, राजीव पांडे इस अवसर पर श्री तिवारी ने अपने संबोधन में कहा प्रेम समरसता, त्याग से सेवा होती है और समाज का विकास होता है जब तक समाज का विकास नहीं होगा। तब तक प्रदेश का देश का विकास नहीं होगा। ब्राह्मण हमेशा से अग्रणी रहा है। समाज को रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि आप पुनः समाज को रास्ता दिखाएं समाज भटक रहा है। जाती धर्म में सभी बट रहे हैं सभी सनातन संस्कृति को अपनाते हुए जीवन जीने की कला अध्यात्म से सीखे और आगे बढ़े। सभी मिलजुल कर प्रदेश और देश का विकास में सहभागी बने। श्री तिवारी ने कहा जब मैं विश्व ब्राह्मण संघ का अध्यक्ष था तो झारखंड के मुख्यमंत्री जी ने मिलने पर आश्वासन दिया था कि हम ब्राह्मण कल्याण बोर्ड का स्थापना जल्द करेंगे और आपकी सभी मांगों को हम मान लेंगे।

मन की बात के गवाह बने 10 लाख से अधिक लोग

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने, समाज को एक सूत्र में पिरोने और चरैवेति-चरैवेति-चरैवेति के संकल्प के साथ रविवार को 100वीं बार देश से मन की बात की। झारखंड भाजपा ने प्रधानमंत्री के मन की बात के 100वें एपिसोड को ऐतिहासिक बनाया। मन की बात सुनने के लिए प्रदेश भाजपा ने राज्य के कुल 9000 स्थानों पर कैंप लगाया गया, जहां 10 लाख से अधिक लोगों ने पीएम के मन की बात का 100वां एपिसोड सुना। रांची में मन की बात कार्यक्रम को लेकर झारखंड भाजपा नेताओं में उत्साह देखा गया। रांची में खिजरी विधानसभा क्षेत्र के महिलौंग जतराटांड़ बूथ संख्या 187 पर बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोगों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने मन की बात कार्यक्रम को सुना। उनके साथ प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, छोटानागपुर सरना समिति के अध्यक्ष बिरसा पाहन, सुजाता मिंज, सोहन मुंडा, अशोक मुंडा, रतनू कुजूर, शिबू मुंडा सहित बड़ी संख्या में जनजातीय लोगों ने पीएम मोदी की मन की बात के 100वें संस्करण को सुना। दो हजार से ज्यादा आदिवासी महिला और पुरुष पारंपरिक वेषभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि यह दुनिया का अनूठा कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री के मन की बात से समाज में बदलाव हो रहा है। बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ, वोकल फॉर लोकल सहित कई ऐसे आह्वान पीएम ने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से किया है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना पूरा हो रहा है। विपक्ष द्वारा मन की बात कार्यक्रम पर तंज कसने के सवाल पर दीपक प्रकाश ने कहा कि आज विपक्ष पीएम और उनकी मन की बात कार्यक्रम की लोकप्रियता से घबराया हुआ है।

मन की बात एक प्रेरणादायक उद्बोधन : प्रदीप वर्मा

प्रदेश भाजपा के महामंत्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम एक प्रेरणादायक उद्बोधन है। मन की बात कार्यक्रम जन आंदोलन का रूप ले लिया है। यही कारण है कि आज यहां बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग भी मन की बात सुनने आये हैं।

कौन नेता कहां रहे उपस्थित : नेता विधायक दल और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह तिसरी प्रखंड के मंसाडीह उच्च विद्यालय प्रांगण उपस्थि थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बर्मा माइंस, जमशेदपुर में मौजूद थे। क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र हिनू मंडल के बूथ संख्या 405 पर लोगों के साथ सुना। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने धनबाद में अपनी उपस्थिति दर्ज की। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अंडमान, निकोबार द्वीप जनजातीयों के साथ मन की बात सुनी। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी कोडरमा में अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौजूद थीं। इनके अलावा भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, सांसद और विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में बूथों पर शामिल हुए।

मई में सात दिन बैंक रहेंगे बंद

रांची। राज्य में मई महीने में कुल सात दिन बैंक बंद रहेंगे। आरबीआई की हॉली-डे लिस्ट के अनुसार राज्य में सात दिन बैंक बंद रहेंगे। इनमें बुद्ध पूर्णिमा सहित दूसरा-चौथा शनिवार और रविवार की छुट्टी भी शामिल है।

मई में इन मौकों पर बंद रहेंगे बैंक

-पांच मई को बुद्ध पूर्णिमा के दिन रांची के बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

-सात मई को रविवार के दिन बैंक बंद रहेगा।

-13 मई को दूसरे शनिवार के चलते बैंक बंद रहेंगे।

-14 मई को रविवार के दिन भी बैंक बंद रहेंगे।

-21 मई को रविवार के दिन बैंकों में अवकाश रहेगा।

-27 मई को चौथा शनिवार है, जिस वजह से बैंक बंद रहेंगे।

-28 मई को रविवार है और बैंक बंद रहेंगे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस महानगर की नई कमेटी घोषित

14 उपाध्यक्ष, 46 महासचिव और 71 सचिव बनाए गए

नवीन मेल संवाददाता। रांची

महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार राजा ने महानगर कांग्रेस की नई कमेटी की घोषणा कर दी है। इसमें उपाध्यक्ष-14, कोषाध्यक्ष-1, महासचिव-46 सचिव-71, मीडिया प्रभारी, प्रवक्ता-2, कार्यकारिणी सदस्य-41 एवं विशेष आमंत्रित सदस्य-42 तथा जिले के सभी अग्रणी संगठन के चेयरमैन को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल हैं। इस अवसर पर महानगर मीडिया प्रभारी राज रूद्रा, उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, राज कुमार नागवंशी, डॉ. साजदा खातून, नंद किशोर प्रसाद उर्फ नंदू साहू, तारिक मुजुबी एवं प्रवक्ता विकास कुमार यादव उपस्थित थे।

मीडिया प्रभारी राज कुमार सिंह रूद्रा ने कहा कि इस कमेटी में पुराने, नये और सामाजिक लोगों को जगह दी गयी है। आने वाले दिनों में हमलोग जनमुद्दों को लेकर जनता के बीच जायेंगे। केंद्र की गलत नीतियों का विरोध और हमारी सरकार के अच्छे काम से जनता को रूबरू करायेंगे। हम रांची लोकसभा सीट को फिर से कांग्रेस की झोली ने डालने का काम करेंगे। उपाध्यक्ष -अजय जैन, प्रकाश सिंह, नाजिमा रजा, विनीता पाठक नायक, नंद किशोर प्रसाद, ख्वाजा अशरफुद्दीन उर्फ प्रिंस बट, राज कुमार नागवंशी, प्रेम रंजन, फ्रांसिस तिर्की, तारिक मुजीबी, डॉ. साजदा खातून, दिलीप सिंह, दीपक राम, संतोष महतो।

कोषाध्यक्ष : विशाल कृष्ण

महासचिव : काजल भट्टाचार्य, सुनील अरुण गिरी, जयके खान, सम्राट चटर्जी, जगरनाथ साहू, साकेत पोद्दार, हैदर अली, सिंटू यादव, विश्वजीत चक्रवर्ती, सोनी नायक, प्रदीप सिन्हा कैप्टन, विभोर सिंधानिया, प्रवीण अग्रवाल, कुणाल सिंह, संजय चौबे, जितेंद्र त्रिवेदी, रणधीर सिंह, राबिन कुमार मिश्रा, अर्चना मिर्धा, कुमुदानी

प्रभावती, गजेंद्र सिंह,संजय सिंह, लालू, हिना परवीन, दीपू सिन्हा, फिरोज खान, कैशर प्रवीण, शिव कच्छप, अमिताभ बनर्जी, रंजन कच्छप, लाल आशुतोष नाथ शाहदेव, बिजेंद्र सिंह, विनोद सिंह,सुनील यादव, राजेश कुजूर, जगदीप सिंह बोबी, दीपक पोद्दार, राजकुमार राज श्रीवास्तव, प्रवीण टोप्पो, नरेश पदित, मणिकांत राव, मोना राय, रमेश चंद्र पाण्डेय, इलियास, गुड्डू यादव, एमडी गुलाम सरवर, संतोष कुमार गुप्ता।

सचिव- चांदनी सिंह, प्रकाश सोनी, प्रवीण सोनल कच्छप, राजू मल्लिक, बंटी वर्मा, रितेश सिंह राजा, सौरव खन्ना, शकुंतला उरांव, निर्मला तिर्की, सुषमा लकड़ा, संगीता टोप्पो, जसमनी देवी, जोलन टिर्की, संगीता बुद्ध, संगीता तिर्की, विगाल तिर्की, राजेश लिंडा, संजय कच्छप, रमा महली, नौशाद खान, अरविंद कुमार मिश्रा, विनय बागे, वाहिद अंसारी, राजू काठमल, महादेव उरांव, उचु तिर्की, ऐलवीन लकड़ा, गुलफान अंसारी, अजहर इमाम, सुधीर मिंज, जमसीन एक्का, बीबी खान, जितेंद्र सिंह, मुकेश साहू, अनूप सोनी, शिव प्रसाद भाटाचायार्जी, तौहीद खान, मुनत्जीर खान, अशोक सोनी, राजेश शर्मा, शिवू तिर्की, आकाश तिर्की, प्रकाश तिर्की, सुनील टोप्पो,ललित उरांव, बुधु उरांव, नवीन निश्चल, संतोष सोनी, सखी कौर होरो, गुलफाम अंसारी,राखी प्रिया दर्शनी, प्रकाश तिर्की, मो नौशाद अहमद, मो जावेद अली, ऋषिकांत टोप्पो, डेविड दीन, कुसुम सिंह मुंडा, शमशान चटर्जी, अंकित सिंह राजपूत, बंती वर्मा, कन्हैया महतो, संदीप कुमार, श्रीकांत, कौशल्या भारती, कुंदन कुमार सिंह, सुनीता रवि, विट्टू, अनिल सहनी, आरपी सिन्हा, समीक्षा शर्मा, मुकेश अग्रवाल।

मीडिया प्रभारी : राज कुमार सिंह रूद्रा

प्रवक्ता : राजा कर्माकर, विकास कुमार यादव

कार्यकारिणी सदस्य : दीपक ओझा, सुधीर चौधरी, इंदुलता देवी, कामेश्वर गिरी, डॉ। सुशील कुमार, मुंजी सिंह, राजन वर्मा, रामधन वर्मन, अनूप लाल, योगेंद्र सिंह बेनी, उमेश चौधरी, नागो चौधरी, मुनीश कुमार, पूर्णिमा सिंह, आनंद जालान,अशोक शर्मा, शकील अहमद, कलीमुद्दीन मदन, अफसर खान बबलू, तारा नाथ शाहदेव, सुबोध गुप्ता, अरुण चावला, सुधीर सिंह,राजीव प्रकाश चौधरी, एस अहमद, रितेश कुमार श्रीवास्तव, मणिशंकर तिवारी, नंदलाल शर्मा, अरुण श्रीवास्तव, अजय कुमार सिंह, हरि लाल साहू, पी के। चौधरी, विनय सिंह, उमेश प्रसाद, आशुतोष पाठक, दामोदर राम, प्रभात गुप्ता, विनोद शर्मा, राजू यादव, राजेश वर्मा, इंद्रजीत सिंह।

विशेष आमंत्रित सदस्य : सुबोधकांत सहाय, गोपाल प्रसाद साहू,हरि राम, बंधु तिर्की, प्रदीप तुलस्यान, केशव महतो कमलेश, अनादि ब्रह्म, डॉ। जय प्रकाश गुप्ता, डॉ। गुलफाम मुजीबी, रोशन लाल भाटिया, राणा संग्राम सिंह, निरंजन पासवान,चंचल चटर्जी, अमूल्य नीरज खाखो, रमा खलखो, शमशेर आलम, हाजी मतलूब इमाम,आभा सिन्हा, नेली नाथन, सुनील सहाय, खुर्शीद हसन रूमी, रवींद्र सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, अजय नाथ शाहदेव, बिनय सिन्हा दीपू, मदन मोहन शर्मा, राकेश सिन्हा, राजीव रंजन प्रसाद, सुरेंद्र सिंह, संजय पाण्डेय, राजेश सिन्हा सनी, अमरेंद्र सिंह, शशि भूषण राय, निरंजन शर्मा, जगदीश साहू, सुरेन राम, सलीम खान, सुनील सिंह, कमल ठाकुर रमाकांत आनंद, शाबाज अहमद, आलोक तिवारी शामिल हैं।

वर्किंग महिलाओं के लिए सखी एनजीओ की तलाश में प्रशासन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नगड़ा टोली स्थित वार्ड 19 में वर्किंग महिलाओं के सखी निवास को संचालित करने के लिए रांची जिला प्रशासन एनजीओ की तलाश कर रही है। इसको लेकर स्वयंसेवी संस्था और गैर सरकारी संस्था को आमंत्रित किया गया है। इच्छुक संस्था रांची स्थित जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के ऑफिस में 10 मई तक आवेदन जमा कर सकते हैं। इसी दिन शाम 4 बजे जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में आवेदन खोले जायेंगे। आवेदन खोले जाते समय स्वयंसेवी संस्था और गैर सरकारी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और 15वें वित्त आयोग ने 2021-2022 से 2025-26 की अवधि में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए एक समग्र और समेकित योजना मिशन शक्ति का क्रियान्वयन निर्धारित किया है। मिशन शक्ति के अंतर्गत पूर्व से चल रही योजनाओं का विलय किया गया है। यह मुख्य योजना है। जबकि इस योजना की दो प्रमुख उप योजना संबस और सामर्थ्य योजना नाम से क्रियान्वित की जानी है। सामर्थ्य (महिला सशक्तिकरण घटक) उप योजना के तहत पुरानी चल रही कामकाजी महिला छात्रावास योजना का नाम बदल कर सखी निवास किया गया है। इसका उद्देश्य कामकाजी महिलाओं को डे केयर की सुविधाओं के साथ आवास की उपलब्धता को बढ़ावा देना है। महिला, बाल विकास विभाग के प्रावधानों के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में सखी निवास का संचालन योग्य एनजीओ और गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से किया जायेगा। सभी जिलों के डीसी की अध्यक्षता में गठित समिति एनजीओ का चयन करेंगी। चयनित संस्थाओं या एजेंसियों को संचालन के लिए अनुदान राशि उपलब्ध करायी जायेगी। विभागीय सचिव ने जिलों के डीसी से सखी निवास के संचालन के लिए अनुशंसा के साथ योग्य एनजीओ, संस्थाओं का प्रस्ताव मिशन शक्ति के मार्गदर्शिका के अनुरूप मांगा है।

सूर्य के चारों ओर नजर आया सन रिंग, लोगों ने देखा

रांची। रांची में रविवार को आसमान में सूर्य की चारों तरफ एक चमकदार रिंग नजर आयी। इसे सोलर हालो या सन रिंग कहते हैं। इसको देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गये। इस संबंध में मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद बताया कि सोलर हालो या सन रिंग एक सामान्य खगोलीय घटना है। यह वातावरण में मौजूद हेक्सागोनल क्रिस्टल के कारण होता है। उन्होंने बताया कि जब वातावरण में मौजूद पानी की बूंदों पर प्रकाश पड़ता है तो उसके विकिरण के कारण यह घटना घटती है। कई बार इस गोले में इंद्रधनुष की तरह कई रंग भी नजर आते हैं। जब किसी प्रकाशमय या एनर्जी से लबरेज चीज के चारों ओर गोलाकार आकृति बन जाये तो उसे हालो कहते हैं। उन्होंने कहा कि हालो यह संकेत देते हैं कि अगले 24 घंटों के भीतर बारिश होगी। क्योंकि, सिरोस्ट्रेटस बादल जो उन्हें पैदा करते हैं।

कार्यशाला कृषि बजट की प्राथमिकताओं पर कार्यशाला का आयोजन

कृषि प्रणाली को प्राथमिकता देने की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बीएयू के आरएसी सभागार में झारखंड राज्य की कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में बजटीय प्राथमिकताओं विषय पर राज्यस्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसे बीएयू के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के सहयोग से सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस एकाउंटेबिलिटी (बीजीए), नई दिल्ली और जीवन शिक्षा और विकास सहायता संस्था (लीड्स), रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि डीन फॉरेस्ट्री डॉ. एमएस मल्लिक ने कृषि क्षेत्र में बजट का सही समय पर उचित क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने प्रदेश में पर्यावरण के अनुकूल कृषि, प्राकृतिक खेती एवं एकीकृत कृषि प्रणाली को प्राथमिकता देने की बात कही। इन्हें कृषि जोखिम को कम करने और किसानों की आय विशिष्ट अतिथि राय विश्वविद्यालय के डीन

एग्रीकल्चर डॉ. आरपी सिंह रतन ने झारखंड में सब्जी उत्पादन, पशुधन, वनोपज संग्रह, बकरीपालन और सुकरपालन को किसानों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत बताया। बजट खर्च प्रणाली की उपयोगिता बढ़ाने, निगरानी एवं शिथिल कार्यान्वयन पर ध्यान देने तथा वाटरशेड पर भारी खर्च की जगह सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की लोकप्रियता, सिंचाई क्षेत्र में बढ़ोतरी से फसल सघनता में वृद्धि एवं एकीकृत पोषक तत्व वरिष्ठ नीति विश्लेषक, सेंटर फॉर बजट एंड गवर्नेंस एकाउंटेबिलिटी (सीजीबीए), नई दिल्ली गुरप्रीत सिंह ने कृषि बजट के अंतर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य कृषि बजट पर करीब 5 फीसदी मात्र खर्च करता है। कृषि योजनओं में खर्च कम हो रहा है। आरकेवीआई और एनएफएसएम जैसे योजनओं के तहत निधियों का कम उपयोग चिंता का विषय है और योजनओं में निधि आवंटन मांग आधारित रखे जाने की जरुरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोग्राम मैनेजर, लाइफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सपोर्ट्स (लीड्स), रांची एन रथ ने की। उन्होंने कृषि विकास में जल संचयन का महत्व, गिरते भूजल स्तर से भावी नुकसान और 5 प्रतिशत कृषि बजट मात्र में बढ़ोतरी पर जोर दिया। सीओ, रांची रेशु भारद्वाज ने कहा कि कृषि बजट में किसानों को ब्लॉक चेन तकनीक आधारित उत्पादन को बढ़ावा और किसानों का सब्सिडी से सम्मान पर प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वागत भाषण में एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ बीके झा ने कृषि बजट की प्रक्रिया में इसके प्रभाव की समझ को जरूरी बताया। उन्होंने किसानों के सामने जलवायु जोखिम, घटते प्राकृतिक संसाधन और किसानों की लाभप्रदता जैसी प्रमुख चुनौतियों के मुद्दों को उचित बजट आवंटन और उपयोग के साथ संबोधित करने पर बल दिया। महर्षि महे कल्याण परिषद, रांची के सचिव, सचिदा नंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

NEWS इन ब्रीफ

पुलिसकर्मी के घर से गहने और 1.60 लाख नकदी की चोरी

रांची। शहर में चोरी की घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रहा है। आये माकानों का ताला तोड़क चोर अपने कामों को अंजाम दे रहे हैं। हालांकि शहर की पुलिस रात के समय भी अपने गश्ती पर रहती है लेकिन मौके का फायदा उठाकर चोर अपने कामों में सफल हो जाते हैं। कुछ इसी तरह का मामला डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित साउथ ऑफिस पाड़ा में रहने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मी प्रह्लाद महथा के घर से सोने की चेन, झुमका, नथुनी, कान की बाली, अंगूठी सहित कई चांदी के गहने और आलमारी में रखे 1.60 लाख नकदी चोरी चली गई। रविवार को थाने में दिये आवेदन में प्रह्लाद ने बताया है कि वे डोरंडा थाना क्षेत्र के साउथ ऑफिस पाड़ा में रहते हैं।

रांची के डिप्टी रजिस्ट्रार से पूछताछ आज

रांची। रांची में जमीन घोटाले में सरकारी पदाधिकारियों की भूमिका पर विस्तृत जांच ईडी ने शुरू कर दी है। ईडी के रांची जोनल आफिस में सेना जमीन, बजरा के खाता संख्या 140 व चेशायर होम रोड में एक एकड़ जमीन की रजिस्ट्री के मामले में ईडी रांची के डिप्टी रजिस्ट्रार वैभव मणि त्रिपाठी से एक मई को पूछताछ करेगी। वैभव मणि त्रिपाठी पूर्व से ही ईडी की रडार पर रहे हैं। नवंबर महीनें में पहली बार ईडी की टीम ने वैभव के ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद विवादित जमीनों की रजिस्ट्री को लेकर ईडी ने वैभव मणि त्रिपाठी से पूछताछ की थी। लेकिन 13 अप्रैल की छापेमारी के बाद जमीन घोटाले में ईडी को नए तथ्य हासिल हुए हैं, इसके बाद ईडी ने नए सिरे से डिप्टी रजिस्ट्रार को समन किया है।

खूंटी के किसानों को अब तक नहीं मिला बेचे गए धान का मूल्य

खूंटी। भारतीय किसान संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री प्रकाश नारायण तिवारी ने संगठन के अन्य पद धारियों के साथ रविवार को कर्रा प्रखंड के कुदलूम, कर्रा, लोधमा, गोविन्दपुर सहित अन्य कई गांवों का दौरा किया। संघ के अधिकारियों ने किसानों से मिलकर उनकी समस्याओं की जानकारी जी। किसानों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा कि सरकार द्वारा खोले गए धान क्रय केंद्र में किसानों ने जो अपने धान बेचे हैं, उसका भुगतान अब तक नहीं हो पाया है। किसानों का कहना है धान बेचे हुए ती-चार महीने बीत गए लेकिन अब तक किसानों को पैसे नहीं मिले। किसानों ने कहा कि कुछ ही दिनों में खेती बारी का समय आ जाएगा। ऐसी स्थिति में किसानों के पास आर्थिक समस्या उत्पन्न हो जाएगी। साथ ही कहा कि झारखंड सरकार द्वारा पचास हजार रुपये कृषि लोन माफ किया गया है। कुछ किसानों को इसका लाभ मिला है लेकिन अब भी बहुत से किसान इससे वंचित हैं।

खूंटी के मुरहू में मिशन बदलाव , भूषण भगत की बैठक

खूंटी। मिशन बदलाव, मुरहू की बैठक सुधीर भगत रविवार स्थित शयोर सक्सेस कोचिंग संस्थान में आयोजित की गई। बैठक में मिशन बदलाव के संस्थापक भूषण भगत द्वारा मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बैठक को अविनाश कौशल और जय मंगल गुड़िया ने भी संबोधित किया और संस्था के उद्देश्यों का पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में मुरहू प्रखंड कमेटी का गठन कर इसका विस्तार किया जाएगा।

सांसद ने ग्रामीणों के साथ सुनी मन की बात

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्तमान आधुनिक युग की भागदौड़ में गांव एवं शहर अपनी संस्कृति एवं छोटे-छोटे प्रयास से किस प्रकार अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। इससे लेकर लोगों को जागरूक करने का एक बहुत ही बड़ी माध्यम बनाया है। यह बातें सांसद सुदर्शन भगत ने रविवार को बेड़ो प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय बालक के परिसर में प्रधानमंत्री के मन की बात का 100 वें दिन पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रतिफल है कि पूरे भारत में चयनित 13 स्थानों पर झारखंड राज्य के गुमला जिला के नागवंशी राजाओं की राजधानी व विरासत नवरत्न गढ़ किला का जीर्णोद्धार किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को इसे देखा। सांसद ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम से प्रधानमंत्री ने सुदूर गांवों में रहनेवाले भारतीयों से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, तकनीकी, पुरातात्विक विरासतों, सिंचाई, स्वच्छता, रोजगार, सड़क व विभिन्न विकासशील योजनाओं की जानकारी लिया। साथ ही इसे मूर्त रूप प्रदान करने में प्रमुखता से स्थान दिया। मौके पर सांसद सुदर्शन भगत, जिला सांसद प्रतिनिधि राकेश भगत, राजीव रंजन अधिकारी, धनंजय कुमार रॉय, लाल सत्य प्रकाश नाथ शाहदेव, मोती प्रसाद गुप्ता, तुलसी साहु, गणेश महथा, रंजन गुप्ता आदि ने सराहनीय योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन धनंजय कुमार रॉय व धन्यवाद ज्ञापन लाल सत्य प्रकाश नाथ शाहदेव ने किया।

स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

डाल्टेनगंज। फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस ने झारखण्ड के डाल्टेनगंज में ग्रामीण लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किरण कश्यप (महिला थाना प्रभारी), बिरजेश शुक्ला (सामाजिक कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष, कल्याण अस्पताल) ने अतिथियों के रूप में भाग लिया। वहीं कंपनी की ओर से नवीन कुमार सिंह (एस.डी.एम), विश्वजीत सरकार (एस.ए.एम), श्री परवेश आलम (एस.बी.एम), रोहन कुमार (एडमिन) एवं समस्त शाखा कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस शिविर में लगभग 120 महिलाओं और बच्चों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम कंपनी के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सी.एस.आर) गतिविधियों का हिस्सा था। फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा में सुधार के उद्देश्य से समाज की जरूरतों को पूरा करने के साथ उनके स्वास्थ्य जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता है। शिविर में आए महिला रोग विशेषज्ञ और सामान्य चिकित्सक ने महिलाओं और बच्चों की जाँच की और परीक्षण के बाद विभिन्न प्रकार के टेस्ट जैसे शुगर हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर आदि का भी परीक्षण किया। जाँच के बाद आवश्यकता अनुसार दवाई का वितरण भी किया गया। कंपनी के श्री नवीन कुमार सिंह(एस.डी.एम) ने कहा, ₹फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग है और इसके निर्वाहन के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। इस कार्यक्रम का आयोजन इसी प्रयास का एक हिस्सा है। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों ने कंपनी के इस निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच और दवाई वितरण कार्य की सराहना करी। कार्यक्रम में आए अतिथियों ने लोगों को नियमित रूप से स्वास्थ्य की जाँच करवाने की सलाह दी। साथ ही स्वास्थ्य की किसी भी समस्या के लिए चिकित्सक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। फ्यूजन माइक्रो फाइनेंस ने अपनी जिम्मेदारियों को केवल वित्तीय लेन-देन तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि यह अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सी.एस.आर) के द्वारा अपना निरंतर योगदान दे रही है।

घर में घुसकर दंपति को पीटकर किया घायल, केस दर्ज

रांची। एयरपोर्ट रोड कुंवर सिंह कॉलोनी निवासी अनिनदया कुमार और उनकी पत्नी को उनके पड़ोसी ने लाठी से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना रविवार की है। इस संबंध में इंदिरी बनर्जी ने पड़ोसी उदय, उसकी पत्नी जया, ऋचि के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। इंदिरा ने पुलिस को बताया कि वह और उनके पति रविवार को घर पर थे। इसी दौरान उनके घर के सामने रहने वाले उदय और उसके परिवार के लोग पहुंचे। सभी दरवाजा पीटते हुए गाली-गलौज करने लगे। आवाज सुनकर वह और उनके पति निकले। सभी आरोपियों ने उनके पति पर हमला कर दिया। लाठी से मारकर उनके पति का सिर फाड़ दिया। वहीं उन्हें भी डंडे से पीटा। आसपास के लोगों के हस्तक्षेप के बाद वे लोग हटे। आनन-फानन में घायल अनिनदय को अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद थाने को मामले की जानकारी दी गई। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वुशु एसोसिएशन का आम सभा सह चुनाव संपन्न

रांची। वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया की विशेष आम बैठक सह चुनाव रविवार को मेरठ के गॉडविन होटल में संपन्न हुआ। इस बैठक में अगले सत्र 20 23 से 20 27 तक के कार्यकाल के नए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। इसमें मेरठ के जितेंद्र सिंह बाजवा को अध्यक्ष, कश्मीर के विजय सर्राफ को सचिव और असम के मुरलीधर चौधरी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया, साथ ही झारखंड के शैलेंद्र दुबे को संयुक्त सचिव बनाया गया इसके अलावा 6 उपाध्यक्ष साथ 6 संयुक्त सचिव और 10 कार्यकारिणी सदस्यों का भी चुनाव किया गया । यह चुनाव निर्विरोध हुआ। इस दौरान वर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा को वुशु एसोसिएशन आफ इंडिया का चेयरमैन नियुक्त किया गया जबकि पूर्व कोषाध्यक्ष शिवेंद्र नाथ दुबे को एसोसिएट उपाध्यक्ष एवम चंचल भट्टाचार्य को एसोसिएट सदस्य बनाया गया । सभी चुने गए पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामना दी गई इस अवसर पर भारतीय ओलंपिक संघ के सीईओ सह संयुक्त सचिव कल्याण चौबे , कोषाध्यक्ष श्री सहदेव यादव औरन अमिताभ कुमार मौजूद थे इस पूरे चुनाव प्रक्रिया के पर्यवेक्षक श्री सहदेव यादव थे जबकि रिटर्निंग ऑफिसर एडवोकेट वीरेन्द्र कुमार थे।

राकेश भास्कर का अरगोड़ा पुलिस ने दर्ज किया बयान

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में शराब के थोक कारोबार में अनियमितता से जुड़ी याचिका मैनेज करने के मामले में दबाव डालने की जांच रांची पुलिस ने शुरू कर दी है। अधिवक्ता राजीव कुमार ने इस मामले में जिस भाजपा नेता राकेश भास्कर के खिलाफ अरगोड़ा थाने में शिकायत दर्ज करायी थी, उनसे अरगोड़ा पुलिस ने रविवार को पूछताछ की। राजीव कुमार ने आरोप लगाया था कि शराब से जुड़ी याचिका को मैनेज करने का दबाव राकेश भास्कर ने डाला था, शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी और प्रेम प्रकाश के कहने पर उन्होंने हाईकोर्ट स्थित चैंबर में आकर धमकी दी थी। क्या कहा राकेश भास्कर ने राकेश भास्कर ने अरगोड़ा पुलिस को बताया है कि वह अधिवक्ता राजीव कुमार को बीते डेढ़ दशक से जानते हैं। दोनों अच्छे दोस्त रहे हैं। राकेश भास्कर ने बताया कि 18 अप्रैल को वह अधिवक्ता के गौरीशंकर नगर स्थित आवास गए थे, लेकिन तब अधिवक्ता अपने आवास पर नहीं थे, ऐसे में वह वापस लौट आए थे। बाद में दो तीन दिनों के बाद वह डोरंडा गए थे, इसलिए वह पूर्व परिचित अधिवक्ता के चैंबर में चले गए। राकेश भास्कर ने पुलिस को बताया कि वह काफी देर तक अधिवक्ता राजीव कुमार के चैंबर में रहे। उनसे काफी बातें हुईं। लेकिन शराब से जुड़ी याचिका को लेकर कोई बात नहीं हुई थी। राकेश भास्कर ने प्रेम प्रकाश या योगेंद्र तिवारी के नाम पर याचिका मैनेज करने की बात से इंकार किया है।

राज्य थांग-टा चैंपियनशिप संपन्न

रांची। झारखण्ड थांग-टा संघ के तत्वाधान में आयोजित 8वीं झारखण्ड राज्य थांग-टा चैंपियनशिप आज धनबाद में हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में संपन्न हो गई. इस दो दिवसीय चैंपियनशिप में राज्य केविभिन्न जिलों से 165 थांग-टा खिलाडियों ने भाग लिया जिसमें धनबाद के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 17 स्वर्ण पदक अपने नाम करते हुए ओवरआल चैंपियनशिप ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया जबकि ७ स्वर्ण के साथ पलामू की टीम दूसरे तथा 4 स्वर्ण के साथ लोहरदगा की टीम तीसरे स्थान पर रही. प्रतियोगिता के विभिन्न आयु तथा भार वर्ग की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जितने वाले खिलाडियों के नाम इस प्रकार हैंः अनिरुद्ध बिस्वास, ऐश्वर्या, रवि कुमार साव, अक्षत सिंह, सौरव रवानी, प्रगति प्रिय, सौरभ भारती, संचिता मुखर्जी, राधिका सहाय, राज कुमार किस्कू, मनीष कुमार राम, संदीप कुमार पासवान, पूनम कुमारी, उषा कुमारी शामिल हैं।

सरना समाज के युवाओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए गया रवाना

खूंटी। गरीब, असहाय और बेसहारा आदिवासी बच्चों के मानसिक विकास के लिए अखिल भारतीय सरना समाज के सौजन्य से रविवार को तोरपा प्रखंड के ममरला गांव से शैक्षणिक भ्रमण के लिए ममरला सहित कई गांवों के सरना समाज के युवाओं को ऐतिहासिक स्थलों के लिए रवाना किया गया। सरना समाज के घासीराय धान मुंडा के नेतृत्व में तोरपा प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से कई बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए भेजा गया। मौके पर घासीराय मुंडा ने कहा कि पहली बार सरना आदिवासी बच्चे पूरी उत्सुकता के साथ शैक्षणिक भ्रमण का आनंद उठाने के लिए कई शिक्षण संस्थानों का भ्रमण करेंगे। बच्चों को पढ़ाई के अलावा देश-दुनिया के बारे में जानकारी नहीं होती है। ऐसे में स्कूली पढ़ाई के दौरान किए गए शैक्षणिक भ्रमण बच्चों को हमेशा स्कूली जीवन की याद दिलाती है। अगर अचानक अनजान जगहों के बारे में सुनेंगे।

बापू वाटिका मोरहाबादी से निकला सामाजिक न्याय मार्च

हेमंत सरकार पर जमकर बरसे सुदेश महतो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी ने रविवार को रांची के मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से हरमू मैदान तक न्याय मार्च निकाला। मार्च कचहरी चौक, रातू रोड होते हुए हरमू मैदान पहुंचा। लगभग छह किलोमीटर के इस मार्च की अगुवाई सुदेश महतो ने की। मार्च में 'वोट हमारा-राज तुम्हारा' और धोखेबाज हुकूमत की हर दीवार हिलाने निकले हैं, जैसे नारे खूब लगे। मार्च को संबोधित करते हुए आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्री का पद लर्निंग स्कूल नहीं हो सकता। जनभावना के अनुरूप नीतियां बनाने और फैसले लेने के लिए सरकार बनती है। आधे-अधूरे प्रयोग के लिए भी सरकार कतई नहीं बनती। इनमें कोई नेतृत्व क्षमता और विजन नहीं था और सत्ता मिली। नतीजा हुआ कि 40 महीने में राज्य को सामाजिक और राजनीतिक तौर पर बड़ी क्षति हुई। ओबीसी, एसटी और एससी खूब छले गए। महतो ने हरमू मैदान में सरकार की नाकामियों, दोषपूर्ण नीतियों और लूट-खसोट के रवैये पर तथ्यपूर्ण और सिलसिलेवार हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीयत नेक हो तो नीतियां सही बनती हैं लेकिन राज्य सरकार की नीयत में शुरू से खोट है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्री सदन में कुछ बोलते हैं बाहर कुछ जबकि कैबिनेट में फैसले कुछ और लिए जाते हैं। साथ ही कहा कि स्थानीय नीति, नियोजन नीति, ओबीसी आरक्षण, ट्रिपल टेस्ट विस्थापन नीति, आंदोलनकारियों के मान-सम्मान सहित तमाम अहम विषयों की सरकार ने अनदेखी की। जातीय जनगणना सामाजिक न्याय का आधार है लेकिन इसके प्रति सरकार की कोई दिलचस्पी नहीं है। सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस और अन्य नेताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर कई नेता और लोग मौजूद थे।

अमन ग्रुप की ओर से ईद मिलन समारोह का किया गया आयोजन

रातू। रातू के फुटकलटोली में रविवार को अमन वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अमन ग्रुप के अध्यक्ष अताउल्लाह अंसारी के आवासीय परिसर में आयोजित समारोह में दहेज प्रथा पर रोक लगाने, युवको में बढ़ते नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाने, बच्चो को अच्छी तालीम देने के लिए शिक्षा के प्रति जागरूक करने , छुटे हुये गांव में अंजुमन कमेटी का गठन करने, गांव की लड़ाई झगड़ो के अलावा अन्य मामले को अंजुमन के द्वारा निपटारा करने,गरीब व लाचार लोगो की मदद तथा इलाज की व्यवस्था करने व भारत मे चल रहे समलैंगिग संबंध की मान्यता का विरोध करने पर चर्चा किया गया। इस दौरान रातू अंजुमन कमेटी का पुनः गठन करने के लिए 13 मई को 27 गांव के अंजुमन कमेटी के सदर,सेकेट्री व खजांची के साथ बैठक करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर अताउल्लाह अंसारी, संचालन अमन राज व धन्यवाद ज्ञापन शमीम बड़ेहार ने किया।

आस्था श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का हुआ आयोजन

प्रसाद पाकर श्रद्धालु भाव-विभोर हुए

नवीन मेल संवाददाता। रांची

संस्था की वरिष्ठ सदस्या शोभा जालान ने पियूष सिंघानिया को उ.अ बनने की खुशी मे मंदिर मे श्री राज श्यामा जी (राधा-कृष्ण) भगवान के सामने चंदन का तिलक कर भगवान श्री राधा-कृष्ण की तस्वीर एवं अंग वस्त्र उपहार स्वरूप देकर आशीर्वाद प्रदान किया। उसके पश्चात 84 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद भगवान श्री राज श्यामा जी एवं गुरू महाराज को अर्पित कर मंदिर में बने हुए भंडारे में मिक्स कर पुरे भंडारे को प्रसाद स्वरुप बनाकर 1300 श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया। मंदिर परिसर में आये हुए सभी धर्म प्रेमीजनों एवं श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक कतारबद्ध होकर 84 वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। पूर्णब्रह्म परमात्मा की अपार कृपा श्री राज श्यामा जी महाराज एवं संत शिरोमणी श्री श्री 1008 स्वामी सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से प्रणामी समाज के सेवाभावी सदस्यों के सहयोग से अभी तक 83 निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का सफलता पूर्वक वितरण कर सफल संचालन किया जा चुका है। रविवार को 84 वाँ निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का संचालन अपने पुत्र पियूष सिंघानिया के सीए बनने की खुशी पर संस्था के सदस्य एवं गुरुजी महाराज के विशेष कृपापात्र शिष्य कैलाश मंजु देवी सिंघानिया और उनके परिवार के सौजन्य से की गई। गुरू महाराज के जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 51 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में आज रविवार को रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी (राधा-कृष्ण) मंदिर के प्रांगण मे संस्था के कैलाश सिंघानिया, पियूष सिंघानिया, मंजु देवी सिंघानिया एवम उनकी माता जी के द्वारा वहां के जरूरतमंद ग्रामीण मंदिर के आस पास के रहने वाले लगभग 1300 श्रद्धालुओं, जरुरतमंद परिवार के सदस्यों मंदिर के सामने के गुजरने वाले राहगीरों एवं बच्चों के बीच 84 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे के प्रसाद में पुडी,आलु टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव एवम मिठाई मे केसरीया खीर का विधिवत उद्घाटन कर वितरण शुरू किया गया। प्रणामी निःशुल्क अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा प्रत्येक रविवार को दोपहर 12:30 बजे से पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन मंदिर के प्रांगण में संस्था के किसी ना किसी सदस्य के परिवार द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

मजदूर दिवस के पूर्व संध्या पर रातू में निकला बाइक रैली

रातू । अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के पूर्व संध्या पर रविवार की शाम बिल्डिंग लेबर कंस्ट्रक्शन यूनियन की ओर से काठीटांड से तिलता रिंग रोड तक बाइक रैली निकाली गई। इस दौरान मजदूर दिवस पर सभी तरह के निर्माण कार्य बंद रखने की अपील की गई। 1 मई सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन लेबर यूनियन की ओर से तिलता चौक से काठीटांड होते हुये फन कैशल पार्क तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी। जिसमे हजारो की संख्या में मजदूर शामिल होंगे। फन कैशल पार्क स्थित सभा स्थल में सभा का आयोजन कर मजदूर की हक व अधिकार पर चर्चा किया जायेगा।

सड़क निर्माण को लेकर सेना के जवान और ग्रामीणों में धक्का-मुक्की

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के एयरपोर्ट से हुंडरू जाने वाले रोड का निर्माण को लेकर एक बार फिर से रविवार को सेना और ग्रामीण आमने-सामने हो गए। सड़क निर्माण कार्य का विरोध कर रहे सेना के जवानों से ग्रामीण उलझ गए। दोनों के बीच बकझक हुई। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच धक्का मुक्की भी होने लगी। मामले की जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीण और सेना के जवानों को समझा-बुझाकर शांत करायी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार विधायक फंड से एयरपोर्ट से हुंडरू जाने वाले मार्ग में करीब सौ मीटर लंबी सड़क के निर्माण कार्य रविवार की सुबह शुरू किया गया। ग्रामीण खुद खड़ा होकर सड़क का निर्माण करा रहे थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद सेना के अधिकारी जवानों के साथ पहुंच गए। सड़क निर्माण कार्य करने से रोक दिया। कहा कि जब तक एयरपोर्ट ऑथरिटी से परमिशन नहीं मिलता है तब तक वे निर्माण कार्य नहीं करने देंगे। वहीं ग्रामीण निर्माण कार्य को लेकर अड़ गए। दोनों के बीच बकझक शुरू हो गयी। धक्का मुक्की होने लगी। इसी बीच डीएसपी राजा मित्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्ष की बात सुनने के बाद डीएसपी ने निर्माण कार्य शुरू करवाया। कहा कि इस सड़क से ग्रामीणों का आना-जाना होता है। सड़क की स्थिति काफी खराब हो चुकी है। इसलिए इसका निर्माण कार्य शुरू करें। दिन के बारह बजे के बाद निर्माण कार्य शुरू किया गया। जिस पर सेना ने भी सहमति जतायी। बता दें कि यह विवाद काफी पुराना है। यह मुद्दा राँची सांसद संजय सेठ ने संसद में भी उठाया था ग्रामीणों का कहना है कि यह एकमात्र रास्ता है जिससे हमारा आना जाना होता है।

मारवाड़ी युवा मंच की प्रेरणा शाखा ने मजदूरों के बीच बांटी सामग्री

मजदूरों के बिना राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं : सारिका

नवीन मेल संवाददाता। झुमरी तिलैया
अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस को लेकर मारवाड़ी युवा मंच की इकाई प्रेरणा शाखा ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत रविवार को झुमरी तिलैया के बाईपास रोड के समीप बन रहे एक मकान में कार्यरत मजदूरों के बीच टोपी, गमछ और सत्तू का वितरण किया। इस अवसर पर मजदूरों के चेहरे पर खुशी देखी गई। टिफिन आवर में आधी आबादी कार्यस्थल पर पहुंची और असंगठित मजदूरों के साथ मजदूर दिवस मनाया। मौके पर मंच की सचिव सारिका लड्ढा ने कहा कि मजदूर के बिना राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है। मजदूर उद्योग की रीढ़ है। कहा कि संविधान में सभी को समानता का अधिकार दिया गया है और जिम्मेदारियां भी बांटी गई है।निर्माण के लिए मजदूर महत्वपूर्ण हैं। हर परिस्थिति में हमें मजदूरों की मदद करनी चाहिए। वहीं कार्यक्रम की परियोजना निदेशक रश्मि केडिया, उपाध्यक्ष नेहा हिसारिया ने कहा कि जीवन की कल्पना में मजदूर मकान, पुल पुलिया सहित कई कार्यों को अंजाम देते हैं। इनके अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। मजदूरों को दो श्रेणी में रखा गया है। एक संगठित मजदूरों जो किसी फैक्ट्री, कारखाने या मिलों में काम करते हैं। दूसरी श्रेणी में असंगठित मजदूर यानी रिक्शा चालक, दिहाड़ी मजदूर और घरेलू नौकर आदि शामिल हैं। कार्यक्रम में मंच की पूर्व अध्यक्ष प्रीति केडिया, सुनीता गुटगुटिया, प्रीति गुटगुटिया, निशा केडिया, मीरा गुटगुटिया, नेहा जैन, नीतू अग्रवाल, श्वेता गुटगुटिया, पायल खाटू वाला, संगीता केडिया आदि मौजूद थी।

जेईई मैंस में कैलाश राय सविमं का शानदार प्रदर्शन

झुमरी तिलैया। जेईई मेंस परीक्षा में कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर का शानदार प्रदर्शन रहा इसमें भैया ध्रुव सास्वत ने 96.7 परसेंटाइल लाकर विद्यालय में सबसे अव्वल रहे जबकि रितेश कुमार ने भी अच्छे परसेंटाइल लाकर क्वालीफाई किए साथ ही बाकी भैया-बहनों का भी प्रदर्शन अच्छा रहा। अब यह भैया जी एडवांस की तैयारी में लगेंगे' उनकी सफलता पर विद्यालय समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह, उपाध्यक्ष नंदराय, सचिव अनुराग सिंह, कोषाध्यक्ष नवल कुमार, प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू आचार्य मनोज कुमार सिंह, प्रदीप कुमार आदि ने बधाई दी।

मन की बात: 100वें एपिसोड ने रचा नया इतिहास

देश में बदलाव का उत्प्रेरक बना है कार्यक्रम: अन्नपूर्णा

नवीन मेल संवाददाता। झुमरी तिलैया
केंद्रीय शिक्षा मंत्री और कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम भारत में कई बड़े सकारात्मक बदलाव का उत्प्रेरक बना है। मन की बात कार्यक्रम भारत के प्रधान सेवक को देश के जन जन और कण कण से सीधे जोड़ता है। इस कार्यक्रम के कारण देश के प्रधानमंत्री का देश के हर नागरिक से सीधा आत्मीय संवाद होता है, इसलिए इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया हर आह्वान पूरे देश के लिए एक अभियान, एक आंदोलन बन जाता है। कोरोनाकाल में सावधानी बरतने और पीड़ित लोगों की मदद, स्वच्छता अभियान, हर घर तिरंगा, खादी अपनाना, घरेलू खिलौनों का प्रयोग और इस उद्योग को प्रोत्साहन, आत्मनिर्भर भारत जैसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं। अन्नपूर्णा देवी कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चंदवारा प्रखण्ड में अवस्थित तिलैया डैम लेडीज क्लब मैदान में कांटी पंचायत के बूथ संख्या 25 पर प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें संस्करण का श्रवण कर रही थीं। केंद्रीय मंत्री के साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, बुद्धिजीवियों, छात्रों, महिलाओं आदि सहित करीब 2000 से ज्यादा लोगों ने मन की बात सुनीं।

संयुक्त बिहार के मंत्री और झारखंड के पूर्व मंत्री ने बरही चौक पर सुना पीएम मोदी के मन की बात

नवीन मेल संवाददाता। बरही
नरेंद्र मोदी के मन की बात के 110वे संस्करण को सुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी । बरही चौक पर झारखंड की पूर्व मंत्री सीपी सिंह और संयुक्त बिहार के पूर्व मंत्री सह पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने भी भाजपा कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुना । जिसमें बूथ नंबर 314, 315, 312 के लोगो के अलावा मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, विहिप जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता आदि सहित कई लोग उपस्थित हुए । पूर्व मंत्रियों ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया में नई पहचान बना रहा है । पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से सीधे जनता से जोड़ने का काम किया है । इसके अलावा देवचंदा मोड़ पर भाजपा मीडिया प्रभारी रंजीत चंद्रवंशी, गौरियाकरमा पंचायत के फार्म चौक पर वरिष्ठ समाजसेवी दुलार प्रसाद यादव, पश्चिमी मंडल में पंसस नवल किशोर सिंह आदि कार्यक्रम को सैकड़ो लोगो ने सुना ।

बरही : डीएवी में निबंध प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता। बरही
डीएवी पब्लिक स्कूल में षष्ठी से अष्टम तक भारतीय पारंपरिक चित्रकला और नवम से द्वादश के विद्यार्थियो के बीच धरती और पर्यावरण पर आधारित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता ललन यादव की देखरेख में संपन्न हुई । जिसका मूल्यांकन बतौर जज संध्या सिंह और नीरू कुमारी ने किया । जिसमे दयानंद हाउस के प्रियम राज व सिद्धि कुमारी प्रथम स्थान, हंसराज हाउस के प्रेरणा सिंह राजपूत और दयानंद हाउस के संकल्प विश्वकर्मा द्वितीय तथा दयानंद हाउस के शिवम कुमार व विवेकानंद हाउस के अश्वनी वशिष्ठ तृतीय स्थान प्राप्त किया । वही निबंध प्रतियोगिता में इशिका स्पर्धा एनडी ग्रोवर हाउस ने प्रथम, दीपलक्ष्मी कुमारी हंसराज हाउस द्वितीय तथा स्वाति दिव्य ज्योति विवेकानंद हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जो अमित कुमारा की निगरानी में संपन्न हुआ, जिसमे सुनील कुमार केसरी और आलोक सिंह ने निर्णायक का काम किया । सफल प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सतत मूल्यांकन अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। जिसके बेहतर परिणाम मिलते ही हैं। उन्होंने बताया कि डीएवी का यह सदैव प्रयास रहा है कि वह बच्चों के अंदर किताबी शिक्षा के अलावा व्यवहारिक शिक्षा और खेलकूद पर भी विशेष बल दिया जाए जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षको का हौसलावर्द्धन करते हुए कहा उनके विद्यालय में एक्सपर्ट शिक्षको की टीम है । जो हर एक विषय पर बेहतर परिणाम देते रहे है । उन्हे विश्वास है कि नए सत्र ने भी इनालोगो के सार्थक और समर्पित प्रयास से विद्यालय नए सत्र में सफलता की नई आयाम गढ़ेगा । कार्यक्रम सफल बनाने में विद्यालय के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डाक विभाग की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान

रामगढ़ । भारतीय मजदूर संघ डाक विभाग के झारखंड परिमंडल के नेता शनिवार को रामगढ़ जिला पहुंचे। इस क्रम में संघ के सचिव प्रभात रंजन,बोकारो जिला डाक विभाग के सचिव अमर कुमार मिश्रा,धनबाद डिवीजन के आशुतोष कुमार दुबे,सुमित सौरभ ने डाक विभाग की सेवाओं को जिलाभर में प्रचारित करने एवं यूनियन में शामिल होने के लिए डाक विभाग के कर्मचारियों को प्रेरित किया। वहीं, उनके द्वारा डाक विभाग की कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की सलाह दी गई। वहीं, मुख्यालय डीएसपी संजीव कुमार मिश्रा को डाक विभाग परिवार की ओर से कार्यक्रम का आयोजन कर सम्मानित किया गया। डीएसपी को डाक सहायक रवि शंकर राय ने सम्मानित किया।

ड्रैगन प्रतियोगिता को लेकर कमेटी ने किया संयुक्त प्रेस वार्ता

खिलाड़ियों की नियुक्ति पर ध्यान देने की जरूरत : सीपी सिंह

नवीन मेल संवाददाता। बरही
झारखंड में पहली बार आयोजित होने वाले ड्रैगन प्रतियोगिता को लेकर राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय कमेटी ने देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस पब्लिक स्कूल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि रांची विधायक सीपी सिंह शामिल हुए। जिनका का स्वागत जिला ड्रैगन एसोसिएशन के अध्यक्ष सह श्रीदस पब्लिक स्कूल के निदेशक रोहित सिंह ने बुके देकर किया। इस वार्ता में जिलाध्यक्ष सहित ड्रैगन बोट एसोसिएशन ऑफ ईस्ट जोन चेयरमैन संतोष प्रसाद, खेल संयोजक आलोक कुमार एवं राज्य भाजपा मिडिया सह प्रभारी रंजीत चंद्रवंशी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि बताया कि 11वीं राष्ट्रीय ड्रैगन वोट प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव करते हुए 15 जून से 18 जून को निर्धारित किया गए है जबकि प्रथम राज्य स्तरीय ड्रैगन वोट प्रतियोगिता की तिथि पूर्ववत 18 से 21 मई ही रहेंगे जो जवाहर घाट स्थित जलाशय में आयोजित किए जायेंगे। प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए ईस्ट जोन के चेयरमैन ने बताया कि झारखण्ड के इतिहास में पहली बार आयोजित होने वाले ड्रैगन वोट प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से टीम आयेंगी, पारा ओलंपिक राष्ट्रीय खेल की शुरूआत यही से होगी।

पीएम के मन की बात से लोग हुए प्रेरित : कुंटू बाबू

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का 100वां संस्करण रविवार को प्रसारित हुआ। जिसे रामगढ़ जिला में भारतीय जनता पार्टी सदस्यों ने चिन्हित 100 मॉडल बूथों पर उत्साह के साथ सुना। इसी कड़ी में चिन्हित मॉडल बूथ नंबर 50 के अध्यक्ष सह भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी ने इस सौवें संस्करण को सुनने के लिए बूथ नंबर 50 अंतर्गत निवास करने वाले भाजपा रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू के आवासीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बूथ नं 47,48,49,50,51,52 के अध्यक्षों कि विशेष रूप से उपस्थिति रही। अपने कार्यक्रम मन की बात के सौवें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा की मन की बात सिर्फ एक कार्यक्रम नही बल्कि एक सामाजिक सरंचना को उभारने का मंच बन चुका है। आज इस कार्यक्रम से प्रभावित होकर कई जगह लोग पेड़ लगा कर पर्यावरण सुरक्षित कर रहें है,तो कोई नए तलब और बावड़ी बनाकर जल सरंक्षण में अपना योगदान दे रहा है, तो कोई स्टार्टअप इंडिया के तहत रोजगार सृजन कर देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा की मैं तो एक निमित्त मात्र उनके किए कार्यों की चर्चा अपने मन की बात में कर पूरे देश को इसकी जानकारी देता हूं । जिससे प्रभावित होकर कई लोग इस कार्यक्रम में जुड़ कर अपना योगदान दे रहें है और इसमें मीडिया कर्मियों का भी बहुत बड़ा योगदान है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिल कर पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए पत्रकार प्रदीप कुमार दीपक को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व नगर अध्यक्ष राजीव पमदत्त,जिला आईटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू,मानवाधिकार परिषद झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सिंधु झा,डॉ राजीव झा,प्रदीप सिंह,अखिल भारतीय खटीक समाज के प्रदेश महामंत्री दीपक सोनकर, किशन सोनकर, पलटू सोनकर,सूरज सोनकर, बादल सोनकर,कमलेश सोनकर, रंजीत राम,विकास सोनकर,अजीत सिंह आदि उपस्थित हुए।

कोडरमा में पशु वितरण मेला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। कोडरमा
कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग, कोडरमा) के द्वारा लोकाई स्थित गव्य विकास विभाग (मेधा डायरी) के प्रांगण में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना 2023 के तहत चयनित लाभुकों के मध्य परिसंपत्ति (पशु) वितरण मेला का आयोजन किया गया। उपायुक्त श्री आदित्य रंजन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उपायुक्त श्री आदित्य रंजन, जिला पशुपालन पदाधिकारी व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर वितरण मेला का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त महोदय ने वितरण मेला में आये लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के सभी लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए राज्य सरकार द्वारा की महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है, उन योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार से जुड़े और अपनी आय में वृद्धि करें। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत दुधारू गाय योजना, बकरी पालन, मुर्गा पालन, बत्तख पालन समेत कई तरह की योजनाएं हैं, इन योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार से जुड़े। उपायुक्त आदित्य रंजन द्वारा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत चयनित लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। 24 लाभुकों के बीच बकरी पालन हेतु 4 बकरी और 1 बकरा प्रत्येक लाभुकों को दिया गया।

सम्मानित

पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

बच्चों में अपार प्रतिभाएं छुपी हैं : सत्येंद्र भारती

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
प्रखंड के कपका स्थित सीबीएसई पैटर्न पर आधारित विद्यालय पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी लगाया गया ।मौके पर मुख्य अतिथि कला किरण के निदेशक एवं स्काउट एंड गाइड के जिला सचिव प्रवीण कुमार जयसवाल, विशिष्ट अतिथि शिक्षक यमुना साव, जिप प्रतिनिधि चंद्रकांत पांडेय, गायक पीयूष पांडेय, कला किरण एवं विवेकानंद सेंट्रल स्कूल की शिक्षिका अनुराधा कुमारी, संस्था के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद, विद्यालय प्राचार्य दिनेश कुमार भारती के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया ।वहीं अतिथियों को माला एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। मौके पर बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात अतिथियों एवं अभिभावकों ने विभिन्न विज्ञान मॉडल का निरीक्षण किया। मौके पर संस्था के निदेशक ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में अपार प्रतिभाएं छुपी है,ये भविष्य के वैज्ञानिक है। इसे निखारने के लिए संस्था ने प्रत्येक वर्ष विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन के माध्यम से विज्ञान के प्रति बच्चों में रुचि जगा रहा है ।अतिथि प्रवीण कुमार जयसवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में यह विद्यालय नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और इस तरह का विज्ञान प्रदर्शनी प्रायः बड़े-बड़े शहर के स्कूल में ही आयोजित होता है । शिक्षक यमुना साव ने कहा कि प्रारंभ से ही इस विद्यालय के द्वारा बच्चों के प्रतिभा निखारने के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है ,जो बरकट्ठा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है ।जिप सदस्य प्रतिनिधि चंद्रकांत पांडेय कहा कि बरकट्ठा जैसे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चें का मॉडल देखकर बहुत अच्छा लगा ।अब हमारे बरकट्ठा के बच्चे भी बहुत जल्द वैज्ञानिक बनकर देश की सेवा करेंगे । विज्ञान प्रदर्शनी का निरीक्षण के लिए 5 जजों को नियुक्ति किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार आठवीं, द्वितीय पुरस्कार छठवीं एवं तृतीय पुरस्कार कक्षा तृतीय सेक्शन ए के विद्यार्थियों को दिया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में संस्था के प्रबंध निदेशक बिरेंद्र प्रसाद ,प्रबंधक राजेश कुमार यादव ,शिक्षक नंदेव कुमार ,बैजनाथ कुमार मंडल, प्रकाश कुमार, सीता कुमारी, आरती कुमारी ,नेहा कुमारी समेत अन्य लोगों ने भरपूर सहयोग किया।

मृतक मजदूर के परिजनों को कर्मियों ने की आर्थिक मदद

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा
प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सूर्यकुण्ड पेट्रोल पंप के समीप चल रही कार्य के दौरान निर्माण एंजेसी की मिलर वाहन की चपेट में आने से बीते दिनो मजदूर की मौत हो गई थी। जिसके बाद राजकेशरी प्राईवेट लिमिटेड कंपनी ने तीन दिन पूर्व मृतक डोमन साव के पत्नी को 2लाख 75 हजार का चेक सौंपा था। इसके बाद सभी मजदूरों ने चंदा इकट्ठा कर करीब 60हजार की आर्थिक सहयोग मृतक के परिजनों को की। इस दौरान प्रभात गुप्ता ने बताया कि मृतक डोमन साव अपने पीछे 2बेटा और 2 बेटी सहित पत्नी छोड़ गए। मानवता की यही पहचान है की हर दुख में लोगों को निस्वार्थ भावना से सेवा करनी चाहिए। मौके पर प्रभात गुप्ता, मुकेश कुशवाहा, जितेंद्र दुबे, जयंतो ओस्ताद, मुन्ना पांडेय, कैलाश कुमार, आदि लोग उपस्थित थे। कंपनी के सारे स्टाफ ने परिजन से मिलकर गहरी संवेदना प्रकट किया।

घर में अकेली रह रहीं महिलाएं हो जाएं सावधान

जेवर और घर का सामान लूटने वाली महिलाओं का एक गिरोह सक्रिय

नवीन मेल संवाददाता। कुडू

कुडू थाना क्षेत्र में घरों में अकेली रहने वाली महिलाओं के लिए चिंताजनक खबर है। अब रात में नहीं दिन में ही उनके समान और गहने को लूटने के लिए महिला चोर सक्रिय हो गयी है। ताजा मामला रविवार 30 अप्रैल का है। कुडू के अहद कॉलोनी बंगला मोहल्ला के एक घर में घुसकर दो महिलाओं द्वारा चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। साजिद अंसारी के घर रविवार की सुबह दो महिलाएं घुस गई। पहले तो

घर में रखे दो मोबाइल फोन पर हाथ साफ किया। लेकिन जैसे ही घर मे मौजूद साजिद की मां की नजर इनपर पड़ी दोनों वहां से भाग खड़ी हुई। पीछा कर पकड़ने पर और गले से चैन खींचने का प्रयास करने लगीं। बचाव के लिए महिला द्वारा शोर मचाने पर आस पड़ोस के लोग वहां पहुंचे और दोनों को पकड़कर इसकी सूचना कुडू पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को थाना लाया। पूछताछ में दोनों महिलाएं गुलगुलिया निकली, जिन्हें बाद में पुलिस द्वारा चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। इधर कुडू में महिलाओं द्वारा और दिनदहाड़े इस तरह की घटना से लोग हलकान हैं। वैसे परिवार जिनके घरों पर सिर्फ महिलाएं रह रही हैं।

किशोर करेंगे बराबरी वाले समाज का निर्माण

लोहरदगा। स्वास्थ्य विभाग एवं सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत केरो प्रखण्ड के पंचायत भवन हनहट में चयनित पियर एजूकेटर (साथिया) का दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण का किया गया आयोजन । इस प्रशिक्षण में उपस्थित साथिया को एएनएम के द्वारा आर.के.एस.के कार्यक्रम, पियर एजुकेटर (साथिया) कि भूमिका तथा युवा मैत्री केंद्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षक के द्वारा नशा पान,गैर संचारी रोग, मानव तस्करी, बाल विवाह, इसके अलावा समाज में महिला पुरुष समानता लाने में किशोरों कि भूमिका पर विशेष रूप से जानकारी दी गई।

कुडू में दुष्कर्म के विरोध में निकाला जुलूस

नवीन मेल संवाददाता। कुडू

दिन प्रतिदिन आदिवासियों के साथ हो रहे बालात्कार और कुडू थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते गुरुवार की रात एक 13 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर रविवार 30 अप्रैल को राजी पड़हा प्राथना सभा कुडू के नेतृत्व में आक्रोशपूर्ण जुलुस निकाला गया। आक्रोश जुलुस पड़हा भवन कुडू से निकलकर विभिन्न चौक चौराहों से गुजरते हुए वापस पड़हा भवन पहुंचा। इस दौरान जुलुस में शामिल लोग दुष्कर्म के दोनों आरोपियों के नाम और दुष्कर्मियों को फांसी दो आदि नारे लिखी तख्तियां लिए दोनों को फांसी देने की मांग कर रहे थे।

NEWS इन ब्रीफ

विशेष रुद्राभिषेक व भंडारा आयोजित

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड के आराहासा गांव में रविवार को गांव में स्थापित शिव मंदिर का आठवां वर्षगांठ उमंग उल्लास और श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस मौके पर सामूहिक पूजा अर्चना की गयी। भोले शंकर का रुद्राभिषेक कर महा आरती की गयी। मंदिर का स्थापना दिवस के मौके पर भव्य भंडारा आयोजित किया गया। रूद्रअभिषेक में पुरोहित पारसनाथ पांडे, जजमान लाल राजेंद्र प्रताप सिंह, बालवीर देव, दिलीप देव, किरण देवी, मां अन्नपूर्णा देवी, वी के बालानजिंप्पा ,आयुष देव,पीयुष देव, समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

वार्षिक सम्मेलन को लेकर हुई बैठक

सिमडेगा। आदिवासी लोहरा समाज जिला सिमडेगा कि अगामी वार्षिक सम्मेलन तैयारी को लेकर बैठक किया गया बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष धन्नो कच्छप के अध्यक्षता में कोलेबिरा बगीचा में बैठक किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष आदिवासी लोहरा समाज जिला इकाई सिमडेगा का वार्षिक सम्मेलन को बृहद रुप से किया जाएगा। बैठक में जिला कार्यकारी अध्यक्ष संदीप नाग हीरा राम, डॉ महेंद्र भगत, आश्रित इंदवार, अशोक इंदवार, मुनेश्वर तिर्की आदि ने भाग लिया।

पंछी को दाना, पंछी को पानी अभियान चलाया

सिमडेगा। शहर में सर्वेश्वरी समूह सिमडेगा द्वारा इस भीषण गर्मी में चिड़ियों को बचाने के लिए पंछी को दाना पंछी को पानी जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में शहर के सोनार टोली से नीचे बाजार तक समूह के सदस्यों द्वारा हर घर में जा कर लोगों को मिट्टी के सकोरों तथा इस अभियान के महत्व का पम्पलेट का वितरण करते हुए लोगों को जागरूक किया गया। लोगों से अपने छतों पर इन चिड़ियों के लिए दाना पानी उपलब्ध कराने के लिए अपील की गयी। गौरतलब है कि अभी प्रचण्ड गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी मे इन बेजुबान पंछियों पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। इन्हे इस गर्मी में न तो पानी नसीब होता है न ही दाना।

लोग कुएं, तालाब से पानी लेकर प्यास बुझाने को मजबूर

जलमीनार खराब होने से लोगों के समक्ष पेयजल संकट उत्पन्न

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

प्रखंड क्षेत्र के अरु पंचायत अन्तर्गत कल्हेपाट कटहल टोली में जलमीनार खराब होने से ग्रामीणों के समक्ष पेयजल का भीषण समस्या है। कल्हेपाट कटहल टोली में विगत छह माह से जलमीनार खराब है। जिससे लोग कुआं, तालाब से पानी पीकर प्यास बुझा रहे हैं। पूर्व मुखिया द्वारा लाखों का लागत से बनवाया गया जलमीनार बेकार पड़ा हुआ है। जिसे गांव का लगभग 40 घर के लोगों को पानी पिने के लिये काफी परेशानी हो रही है।

ग्रामीण दस्तगीर अन्सारी,अयुब अन्सारी, संजय उरांव, रवि उरांव, वकील अन्सारी ने बताया कि पंचायत के जनप्रतिनिधि व पेयजल स्वच्छता विभाग को लिखित आवेदन दे कर खराब पड़ा हुआ जलमीनार को बनवाने के लिये कहा गया, परंतु किसी ने ओर ध्यान नहीं दिया। आज ग्रामीण इधर उधर से कुंआ और तलब का पानी पीने के लिये विवश हैं। साथ ही प्रखंड क्षेत्र में अन्य जगहों पर भी अधिकांश जलमीनार खराब है। जिसे बनवाने के लिये न तो

जनप्रतिनिधियों को और न ही प्रशासन को रुचि है। वहीं चौदहवें वित्त आयोग की राशि से जलमीनार को दुरुस्त कराने की योजना है। परंतु गांवों में जलमीनार लगने के कुछ दिन बाद से ही अधिकांश जलमीनार खराब पड़ा हुआ है। जिसे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के लिये काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जलमीनार का जिप सदस्य ने किया निरीक्षण

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर मुख्यालय के छतरपुर सहित कई जगहों पर जिला परिषद मद से बन रहे जलमीनार का जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने निरिक्षण कर कार्य की गुणवत्ता की जांच की। और कार्य को समय से पूरा करने का निर्देश दिया। बता दें कि जिला परिषद मद से बेंदोरा पंचायत के छतरपुर एवं चैनपुर पंचायत के बरवे हाई स्कूल के नीचे बस्ती में जलमीनार का निर्माण कार्य हो रहा है। जिसका निरिक्षण कर जिप सदस्य ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए जलमीनार को जल्द से जल्द चालू करने का निर्देश दिया गया है ताकि गर्मी में लोगों को पानी की दिक्कत न हो।

पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास लोहरदगा की बैठक

लोहरदगा। पतंजलि परिवार लोहरदगा की मासिक बैठक स्थानीय सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास लोहरदगा के जिला प्रभारी प्रवीण भारती ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा परिचर्चा की गई।

बैठक जिला मुख्यालय क्षेत्र व प्रखंडों में योग शिविर आयोजित करने, विद्यालयों में योग प्रोटोकाल के तहत कराने, सभी योग शिक्षकों को कार्यक्षेत्र आवंटित किए जाने, सभी नव योग प्रशिक्षुओं को सात दिवसीय योग शिविर आयोजित करने आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार विमर्श की गई। बैठक में भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी प्रवीण भारती, पतंजलि राज्य कार्यकारिणी सदस्य शिव शंकर सिंह, वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृपा प्रसाद सिंह, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी अभय भारती, सतीश जायसवाल आदि ने अपने अपने विचार प्रकट किए।बैठक में मंजू जायसवाल, किरण कुमारी, मुन्नी मिंज, सौरभ केसरी, प्रदीप कुमार, विजय कुमार जायसवाल, कृष्णा राम, कोषाध्यक्ष दिनेश प्रजापति, उत्तम कुमार, महेंद्र प्रसाद साहू, शिवराज विजय महतो आदि प्रमुख रूप से उपस्थित होकर अपने विचार प्रकट किए।

'लव जिहाद, धर्मांतरण पर केंद्र सरकार कार्रवाई करे'

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

कुडू प्रखंड क्षेत्र के मराडीह गांव में जय श्री राम समिति की बैठक दीपक साहू की अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य रूप से संगठन विस्तार को लेकर विशेष चर्चा की गई जिसमें सर्वसम्मति से कमेटी का विस्तार किया गया इसमें अध्यक्ष सूरज भारती, कार्यकारी अध्यक्ष दीपेन्द्र दीपू भारती, महामंत्री अकाश कुमार, उपाध्यक्ष जय प्रकाश उरांव, जगजीत भारती,अकाश भारती, कोषाध्यक्ष धीरज कुमार, संगठन मंत्री कार्तिक उरांव, प्रसून भारती, रामायण विश्वकर्मा, शिवम भारती, सौरभ भारती, रोशन, मीडिया प्रभारी आलोक रंजन को बनाया गया।

मौके पर दीपक साहू ने कहा लव जेहाद एवं धर्मांतरण का पूरे हिंदुस्तान में ऐसा खेल हो रहा है जो दीमक की तरह सनातन समाज को मिटाने का काम कर रही है। ऐसे गंभीर मुद्दों पर केंद्र सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। अन्यथा समिति आंदोलन के लिए बाध्य होगी। संजय पासवान ने कहा सनातन समाज को हमेशा से जात - जाति और जातीयता में बाटने का कार्य किया गया है। जय प्रकाश उरांव ने कहा सरना समाज हमेसा से उपेक्षित रहा है। आदिवासी समाज की लड़कियों को लव जिहाद एवं लैंड जिहाद तथा राजनीतिक कारणों से बहुत ही आसानी से ले जा रहे है जो षड्यंत्र का हिसा है। बैठक के पश्चात भव्य महाआरती का आयोजन किया गया जिसमें पूरे गांव के लोग शामिल हुए तथा आरती के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। मौके पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, जिला सह कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद, नगर अध्यक्ष दीपक साहू, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल कुमार,महामंत्री संजय पासवान, पवन बैठा, ईश्वर लोहरा, सूरज राम, हर्ष गुप्ता, जयप्रकाश भारती, राकेश भारती समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

बरवे हाई स्कूल में फादर की रजत जयंती मनाई गई

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर(गुमला)

बरवे हाई स्कूल में फादर अजीत एक्का के पुरोहिताई जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। फादर अजीत एक्का को ढोल मांदर के साथ युवाओं द्वारा आदिवासी नृत्य करते हुए स्वागत कर स्टेज तक लाया गया, जहां खुद फादर अजीत एक्का ने मिशा पूजा में मुख्य अधिष्ठाता की भूमिका निभाई। मिशा पूजा में फादर राजेंद्र तिर्की फादर रजत एक्का एवं फादर कोसमस कुजूर सहित कई प्रोरोहित शामिल हुए। वहीं मिस पूजा के उपरांत फादर अजीत के द्वारा केक काटा गया। फादर अजीत ने अपने

संदेश में कहा कि ईश्वर विभिन्न तरीकों से प्रभु की सेवा व मानव कल्याण के लिए पुरोहित चुनते हैं। ईश्वर की महिमा से ही आज उनके पुरोहीताई जीवन के 25 वर्ष पूरे हुए हैं। ईश्वर की महान कृपा से ही यह संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रवासी एक परिवार की तरह हैं। सभी को एक साथ मिलकर चलना है। वहीं उन्होंने बच्चों को कहा कि अच्छे से पढ़ाई लिखाई करें और अपना भविष्य बनाएं।

हरा राशन कार्ड धारियों को फिर से मिलेगा पांच किलो चावल

जलडेगा। प्रखंड मुख्यालय में रविवार को कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी की उपस्थिति में हरा कार्डधारकों के बीच राशन वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इससे पूर्व विधायक कोंगाड़ी का अंचलाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी डॉ खगेन महतो एवं बीडीओ विजय राजेश बरला ने स्वागत किया। विधायक ने कहा कि हरा राशन कार्ड द्वारा राशन वितरण योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। सरकार गठन के पश्चात सरकार ने अनुदान पर कई राइस मिल खोले हैं जहां किसानों से बाजार से अधिक कीमत पर धान खरीदकर इन मीलों को देती है एवं उसी चावल को हरा राशन कार्ड धारकों के बीच वितरण कर रही है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की तीन छात्राओं ने जेईई मेंस उत्तीर्ण की

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने जेईई मेंस की परीक्षा उतीर्ण कर एक बार फिर अपने विद्यालय, शिक्षकों, गाँव और समाज को गौरवान्वित किया है।

जेईई मेंस की परीक्षा जो फिलहाल ही 6-15 अप्रैल तक आयोजित की गयी थी, जिसमे एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की आठ छात्राओं ने सेशन- 2 की परीक्षा में भाग लिया था इनमे से तीन छात्राओं स्वाती कुजूर, किरण तिर्की, और ललिता कुमारी ने इस परीक्षा को उत्तीर्ण कर जेईई एडवांस की परीक्षा की पात्रता प्राप्त कर ली है। आल इंडिया रैंक एसटी कैटेगरी में इनका

रैंक क्रमशः 6936, 15407, 17103 आया है। ये सभी छात्राएं सामान्य किसान परिवार से आती है। इससे पूर्व में भी इस विद्यालय की तीन छात्राओं ने 2020 में और 2022 में दो छात्राओं ने जेईई मेंस की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर चुकी हैं ,जिसमें एक बीआईटी मेसरा और एक बीआईटी सिंदरी में अध्ययनरत है। छात्राओं की सफलता पर आदिवासी कल्याण आयुक्त झारखंड, लोकेश मिश्रा, अनुमंडल पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक अरविंद कुमार लाल, जिला कल्याण पदाधिकारी राम नारायण राम अन्य विभागीय कर्मचारियों, विद्यालय की निदेशिका करुणा शर्मा, उपनिदेशक बिपीन बिहारी सिंह तथा प्रभारी प्राचार्या अमृता मिश्रा ने छात्राओं को तथा शिक्षक - शिक्षिकाओं ने बधाई दी।

बजरंग दल का कुडू पश्चिमी क्षेत्र चापी पंचायत में विस्तार

लोहरदगा। कुडू पश्चिमी क्षेत्र चापी पंचायत में बजरंग दल की बैठक संयोजक सचिन साहू की अगुवाई में की गई। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ पंचायत कमेटी का विस्तार भी किया गया। इसमें चापी पंचायत संयोजक शंकर प्रजापति, सहसंयोजक मुन्ना प्रजापति, सुरक्षा प्रमुख रविंद्र कुमार राम, अखाड़ा प्रमुख अकाश साहू, विद्यार्थी प्रमुख रिशु अग्रवाल, सत्संग प्रमुख रोहित तिवारी, गौ रक्षा प्रमुख विजय कुमार यादव को बनाया गया। कुडू प्रखंड संयोजक मिथिलेश प्रजापति, सत्यम कुमार, दीपक कुमार साहू संजीत कुमार, प्रकाश प्रजापति, अनंत कुमार, विकास प्रजापति, दीपक प्रजापति, संतोष प्रजापति, मिथिलेश सिंह, हरि महतो आदि मौजूद थे।

आयोजन राज्य स्तरीय कृषि बजट पर कार्यशाला

कृषि से संबंधित चुनौतियों पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में सीबीजीए दिल्ली और लीड्स रांची के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय कृषि बजट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जलडेगा के प्रखंड कृषि पदाधिकारी बृजबिहारी प्रसाद और आत्मा के बीटीएम राजेश बागे भी शामिल हुए और कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं को बताया। साथ ही दोनों ने कहा की किसानों को समय पर बीज नहीं मिलने से किसानों को समय पर लाभ नहीं मिल पता है, इसके लिए निचले स्तर के कर्मियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। प्रखंड में कोल्ड स्टोरेज, किसानों के लिए बाजार व्यवस्था कराने को कहा।

उन्होंने कहा की किसानों को समय समय पर पंचायत अथवा गांव स्तरीय प्रशिक्षण भी देना आवश्यक है तभी किसानों को समय पर कृषि कार्य से संबंधित जानकारी मिल पाएगी। जैविक खेती और खाद को बढ़ावा देने के लिए सरकार को प्रखंड स्तर पर किसानों को प्रेरित करने की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने क्षेत्र में काम करने वाले संस्थाओं को भी इस पर काम करने और सरकार तक किसानों की बातों को पहुंचाने को कहा।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ ओ एन सिंह, वाइस चांसलर, बीएयू, डॉ डीके शाही, डीन बीएयू, डॉ पीके सिंह, डायरेक्टर रिसर्च, बीएयू, डॉ बीके झा, प्रोग्राम कोडीनेटर, बीएयू, सिद्धार्थ जायसवाल, सीईओ, बीपीडीएस, बीएयू, रिसू भारद्वाज अनुमंडल कृषि पदाधिकारी रांची, डॉ गुरप्रीत सिंह सीनियर पॉलिसी एनालिस्ट सीबीजीए, विजय सिंह जोनको कृषि पधाधिकारी बंदगांव पश्चिमी सिंहभूम, रमनदीप सिंह, प्रोजेक्ट ऑफिसर सीबीजीए, निरझरनी रथ सीनियर प्रोग्राम मैनेजर, लीड्स के अलावा जलडेगा लीड्स के परियोजना समन्वयक आलोक कुमार, सोनू सिंह जलडेगा एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, सुर्मति बागे फिया फाउंडेशन, मॉडल किसान राजेंद्र काशी, वार्ड सदस्य नेलन तोपनो भी उपस्थित थे।

एसपी ने खिजरी में शुरू की पुलिस पोस्ट

सिमडेगा। सिमडेगा एसपी सौरभ कुमार ने रविवार को जिला स्थापना दिवस के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था को मद्देनजर ध्यान में रखते हुए खिजरी के पास पुलिस पोस्ट का विधिवत उद्घाटन किया। बताया गया कि या पुलिस पोस्ट भरत फ्रूट्स एंड वेजिटेबल कंपनी के प्रोपराइटर भरत प्रसाद की ओर से सिमडेगा पुलिस को भेंट की है ताकि शहर की व्यवस्था बनी रहे। इस मौके पर सिमडेगा एसपी ने कहा कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था आम जनमानस के लिए बहुत ही आवश्यकता है और इसी को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है ताकि क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियों पर नजर रखा जा सके और अपराधी किसी प्रकार का अपराध करने पर बचेंगे। उन्होंने पुलिस पोस्ट भेंट करने के लिए भरतपुर एंड वेजिटेबल कंपनी के प्रोपराइटर का धन्यवाद दिया इस मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा थाना प्रभारी, सार्जेंट एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

लोगों ने सुना मन की बात का सौवां एपिसोड

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा/ कैरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 100वां एपिसोड नगर के विभिन्न बुथों पर सुना गया। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के अध्यक्ष अमरेश भारती के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों के लिए वरिष्ठ एवं कर्मठ कार्यकताओं को पभारी के रूप में सम्मान देते हुए दायित्व सौंपा गया। कार्यकताओं के साथ साथ आम जन भी कार्यक्रम में सम्मलित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्रज बिहारी प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह, श्रीचंद प्रजापति, उमेश कांस्कार, राजेश महतो, बिंदिया देवी, सरस्वती देवी, समेला भगत,अजय पंकज, अनिल उरांव, सरोज प्रजापति, नीरज साहु, अभय भारती, कमलेश कुशवाहा, शंकर प्रजापति,सुनीता भारती, रानी देवी, बजरंग प्रजापति, संगीता कुमारी, प्रमोद प्रजापति, अशोक कांस्कार, संभु साहु, मिथुन तमेरा, संजय महतो,भारती सिन्हा, अनुप वर्मा आदि ने सहयोग दिया।

मन की बात से जनभागीदारी बढ़ी : विमला

सिमडेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात का 100 वां संस्करण भाजपा कार्यकताओं ने सुना। सिमडेगा जिले में लगभग 200 बूथों पर 15000 कार्यकर्ता पहुंचे। भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है। वहीं पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा कि मन की बात से देश में शिक्षा स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों में जनभागीदारी बढ़ी है। कुरडेग प्रखंड के कुटुमाकछार में मन की बात सुनते हुए केंद्रीय मंत्री के सांसद प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव ने कहा कि मन की बात देश को एक नई दिशा दे रही है। प्रधानमंत्री की मन की बात को सुने एवं उससे प्रेरणा लें।

वहीं कैरो प्रखंड के विभिन्न बूथों पर भी मन की बात सुनी गई। बूथ 175 में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व बिससूत्री अध्यक्ष राजेंद्र महतो ने दर्जनों लोगों के साथ कार्यक्रम को सुना।

जूनियर नेशनल फेडरेशन कप में आशा किरण ने जीता गोल्ड मेडल

नवीन मेल संवाददाता। बोकारो भाटिया एथलीट अकादमी बोकारो थर्मल की आशा किरण बारला ने तमिलनाडु में आयोजित जूनियर नेशनल फेडरेशन कप में आठ सौ मीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीतकर झारखंड का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में गुजरात की लक्षिता विनोद पेडिला, मणिपुर की हुइड्रोम भूमेश्वरी, यूपी की विनीता गुर्जर, दिल्ली की रूही बोहरा, उड़ीसा की लक्ष्मी प्रिया, दिल्ली की अंजली और उत्तरखंड की अनीसा ने भाग लिया था। आशा ने सभी को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह जानकारी भाटिया एथलीट अकादमी बोकारो थर्मल के कोच आशु भाटिया ने दी। कहा कि प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 अप्रैल तक किया गया। फाइनल मुकाबले में आशा ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। उन्होंने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह के प्रति भी आभाव व्यक्त किया है, जिन्होंने आशा को तमिलनाडु आने-जाने की हवाई जहाज का टिकट मुहैया कराया। बोकारो डीसी कुलदीप कुमार ने शानदार जीत पर बधाई दी है। इसी वर्ष फरवरी में खेलो इंडिया यूथ नेशनल चैंपियनशिप में आशा किरण बारला ने 15 सौ मीटर की रेस में स्वर्ण पदक जीती थी। इस चैंपियनशिप का आयोजन मध्यप्रदेश के भोपाल में 3 फरवरी को हुआ था। 15 सौ मीटर की दौड़ आशा ने 4 मिनट 43 सेकंड में पूरी की थी। इसके अलावा आशा के अन्य खिताब भी शामिल है। पिछले वर्ष 2022 में 15 नवंबर को असम के गुवाहाटी में 37 वां नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आठ सौ मीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल जीत चुकी है।

पानी के लिए भटक रहे लोग

ग्रामीण जलापूर्ति योजना का नहीं मिल रहा लाभ

नवीन मेल संवाददाता। पलामू विभागीय पदाधिकारियों की लापरवाही के कारण ग्रामीण जलापूर्ति योजना का लाभ इस भीषण गर्मी में भी पांकी के लोगों को नहीं मिल पा रहा है। वहीं पिछले एक सप्ताह से पानी सड़कों पर बह रहा है। सरकार द्वारा लगाए गए नलकूप बेकार पड़े हुए हैं। वहीं पांकी बाजार थाना रोड, कपूरी चौक, राहे पहाड़ी, हरिजन टोला, पांकी हाईस्कूल रोड के लोगों को पेयजल समस्या जूझना पड़ रहा है। 1980 के दशक में पूर्व मंत्री दिवंगत संतु सिंह ने इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ किया था। गर्मी आते ही पांकी प्रखंड की सभी बड़ी-छोटी नदियां सूख गई है। नदी सूखने के साथ ही पांकी में जल संकट शुरू हो गया है। अभी से ही पानी के लिए क्षेत्र में हाहाकार मचने लगा है। पांकी प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति योजना भगवान भरोसे है। ग्रामीण हैंडपंप व कुआं सूख चला है। जिला प्रशासन द्वारा पानी संकट से निजात दिलाने के लिए कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। अमानत नदी के साथ कोलोलवा, पिरीमोड़, सोनरे नदी, पिपरा नदी सूख चुकी है। लोग प्यास बुझाने के लिए चुआंड़ी का सहारा ले रहे हैं। प्रखंड के कोनवाई, होटाई, सगालीम, पिरीमोड़, आसेहार, सलगस, माड़न, रतनपुर समेत कई गांव के लोग जल संकट से परेशान हैं। सुबह से ही हैंडपंप के पास लोगों की कतार लग जाती है। प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद ने कहा कि पांकी प्रखंड में पेयजल समस्या से निपटने के लिए वे पलामू के डीसी से मुलाकात करेंगे।

अस्पताल निर्माण कार्य में तोड़-फोड़, सेंट्रिंग क्षतिग्रस्त

तीन लाख रंगदारी मांगने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह तीन लाख रकम की रंगदारी नहीं देने पर अस्पताल निर्माण कार्य को रोक देने व कार्यस्थल पर तोड़-फोड़ करने का आरोप भूस्वामी सेवानिवृत शिक्षक प्रह्लाद चन्द्र यादव ने लगाया है। आरोप है कि दबंगो ने सामूहिक रूप से अचानक कार्य स्थल पर पहुंच कर गाली गलौज करते हुए तोड़-फोड़ शुरू कर दिया। बाउंड्रीवाल व छत ढलाई के लिए लगाए गए सेंट्रिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना पाकर बेंगाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और ढलाई के काम को रुकवा दिया। साथ ही दोनों पक्षों को समझा बुझा कर स्थल पर से हटाया। मामला बेंगाबाद मौजा के खाता न0 16 के प्लॉट न0 539 से जुड़ा हुआ है। इस संबंध में दोनों पक्षों ने थाने में आवेदन दिया है। प्रथम पक्ष प्रह्लाद चन्द्र यादव ने बताया कि 50 वर्ष पूर्व बेंगाबाद मौजा में उन्होंने जीना रविदास और बंधु रविदास से 2- 2 डिसमिल जमीन खरीद की है। जबकि 5 डिसमिल जमीन महावीर राम से खरीदी गयी है। जमीन खरीदने के बाद उसपर बाउंड्रीवाल कराकर कुआं व मकान का निर्माण भी कराया। पुराने मकान को तोड़कर उसमें प्राइवेट अस्पताल निर्माण के लिए कार्य कराया जा रहा था। इसी दौरान बेंगाबाद निवासी नकुल रविदास, गोपाल रविदास, छोटकी खरगडीहा निवासी छोटेलाल दास, ठाकुर दास व अन्य लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया. उक्त लोगों ने अस्पताल निर्माण के एवज में तीन लाख रुपये रंगदारी की मांग की थी। रंगदारी की रकम नहीं देने पर केस किया गया था। मामले को लेकर एसडीएम सदर के न्यायालय में धारा 144 के तहत कार्रवाई भी हुई। मगर कागजातों के जांच के बाद वाद को बंद कर दिया गया। वहीं दूसरे पक्ष के नकुल रविदास का कहना है कि जमीन उनकी पुस्तैनी है, जिस पर प्रथम पक्ष जबरन कार्य कर रहा है।

गैस सिलेंडर लदा ट्रक पलटा, रिसाव होने से मची भगदड़

धनबाद। जिले के लोयाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत सेंद्रा पंजाबी मोड़ के समीप रविवार को धनबाद कतरास मुख्य मार्ग पर सीएनजी गैस सिलेंडर लदा एक ट्रक (बीआर 01 जीके 5402) अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। ट्रक पलटने से गैस का रिसाव होने लगा, जिससे आसपास भगदड़ मच गई। पूरे क्षेत्र में भय का माहौल उत्पन्न हो गया। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस व अग्निशमन विभाग मौके पर पहुंची। पुलिस ने एहतियातन उक्त सड़क पर वाहनों का आवागमन को रोक दिया।

अडाणी की लूट के खिलाफ होगा आंदोलन : भुनेश्वर प्रसाद मेहता

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग सीपीआई के पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि केन्द्र सरकार पूरे देश में न सिर्फ कोयला खदान बल्कि उर्जा, हवाई अड्डा, बंदरगाह सहित कई परियोजनाएं बिना सोचे समझे अडानी को दे दिया है। सरकार ने अडानी को झारखंड के 26 कोल ब्लाक दे दिया गया। इनमें हजारीबाग के केरेडारी और बड़कागांव के भी कोल ब्लाक हैं। इससे हजारों लोग विस्थापित होंगे। बड़कागांव और केरेडारी की जो जमीन है वह बहु फसली जमीन है जिस पर किसान धान, गेहूं, सब्जी और अन्य अनाज पैदा करते हैं। भुनेश्वर प्रसाद मेहता रविवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर अडानी इनके जमीन को ले लेती है तो पूरा गांव विस्थापित हो जाएगा और किसान दर दर की ठोकर खाने को मजबूर हो जाएंगे। मेहता ने कहा कि झारखंड विस्थापित संघर्ष समिति जिसका मैं अध्यक्ष हूं सभी वामपंथी, जनवादी राजनीतिक दलों, सामाजिक, सांस्कृतिक और लेखकों के संगठन को लेकर के एक बड़ा आंदोलन हजारीबाग सहित पूरे झारखंड में किया जाएगा। इसकी शुरूआत केरेडारी के गोंदलपूरा से आगामी सात मई को होगी, जहां अदानी के खिलाफ 12 अप्रैल 2023 से सैकड़ों लोग धरना पर बैठे हुए हैं। यहां पर एक बड़ी सभा आयोजित की जाएगी। सभा में पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, विस्थापन आंदोलन के नेत्री वाशवी कीड़ों, सीपीआई के राज्य सचिव महेंद्र पाठक आदि रहेंगे।

दो प्लॉट पर कब्जा के मामले में हुई प्राथमिकी

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग हजारीबाग के कटकमदाग स्थित सिरसी में सौ एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा के मामले में दो प्लॉट से संबंधित प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वहीं दो पर अंचल प्रशासन भी फिलहाल खामोश हैद्ध उन प्लॉटों के मामले में कार्रवाई नहीं होने और लगातार उन सरकारी जमीनों पर काम होने को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं। उन प्लॉटों की जमीन पर सरेआम पहले बाउंड्री कराई गई। फिर बोरिंग भी करा ली गई। साथ ही अब भी लगातार उन जमीनों की प्लॉटिंग की जा रही है। इधर कटकमदाग अंचल प्रशासन की ओर से कार्रवाई के नाम पर अब तक रणनीति ही तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि सिरसी में जिस सरकारी जमीन पर कब्जा के मामले में जिन लोगों पर प्राथमिकी कराई गई, वही उस भू-खंड पर चहारदीवारी कर अपने कब्जे में लिया। फिर प्लॉटिंग कर उसे बेचने का काम किया। सिरसी में भू-माफियाओं का कुछ अलग ही गोरखधंधा चल रहा है। खाता संख्या 251 के तहत यह प्लॉट 848 और 882. वर्तमान सीओ शशिभूषण सिंह ने ही डीसी के आदेश पर वर्ष 2022 में प्लॉट 882 पर कब्जा के मामले में एक व्यक्ति पर कटकमदाग थाने में प्राथमिकी कराई थी। वहीं प्लॉट 848 के मामले में 10 से 12 लोगों पर केस दर्ज कराया था। फिलहाल प्लॉट 844 और 846 पर दिनदहाड़े कब्जा कर काम कराया जा रहा है, लेकिन इन प्लॉटों पर कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। हालांकि सीओ ने यह कहा है कि जल्द बड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकारी भूमि पर कब्जा या अतिक्रमण करने के मामले में कोई बख्शे नहीं जाएंगे।

पुलिस ने नौ जुआरियों को पकड़ा, 67,100 कैश जब्त

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ पतरातू पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पतरातू क्षेत्र में जुआ खेल रहे 9 जुआरियों को पकड़ा है। पकड़े गए जुआरियों को जेल भेज दिया है। पतरातू थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। थानेदार ने बताया कि पतरातू इलाके में जुआ की लगातार सूचना मिल रही थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए छापेमारी की गई. इस दौरान 9 लोगों को जुआ खेलते पकड़ा गया। उनके पास से कुल 67100 रुपये कैश बरामद किए गए। मौके से ताश की पत्तियां, एक स्कूटी और तीन बाइक भी बरामद की गई। छापेमारी दल में थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह, सअनि श्रीनिवास सिंह, हरिदास किस्कू, सुकरा उरांव, सुंदर शर्मा, विकास सिंह, अरुण कुमार महतो मुख्य रूप से शामिल थे।

डिवाइडर तोड़ सड़क पर दौड़ने लगी पेट्रोलिंग ट्रेन

टोरी में टल गया एक बड़ा हादसा

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र स्थित टोरी रेलवे स्टेशन के पास रविवार पेट्रोलिंग ट्रेन डिवाइडर तोड़कर सड़क पर दौड़ने लगी। हालांकि इस घटना में जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन वहां अफरा-तफरी मच गयी। इस हादसे की वजह से एनएच 99 पर लगभग एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। इधर पेट्रोलिंग ट्रेन बेपटरी होने की सूचना मिलते ही रेलवे के वरीय अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। रेलवे की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर बेपटरी हुए पेट्रोलिंग ट्रेन को हटाने का काम शुरू कर दिया है। रेलवे पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी रेलवे के पेट्रोलिंग वैगन से बालूमाथ की ओर पेट्रोलिंग करने गयी थी। पेट्रोलिंग करके वापस टोरी रेलवे स्टेशन स्थित सेटरिंग यार्ड में आने के दौरान अचानक ट्रेन डिवाइडर को तोड़ते हुए सड़क पर दौड़ने लगी। इस घटना के बाद वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन रेलवे क्रॉसिंग से थोड़ी दूर पर जाकर रुक गयी। इस हादसे की वजह से एनएच 99 पर लगभग एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही।

समस्या **पीएम आवास में प्रवेश का सपना रहा गया अधूरा, नगर निगम का कार्यकाल हो चुका है पूरा**

नहीं बदली हरिजन टोला की तस्वीर, लोग परेशान

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग वर्ष 2018 में कदमा पंचायत को नगर निगम के अधीन वार्ड-23 में शामिल कर लिया गया। अब नगर निगम का कार्यकाल पूरा हो चुका है। ऐसे में कदमा, कस्तूरीखाप आदि के लोगों का कहना है कि दो साल कोरोना में गुजर गए। उसके बाद दो साल से इंतजार करते रहे। अब नगर निगम का कार्यकाल भी पूरा हो गया, लेकिन आधे-अधूरे सरकारी आवास का आकार नहीं बदला। पीएम आवास में प्रवेश का उनका सपना अधूरा रह गया। कस्तूरी खाप स्थित हरिजन मुहल्ला निवासी सोनू राम, किशन राम, भोला राम, विक्रम राम, नागेंद्र राम, मोहन राम, कपिल राम, फगुनी मसोमात, पाझी देवी आदि ने बताया कि उनके मुहल्ले की अनदेखी की गई। हरिजन मोहल्ले में एक भी लाइट नहीं लगाई गई। यहां तक कि गली में एक भी बिजली का खंभा नहीं दिया गया। पेयजल की भी समस्या है। पूर्व में एक पानी का टंकी बनाया गया था, उससे जैसे-तैसे काम चल रहा है। पूर्व वार्ड पार्षद प्रत्याशी तपेश्वर साव कहते हैं कि जब उनकी पत्नी सरिता देवी मुखिया हुआ करती थीं, तो कई सरकारी योजनाएं धरातल पर उतारी गईं। वार्ड बनने के बाद मुंह देखकर काम होने लगा। इससे अच्छा तो पंचायत में ही खुशहाल थे। नाली, गली, सड़क कुछ पर काम नहीं हुआ। सिर्फ दिखावे के लिए पांच करोड़ रुपए खर्च हुए। वार्ड-23 में कई समस्याएं अब भी मुंह बाए खड़ी है। निवर्तमान वार्ड पार्षद दीपक कुमार सिंह ने कहा कि वार्ड-23 पहली बार नगर निगम में गया। इसमें लगभग पांच करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च कर कई योजनाएं धरातल पर उतारी गईं। तालाब सौंदर्यीकरण और कुछ सड़क का काम अधूरा रह गया।

कई सड़कें, हाई मास्ट लाइट, पीसीसी, नाली समेत जनहित में कई योजनाओं का लाभ वार्डवासियों को मिला। जो काम बच गए, मौका मिलने पर उन योजनाओं को पूरा करेंगे।

कोडरमा के चंदवारा में फल व्यवसायी की हत्या रेलवे ट्रैक के पास मिला शव

कोडरमा। जिले के चंदवारा में फल व्यवसायी की हत्या कर दी गयी। रविवार की सुबह चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराडीह रेलवे स्टेशन के पास उसका शव मिला। फल व्यवसायी बबलू मोदी (38) जयनगर का निवासी था और यहां भाड़े के मकान में रहकर फल का दुकान चलाता था। स्थानीय लोगों के अनुसार रात करीब 10:30 बजे उसे फोन कर बाहर बुलाया गया था। रविवार की सुबह उसका शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। बताया गया है कि रेलवे मैन ने रात में ही चंदवारा थाना को सूचना दे दी लेकिन पुलिस घटना स्थल पर नहीं पहुंची। मृतक के पिता रामचन्द्र मोदी ने थाने में दिए आवेदन में कहा है कि रात में चंदवारा थाना के कर्मी आदित्य शर्मा का फोन आया था, जिसके बाद उसका पुत्र घर से बाहर निकला था। इसके बाद उसका शव मिला। उन्होंने हत्या का आरोप लगाया है। इधर, घटना की सूचना पाकर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी वहां पहुंची और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दिया।

द्वितीय पुण्यतिथि पर याद किए गए अजय साहू

रामगढ़ । रामगढ़ साहू समाज के पूर्व सचिव रामगढ़ बाजार समिति के अग्रणी व्यवसायी स्वर्गीय अजय साहू को डिवाइन ओंकार मिशन के प्रांगण में द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डिवाइन ओंकार मिशन के प्रांगण में स्वर्गीय अजय साहू के द्वितीय पुण्यतिथि पर अटूट लंगर का किया गया आयोजन। लंगर में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रामगढ़ के कई वरिष्ठ समाजसेवी एवं बुद्धिजीवियों ने स्वर्गीय अजय साहू के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की । कार्यक्रम में स्वर्गीय अजय साहू के बड़े पुत्र समाजसेवी अमित साहू, आनंद कुमार, अभिषेक कुमार गोलू, अनुज कुमार, अरविंद गुप्ता, अनिल गुप्ता, रणधीर गुप्ता, सुनील गुप्ता, राकेश गुप्ता, शिव कुमार पांडे, अमर गुप्ता, विवेक कुमार, अनिकेत कुमार, परशुराम शाह, पवन साहू, मुकेश कुमार अंबष्ट, रवि कुमार, हसनैन वारसी, रहमतुल्ला, दिलीप प्रजापति, इंदु देवी, सरोज देवी, अंजू देवी, संजू देवी, ललिता देवी समेत सैकड़ों समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ढुठूवा गांव में मंडा पर्व का आयोजन

रामगढ़। दुलमी प्रखंड के सोसो पंचायत के ढुठूवा गांव में शनिवार की रात्रि मंडा पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर अतिथि दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश उपस्थित हुए। मौके पर उन्होंने कहा कि मंडा पर्व झारखंड की परंपरा और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। जिसे झारखंड में लोग काफी उत्साह और उमंग के साथ मनाते हैं । कहा यह पर्व अच्छी बारिश, खेत-बारी और समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान भक्त आग पर चलने और ऊंचाई पर पीठ पर लगे हुक के सहारे झूलते हैं। इस दौरान श्रद्धा और भक्ति का ऐसा नजारा दिखता है जिसमें बड़े तो बड़े नन्हे बच्चे भी अपनी भक्ति की परीक्षा देते है। मौके पर कृष्णा, कुमार महेश, जादू महतो, उत्तम कुमार, विजय कुमार, मंडा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र महतो,सचिव प्रकाश कुमार, कोषाध्यक्ष सुरेश महतो आदि मौजूद थे ।

धनबाद में दो भाइयों की तालाब में डूबने से मौत

धनबाद। हरिहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत घुनघुसा गांव में तालाब में नहाने के दौरान डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई है। मौत के बाद उनके परिवार में कोहराम मच गया है। साथ ही पूरे गांव में मातम पसर गया है। मृतकों में करण मंडल का पुत्र संजय मंडल (14) था। उसने इसी वर्ष आठवीं बोर्ड की परीक्षा दी थी। वहीं अर्जुन मंडल का पुत्र नयन मंडल (17) ने भी इसी वर्ष जैक से मैट्रिक परीक्षा दी थी। दोनों आपस मे चचेरे भाई थे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार सुबह करीब 10 बजे दोनों भाई गांव के ही सूंड़ी बांध में स्नान करने गए थे। इसी दौरान दोनों तालाब में डूब गए। दोनों भाइयों को तालाब में डूबता देख वही स्नान कर रही कुछ महिलाओं के चिल्लाने से आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद गांव वालों की मदद से आनन-फानन में दोनों को तालाब से बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सुरक्षा गार्ड गनमैन की पेड़ से गिरकर मौत

धनबाद। सिंदरी हर्ल व एफसीआईएल सिंदरी प्लांट परिसर में एफसीआईएल में पदस्थापित गनमैन सुरक्षा गार्ड शिवजी सिंह की मौत पेड़ से गिरकर हो गई। घटना हर्ल व एफसीआईएल के प्रशासनिक भवन की बगल में रविवार 30 अप्रैल की सुबह लगभग 8 बजे की बताई जा रही है। शिवजी सिंह पूर्व सैनिक थे और बिहार के छपरा जिले के रहनेवाले थे। एफसीआईएल सिंदरी यूनिट प्रभारी विजय कुमार चौधरी ने बताया कि गनमैन की ड्यूटी प्लांट परिसर में रविवार को 5 बजे सुबह से एक बजे दोपहर तक थी। सिक्योरिटी इंचार्ज विजय कुमार सिंह ने उन्हें घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि प्रशासनिक भवन की बगल में कटहल के पेड़ पर वह चढ़ रहे थे, तभी गिर गए और उनकी मौत हो गई। वरीय पदाधिकारियों व सिंदरी पुलिस को सूचना दे दी गई है। सूचना के आधार पर सिंदरी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उनके आर्मी में पदस्थापित पुत्र व पुत्री को भी पुलिस ने जानकारी दे दी है।

गिरिडीह : दो पक्षों में मारपीट में तीन घायल

गिरिडीह। जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के कपिलो में 30 अप्रैल को आपसी विवाद में दो पक्षों में मारपीट होने से तीन लोग घायल हो गए.घायलों में 50 वर्षीय साकिर मियां,40 वर्षीय मकिना बीबी व 21 वर्षीय शाहिन परवीन हैं। साकिर मियां ने कहा कि मकान बनाने के लिए कुएं के पानी से दीवार को भींगा रहा था। तभी गांव के मुबारक अंसारी ने आकर गाली-गलौज करते हुए दरवाजे को बन्द कर दिया। कहने लगा कि दीवार का मिट्टी कुआं में गया तो तुम सोच लेना। मुझे अकेला देख मुबारक अंसारी उसकी पत्नी नुरजहां, बेटा तबारक अंसारी व बेटी रेशमा खातून आई और मारपीट करने लगे। हल्ला सुन मेरी पत्नी और बेटी मुझे बचाने आई तो उनलोगों के साथ भी मारपीट किया गया। जिससे हम तीनों के माथे में काफी चोटें लगी है। घायल तीनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरनी पहुंचे, जिसका उपचार डॉ साकिब ने किया। बिरनी थाना में एक पक्ष ने आवेदन दिया है। बिरनी थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि आवेदन के आधार पर जांच किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत, एक घायल

गिरिडीह। जिले के चतरो-खिजुरी मुख्य मार्ग पर देवरी थाना क्षेत्र के डहुआटांड़ के पास हुए सड़क दुर्घटना में 30 अप्रैल को भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के छेवाशिमर गांव के किशुन राय के 17 वर्षीय पुत्र देवन कुमार राय उर्फ देबू की मौत हो गयी। देबू गांव के ही प्रकाश सोरेन के साथ तिसरी थाना क्षेत्र के आरपत्थर गांव गया था। वहां से लौटने के क्रम में डहुआटांड़ के पास बाइक दुर्घटना ग्रस्त हो गया। घटना में देबू व प्रकाश गंभीर रुप से घायल हो गए. जानकारी मिलने के बाद देवरी थाना की पुलिस ने दोनों घायलों को देवरी स्थित सीएचसी पहुंचाया।

साधुवाद!

झारखंड में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति बदहाल है। यह कहने की बात नहीं,बल्कि सच्चाई है। ऐसे में यहां एयर एंबुलेंस की सेवा वरदान है। गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की जान अब बचाई जा सकती है। यह देखा गया है कि यह सुविधा बड़े अस्पतालों के द्वारा दी जाती थी। अब सरकारी स्तर पर सेवा उपलब्ध होने से आम आदमी इसका लाभ उठा सकते हैं। यह सोचने की बात है कि अपात स्थिति में शहर और राज्य के बड़े अस्पतालों में एयर एंबुलेंस की कितनी आवश्यकता होती है। खासकर ऐसे वक्त में जब मरीज जीवन और मौत से जूझ रहा होता है। उस समय बेहतर सुविधा वाले अस्पतालों में मरीज को पहुंचाना कितना जरूरी होता है। सड़क और रेल मार्ग से मरीज को ले जाना संभव नहीं रहता है। इसमें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही इसमें काफी समय भी लगता है। कई बार देखा जाता है कि बीमार व्यक्ति की जान भी चली जाती है। ऐसी स्थिति में हेमंत सरकार का इस गंभीर विषय पर सोचा जाना बड़ी बात है। यदि बीमार व्यक्ति की जान समय पर इलाज होने से बच जाती है,तो जीवन के लिए इससे अच्छी बात और कोई नहीं हो सकती है। आगे इस दिशा में सीएम की और योजना है। खराब सड़कों के पास या किनारे हेलीपेड बनाने की भी योजना है। ताकि भीषण सड़क हादसे में गंभीर घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके। यह देखा जाता है कि यातायात के अभाव में कई लोगों की जानें असमय चली जाती हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि स्वास्थ्य सुविधा की दुनिया में यह बड़ा कदम है। अब जरूरत है कि ग्रामीण क्षेत्रों और यातायात से महरूम वैसी जगहों से इस सेवा की शुरूआत की जाये,जहां आज भी आने-जाने की कोई सुविधा नहीं है। ताकि इसका लाभ हर जरूरतमंद को मिले। मुख्यमंत्री का यह कार्य सराहनीय है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाये कम है। आज देखा जाये तो अधिकांश जानें गंभीर बीमारी और सड़क हादसे की वजह से हो रही हैं। कारण उन बीमार या घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। ऐसी स्थिति में एयर सेवा शुरू हो जाने से बहुतेरे लोगों की जानें बचाई जा सकती है। स्वास्थ्य की दिशा में यह एक क्रान्तिकारी कदम है। अच्छा होता इस दिशा में जमीन पर भी कुछ काम होते। यह देखा जा रहा है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में समस्त राज्य में अराजकता की स्थिति है। खुद हमारे स्वास्थ्य के मंदिर बीमार हैं। अस्पतालों की स्थिति दिनप्रतिदिन खराब हो रहे हैं। खास कर ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केन्दों की दयनीय स्थिति है। समय पर डाक्टर उपलब्ध नहीं रहते हैं। सरकारी सुविधाओं का जो लाभ बीमार व्यक्ति को मिलना चाहिए,वह नहीं मिल पाता है। स्वास्थ्य शिविर एक तबेले के रूप में दिखता है। जहां अवारा पशुओं ने अपना डेरा बना लिया है। ऐसे में कोई बीमार व्यक्ति यहां क्या इलाज करा पायेगा। यह एक बड़ा सवाल है। इस दिशा में भी काम करने की जरूरत है। ताकि जरूरतमंद बीमार व्यक्ति अपना इलाज यहां करा सके। वैसे भी यह देखा जा रहा है कि जगह-जगह हॉस्पिटलों की भीड़ लग गयी है। किसी शहर या ग्रामीण क्षेत्रों में अगर हम जायें,तो देखते हैं कि बड़े-बड़े बोर्ड लगे हैं। अयोग्य डाक्टरों के भरोसे ऐसे हॉस्पिटल धड़ल्ले से चल रहे हैं। यहां पैसों की खातिर नाजायाज काम होते हैं। ऐसे जगह किसी सभ्य समाज के लिए अच्छे नहीं होते हैं।

सड़क और रेल मार्ग से मरीज को ले जाना संभव नहीं रहता है। इसमें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साथ ही इसमें काफी समय भी लगता है। कई बार देखा जाता है कि बीमार व्यक्ति की जान भी चली जाती है।

सदियों में पैदा होते हैं मधु लिमये जैसे जननेता

आर.के. सिन्हा

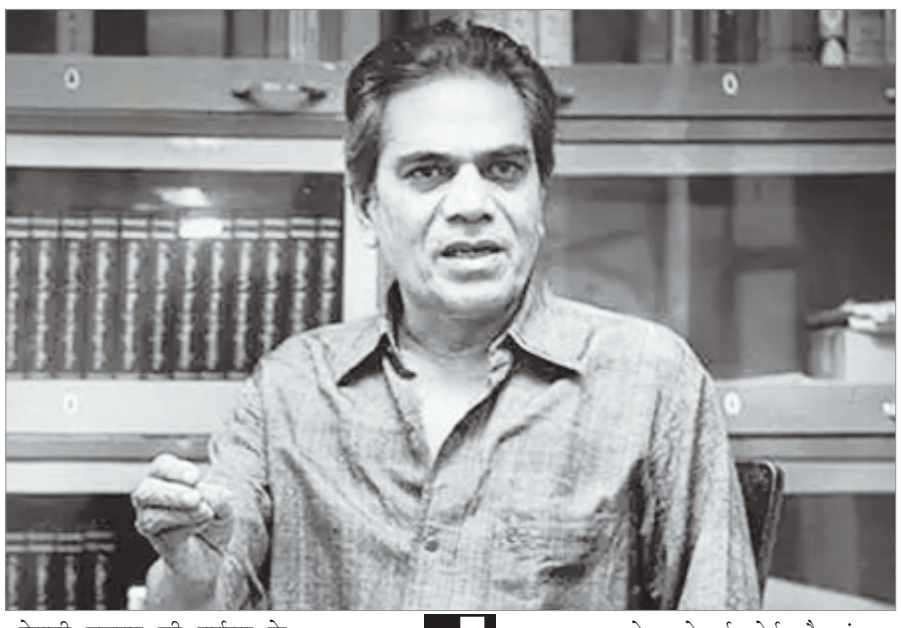

स्मृति शेष हो चुके मधु लिमये उन नेताओं में हैं जिनसे मतभेद होने पर भी आप उनका सम्मान करना नहीं छोड़ पाते। उनके ज्ञान और सादगी से आप बिन प्रभावित हुए नहीं रह सकते थे। वे उद्भट् विद्वान, चिंतक, देश-विदेश की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, ज्वलंत समस्याओं और उसके निदान पर विपुल साहित्य के रचनाकार थे। उनकी बुद्धिमत्ता, प्रखरता, ध्येयनिष्ठा और समर्पण के कारण 25 वर्ष के मधु लिमये को जयप्रकाश नारायण और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने एशियन सोशलिस्ट कॉन्फ्रेंस का सचिव बनाकर रंगून भेजा। 1947 में एंटवर्प मे सोशलिस्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में के रूप में मधु लिमये ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। 01 मई 1922 को जन्मे मधु लिमये मूल रूप से पुणे के थे। एक मराठी व्यक्ति का बिहार से चार बार चुनाव जीतना अपने आप में अनोखा है। राज्यसभा में ऐसे कई दूसरे नेता हुए हैं, लेकिन लोकसभा में ऐसे उदाहरण कम ही देखे गए हैं। लिमये का बचपन महाराष्ट्र में बीता। उनकी पूरी पढ़ाई भी वहीं से हुई। वो महाराष्ट्र की राजनीति में भी सक्रिय थे। लिमये समाजवादी विचारधारा से आते थे और गोवा लिबरेशन जैसे अनेक आंदोलनों का भी हिस्सा बने थे। लेकिन जब राष्ट्रीय राजनीति में उन्होंने कदम रखा तो चुनाव लड़ने के लिए बिहार को ही चुना। पहली बार वो 1964 में मुंगेर से उपचुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। 1964 में सोशलिस्ट पार्टी और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी का विलय हुआ और यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी बनी। मधु लिमये पहली बार यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर लोकसभा गए थे। इस जीत के बाद, वह यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष भी बने। मधु लिमये के दिल में बसता था बिहार, जहां से लोकसभा में पहुंचे थे। उन्हें बिहार के समाज और संस्कृति की गहरी समझ थी। मधु लिमये ने एक बार बताया था कि गर्मियों में बिहारियों को लगातार मीठे आम मिल जाएं तो वह तृप्त हो जाते हैं। इसी क्रम में वे जदालु आम के स्वाद पर बोले। उन्होंने बताया था कि जदालु आम का स्वाद और खुशबू अद्वितीय होती है। स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा, तीन विदेशी साम्राज्यों ब्रिटिश, पुर्तगाली, नेपाली हुकूमत की बर्बरता के खिलाफ लड़कपन से ही जूझने वाले मधु लिमये सच्चे गांधीवादी थे। उन्हें 1940 में विश्व युद्ध के समय 18 वर्ष की उम्र में अंग्रेज हुकूमत के खिलाफ भाषण देने के कारण एक साल के सश्रम कारावास की सजा मिली।

भारत छोड़ो आंदोलन में 1943 में गिरफ्तार होने पर 1945 में जेल से छूटे। 1955 में गोवा मुक्ति आंदोलन में भाग लेने के कारण 12 वर्ष की सजा सुनाई गई। 1958 में सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष बने। उन्होंने नागरिक आजादी के हक में, गैर बराबरी, जुल्म, अन्याय, जातिवाद, सांप्रदायिकता के खिलाफ तथा समाजवादी व्यवस्था की स्थापना में अपनी जिंदगी खपा दी। जन सवालों के लिए संघर्ष करने के कारण 1959 में हिसार (पंजाब) पहुंचे और 1968 में लखीसराय (बिहार) तथा 1970 में मुंगेर, बिहार।

भारतीय संसद के इतिहास में मधु जी ने एक और ऐतिहासिक कार्य 1975 में आपातकाल लागू होने के बाद संसद की अवधि 5 साल के स्थान पर 6 साल करने को असंवैधानिक घोषित करते हुए, संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वे सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, त्याग, सादगी मितव्ययिता के उच्च मानदंड, के प्रतीक भी हैं। उन्होंने समाजवादी दर्शन, सिद्धांत, विचारों, नीतियों को न केवल गढ़ा उसको अमलीजामा देने, हजारों कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने और उस मार्ग पर चलने के लिए तमाम उम्र अलख भी जगाई।

मधु जी की जीवनसंगिनी आदरणीय चंपा लिमये के योगदान और त्याग को भी हम कभी भुला नहीं सकते। मधु लिमये के राजधानी के नार्थ एवेन्यू, वेस्टर्न कोर्ट और पंडारा रोड के घरों में शाम को अवश्य ही बैठकी जमती। उसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी तथा जेएनएयू के अध्यापक, विद्यार्थी, संपादक और उनके अन्य मित्र हुआ करते थे। उनके घर में आने वाले अतिथियों को चाय चंपा जी ही बनाकर पिलाया करती थीं। गर्मियों में सुराही का पानी पीकर लोग अपनी प्यास बुझाते थे। सन 1995 में मधु जी की मृत्यु के बाद पंडारा रोड का घर खाली कर दिया गया। चंपा जी मुंबई चली गईं अपने बेटे के पास। इस बीच, पंडारा रोड में रहने वाले लिमये जी के नाम पर एक सड़क का नामकरण चाणक्यपुरी इलाके में हुआ। यह बात समझ से परे है। मधु जी के नाम पर जनपथ, पंडारा रोड या लोधी रोड के आसपास ही किसी सड़क का नाम रखा जा सकता था। मधु लिमये चार बार लोकसभा सदस्य रहे पर स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व सांसद की पेंशन कभी नहीं ली। लेखन कार्य के मेहनताने से ही जिंदगी चलाते थे। सिद्धांत से कभी समझौता नहीं किया। दो बार विदेश मंत्री बनने का प्रस्ताव ठुकराया। लोकसभा चुनाव हारने पर राज्यसभा में जाने से इंकार किया। मधु जी को सत्ता का मोह विचलित नहीं कर सका। वे महात्मा गांधी, आचार्य नरेंद्र देव, जयप्रकाश नारायण, डॉ. राम मनोहर लोहिया, अच्युत पटवर्धन, युसूफ मेहर अली की परंपरा के वारिस की भूमिका को भी आपने बखूबी निभाया। उन्होंने अपने जीवन में 'न्यूनतम लिया अधिकतम दिया और श्रेष्ठतम जिया'। मधु जी के सरकारी निवास में भारत के प्रधानमंत्री बने नेता चौधरी चरण सिंह, वीपी सिंह और चंद्रशेखर अक्सर सलाह मशविरा करने के लिए आते थे। मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, संसद सदस्यों, एमएलए की तो कोई गिनती ही नहीं थी। मधु जी को कला और संगीत की भी गहरी समझ थी। उनके पास भीमसेन जोशी, कुमार गंधर्व, मलिकार्जुन मंसूर, डागर बंधु, जितेंद्र अभिषेकी, गंगूबाई हंगल, यामिनी कृष्णमूर्ति , सोनल मानसिंह, उमा शर्मा जैसे अनेकों कलाकार संगीत की बारीकियों पर चर्चा करने के लिए आया करते थे। मधु के घर में सरकारी बैंत का फर्नीचर बिछा रहता था। उनके पास एक पुराने किस्म का एक टेप रिकॉर्डर था। आनंद की हिलोरें लेने के लिए वे अपने मनपसंद कैसेट को लगाकर शास्त्रीय संगीत सुनते थे। कई बार उनके मित्र, अनुयायी उनसे शिकायत करते कि मधु जी बड़ी गर्मी है। हम आपके लिए एयर कंडीशन ला देते हैं। फ्रिज भिजवा देते हैं। परंतु मधु लिमये की प्यास और चाहत कुछ अलग ही थी। उन्होंने लिखा है- 'शेक्सपियर की सभी रचनाओं, महाभारत और ग्रीक दुखांत रचनाओं के साथ मुझे एकांत आजीवन कारावास भुगतने में खुशी होगी। और अगर जीवन के अंत तक मुझे यह अवसर नहीं मिला तो संत ज्ञानेश्वर की रचनाओं को पढ़ने की मेरी प्यास अतृप्त रहेगी। बहरहाल, मधु जी के संघ की सोच से कुछ बिन्दुओं पर मतभेद थे।

मधु लिमये के दिल में बसता था बिहार, जहां से लोकसभा में पहुंचे थे। उन्हें बिहार के समाज और संस्कृति की गहरी समझ थी। मधु लिमये ने एक बार बताया था कि गर्मियों में बिहारियों को लगातार मीठे आम मिल जाएं तो वह तृप्त हो जाते हैं।

इन दिनों

बोधि वृक्ष

आईए सुनें भगवान बटुक भैरव की कथा

अर्थात विष्णु कहते की ब्रह्मा का जन्म उनसे हुआ है और ब्रह्मा कहते की विष्णु का जन्म उनसे हुआ है। इसी बीच उनके मध्य में एक अग्नि स्तम्भ प्रगट हुआ जिसने उन दोनों से कहा की आप दोनों में से जो भी इस अग्नि स्तम्भ का ओर या छोर पता लगा लेगा वही बड़ा होगा और वही सर्वत्र पूज्य होगा। ब्रह्मा ने एक हंस का रूप धारण किया और विष्णु ने एक वराह का रूप धारण किया ब्रह्मा ने ऊपर और विष्णु ने निचे की ओर प्रस्थान किया। एक समय आने के बाद श्रीहरि विष्णु ने यह मान लिया की इस अग्नि स्तम्भ का कोई अंत नहीं है। परन्तु ब्रह्मदेव किसी भी कीमत पर अपनी पराजय मानने को तैयार नहीं थे। कुछ ऊपर पहुंचने पर उन्हें वहां केतकी नामक एक पुष्प मिला। उन्होंने उससे कहा की यदि तुम मेरा समर्थन करो तो मैं तुम्हें सबसे महत्वपूर्ण पुष्प की उपाधि प्रदान करूंगा। केतकी ने ब्रह्मा की ये बात स्वीकार कर ली, और उस पुष्प को लेकर के ब्रह्मदेव वापस नीचे आ गए। जब उस अग्नि स्तम्भ ने उनसे पूछा की क्या आप दोनों में से किसी को मेरा ओर-छोर मिला? तो इस पर नारायण ने तो मना कर दिया परन्तु ब्रह्मदेव ने कहा की हां मुझे मिला है और सत्यापन के लिए केतकी पुष्प को प्रस्तुत कर दिया। केतकी ने भी ब्रह्मदेव का समर्थन किया। तब उस अग्नि स्तम्भ ने एक पुरुष की आकृति ग्रहण की और प्रकट हुए महाकाल महारुद्र भगवान शिव। उन्होंने ब्रह्मदेव से कहा की आप असत्य बोल रहे हैं। और ब्रह्मा को असत्य भाषण के लिए कभी भी न पूजे जाने का श्राप दिया और केतकी के असत्य भाषण के लिए उसे अपनी पूजा में प्रयोग में लाए जाने से निषेध कर दिया। तब ब्रह्मदेव ने क्रोधित होकर भगवान रूद्र को अपशब्द कहना आरम्भ कर दिया और स्वयं को सबसे बड़ा बताने लगे। उस समय ब्रह्मदेव पंचमुखी होते थे। तब भगवान शिव को आभास हुआ की ब्रह्मदेव में अहंकार व्याप्त हो रहा है। *(क्रमशः)*

हाशिये पर हैं मजदूर प्रगति कैसे हो भरपूर?

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 01 मई को विश्व श्रमिक दिवस मनाया जाता है। इसे बहुत जगह 'मई दिवस' भी कहा जाता है। यह दिवस समाज के उस वर्ग के नाम है, जिसके कंधों पर सही मायनों में विश्व की उन्नति का दारोमदार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति तथा राष्ट्रीय हितों की पूर्ति का प्रमुख भार इसी वर्ग के कंधों पर होता है। वर्तमान मशीनी युग में भी उनकी महत्ता कम नहीं है। श्रमिक दिवस और श्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने कहा था कि किसी व्यवसाय को ऐसे देश में जारी रहने का अधिकार नहीं है, जो अपने श्रमिकों से जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से भी कम मजदूरी पर काम करवाता है। जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से उनका आशय सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से था। इस दिवस पर यह जानना भी दिलचस्प है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रमिक दिवस कब से और क्यों मनाया जाता है? अमेरिका में आठ घंटे से ज्यादा काम न कराने के लिए की गई कुछ मजदूर यूनियनों की हड़ताल के बाद 01 मई 1886 को विश्व श्रमिक दिवस मनाने की शुरूआत हुई थी। दरअसल वह ऐसा समय था, जब कार्यस्थल पर मजदूरों को चोट लगना या काम करते समय उनकी मृत्यु हो जाना आम बात थी। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने, कार्य करने के घंटे कम करने तथा सप्ताह में एक दिन के अवकाश के लिए मजदूर संगठनों ने पुरजोर आवाज उठाई गई। 01 मई 1886 को हड़ताल शुरू हुई। शिकागो शहर के हेय मार्केट चौराहे पर रोज सभाएं होने लगीं। 04 मई 1886 को पुलिस यहां भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास कर रही थी। तभी किसी अज्ञात शख्स ने बम फेंक दिया। इसके बाद पुलिस ने फायरिंग की। इसमें चार मजदूर मारे गए। हालांकि उस समय अमेरिकी प्रशासन पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। लेकिन बाद में श्रमिकों के लिए आठ घंटे कार्य करने का समय निश्चित कर दिया गया। मजदूरों पर गोलीबारी और मौत के दर्दनाक घटनाक्रम को स्मरण करते हुए ही 01 मई 1886 से विश्व श्रमिक दिवस मनाया जाने लगा। 1889 में पेरिस में अंतरराष्ट्रीय महासभा की द्वितीय बैठक में फ्रांसीसी क्रांति को याद करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया कि इसे 'विश्व मजदूर दिवस' के रूप में मनाया जाए। इसके बाद 80 देशों ने 01 मई को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। श्रमिक वर्ग ही है, जो अपनी हाड़-तोड़ मेहनत के बलबूते पर राष्ट्र के प्रगति चक्र को तेजी से घुमाता है लेकिन कर्म को ही पूजा समझने वाला श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मई दिवस के अवसर पर देशभर में भले ही मजदूरों के हितों की बड़ी-बड़ी योजनाएं बनती हैं। लुभावने वादे किए जाते हैं। इन्हें सुनकर एकबारगी तो लगता है कि उनके लिए अब कोई समस्या नहीं बचेगी किन्तु अगले ही दिन मजदूरों को पुनः उसी माहौल से रूबरू होना पड़ता है। फिर वही शोषण, अपमान व जिल्लत भरा तथा गुलामी जैसा जीवन जीने के लिए अभिशप्त होना पड़ता है। समय-समय पर मजदूरों के लिए नए सिरे से मापदंड निर्धारित किए जाते हैं लेकिन इनको क्रियान्वित करने की फुर्सत ही किसे है? जहां तक मजदूरों के अधिकारों का सवाल है तो कई बार वह बेमानी साबित होते हैं। अक्सर कारखानों के मालिक मनमानी कर तालाबंदी कर देते हैं। प्रायः जिम्मेदार अधिकारी आंख पर पट्टी बांधे रहते हैं। बड़ी वजह यह है कि अधिकांश ट्रेड यूनियनों के नेता भी भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन गए हैं।

श्रमिक दिवस और श्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने कहा था कि किसी व्यवसाय को ऐसे देश में जारी रहने का अधिकार नहीं है।

आज मई दिवस

फोटो की दुनिया

ट्वीट-ट्वीट

Saryu Roy
@roysaryu
प्रतिबंधित पिस्तौल रखने के जुर्म में जमशेदपुर पुलिस स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पर आर्म्स एक्ट की निम्नांकित धारा के अधीन कारवाई करे.
Translate Tweet
Arms Act-Section 25 [(1A) Whoever acquires, has in his possession or carries any prohibited arms or prohibited ammunition in contravention of section 7 shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than 7[seven years but which may extend to fourteen years] and shall also be liable to fine.

फेसबुक वॉल से

यूपी में मुख्तार अंसारी और बृजेश सिंह से भी बड़े माफिया!

डॉ. अनिल कु. निगम

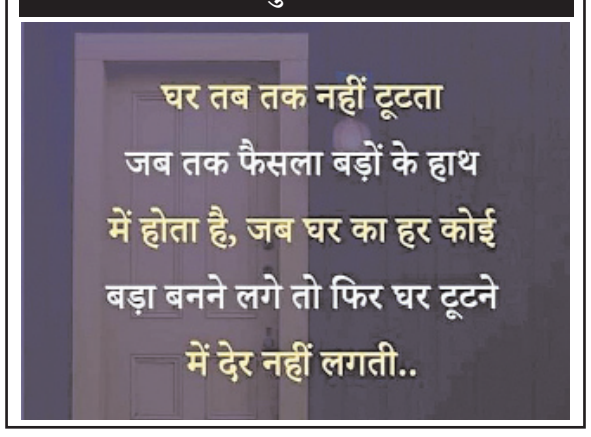

उत्तर प्रदेश में ऊधम सिंह, मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह और सुंदर भाटी से भी बड़े माफिया मौजूद हैं। उनका नाम न तो पुलिस फाइलों में है और न मीडिया की फेहरिस्त में। फिलहाल उत्तर प्रदेश शासन ने उनको सूचीबद्ध भी नहीं किया है। उनकी बेनामी संपत्ति कई हजार करोड़ों में है। जी हां, मैं बात कर रहा हूं ऐसे माफिया के बारे में जो अदृश्य है पर सबसे ज्यादा मालदार और ताकतवर वही है। ये ऐसे राजनेता और ब्यूरोक्रेट हैं, जिन्होंने प्रदेश में माफिया का संरक्षण और संवर्धन किया। इसके बदले में उन्होंने न केवल अपनी तिजोरियां भरीं, बल्कि हजारों करोड़ों रुपये की नामी एवं बेनामी अकूत संपत्ति इकट्ठा कर ली। आज इनमें से ही कई नेता माफिया के खिलाफ कार्रवाई होने पर अपनी छातियां पीट रहे हैं। सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जो प्रदेश में सक्रिय माफिया की सूची जारी की है, क्या महज उसके खात्मे के बाद प्रदेश आतंक मुक्त हो जाएगा? सवाल यह भी है कि क्या कोई व्यक्ति बिना राजनीतिक और अफसरशाही के संरक्षण के माफिया बन सकता है? अगर नहीं तो फिर सबसे बड़े अदृश्य माफिया पर उदासीनता कैसी? हाल ही में अतीक अहमद, अशरफ, असद अहमद और गुलाम मोहम्मद के मारे जाने के बाद प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्षी नेताओं ने जमकर हंगामा बरपाया। इनके मारे जाने के बाद प्रदेश पुलिस ने 61 माफिया की एक नई सूची तैयार की है। इनमें शराब कारोबारी, अवैध खनन कारोबारी भी हैं। सहायक पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार (कानून एवं व्यवस्था) का कहना है कि माफिया से 500 करोड़ रुपये की संपत्ति जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। इस सूची में ऊधम सिंह, मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह और सुंदर भाटी के अलावा सुनील राठी, राजन तिवारी, गुड्डू सिंह, सुभाष ठाकुर, सुधाकर सिंह, देवेंद्र सिंह, पूर्व सांसद रिजवान जहीर, हाजी इकबाल, अनिल दुजाना, सुनील राठी और अनुपम दुबे आदि के नाम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह चुके हैं कि माफिया को मिट्टी मे मिला देंगे और प्रदेश को माफिया मुक्त बना कर रहेंगे। आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च 2017 से अब तक पुलिस और बदमाशों के बीच 10,933 मुठभेड़ हो चुकी हैं। इनमें 183 कुख्यात अपराधी और 13 पुलिस कर्मचारी मारे जा चुके हैं। इन मुठभेड़ों में 23 हजार से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री की प्रदेश को माफिया मुक्त बनाने की मंशा का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि आज जितने अपराधी माफिया बन चुके हैं, वे एक दिन की उपज नहीं हैं। इनका साम्राज्य (अवैध कारोबार, रंगदारी, दबंगई, अवैध कब्जा इत्यादि) राजनेताओं के संरक्षण और अधिकारियों की शह पर ही मजबूत हुआ है। यह बात भी सोलह आने खरी है कि अधिकारियों एवं राजनेताओं ने यह काम मुफ्त में नहीं किया होगा। उन्होंने इसके बदले मोटी कमाई की है। कहने का आशय है कि असली माफिया तो वे ब्यूरोक्रेट एवं राजनेता हैं, जिन्होंने ऐसे लोगों को पल्वित और पुष्पित किया। जिन अधिकारियों और नेताओं की सक्रियता एवं कार्यकाल में माफिया ने अपने कारोबार को चमकाया, ऐसे लोगों की सूची बनाकर उनकी संपत्तियों की स्कैनिंग की जानी चाहिए। बहुत कम ऐसे आईएएस और आईपीएस अधिकारी हैं जिनकी बेनामी संपत्तियों को अब तक खंगाला गया है। सपा कार्यकाल में एक चर्चित आईएएस अधिकारी और प्रदेश के पूर्वमंत्री बाबू सिंह कुशवाहा की बेनामी संपत्तियों की जांच में करोड़ों रुपये की हेराफेरी की बात पहले ही सामने आ चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी कह चुके हैं कि माफिया को मिट्टी मे मिला देंगे और प्रदेश को माफिया मुक्त बना कर रहेंगे। आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च 2017 से अब तक पुलिस और बदमाशों के बीच 10,933 मुठभेड़ हो चुकी हैं।

माफिया के खिलाफ

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : आनंद सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

आज मजदूर आंदोलनों की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा

दुनिया के कई देशों में भूमंडलीकरण व्यापने के बावजूद मजदूर दिवस सरकारी छुट्टी का दिन है लेकिन अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के संस्थापक सदस्य भारत में ऐसा नहीं है। और तो और, इस देश में ऐसी कोई परंपरा भी नहीं बन पाई है जिससे मजदूरों के संदेशों को दूसरी नहीं तो कम से कम उनकी अपनी जमातों तक पहुंचाया जा सके। ऐसे दुर्दिन में मजदूर दिवस पर कोई भी सार्थक बातचीत उसके सामान्य परिचय के बिना नहीं हो सकती।

तथ्यों के अनुसार उन्नीसवी शताब्दी के नौवें दशक तक मजदूर अत्यंत अल्प और अनिश्चित मजदूरी पर सोलह-सोलह घंटे काम करने को अभिशप्त थे। 1810 के आसपास ब्रिटेन में उनके सोशलिस्ट संगठन 'न्यू लेनार्क' ने राबर्ट ओवेन की अगुआई में अधिकतम दस घंटे काम की मांग उठाई और उसके छह-सात सालों बाद आठ घंटे काम पर जोर देना शुरू किया तो नारा था-आठ घंटे काम, आठ घंटे मनोरंजन और आठ घंटे आराम। उसके संघर्षों के बावजूद 1847 तक मजदूरों की राह सिर्फ इतनी आसान हो पाई थी कि इंग्लैंड के महिला व बाल मजदूरों को अधिकतम दस घंटे काम की स्वीकृति मिल गई थी।

ऑस्ट्रेलिया में 21 अप्रैल, 1856 को स्टोनमेंशन और मेलबर्न के आसपास के बिल्डिंग कर्मचारियों ने आठ घंटे काम की मांग को लेकर हड़ताल और मेलबर्न विश्वविद्यालय से पार्लियामेंट हाउस तक प्रदर्शन किया तो 1866 में जेनेवा कन्वेंशन में इंटरनेशनल वर्किंग मेंस एसोसिएशन ने भी इस हेतु अपनी आवाज बुलंद की।

लेकिन निर्णायक घड़ी एक मई, 1886 को आई जब अमेरिका के शिकागो में हड़ताली मजदूरों ने विराट प्रदर्शन किया और वहां की पुलिस, नेशनल गार्ड व घुड़सवार दस्ते उनके ऐसे बर्बर दमन पर उतर आये कि शिकागो की धरती रक्त से लाल हो गई। तभी से उस संघर्ष की याद में हर साल एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

इस रूप में यह दिन श्रम को पूंजी की सत्ता से मुक्ति दिलाने, उसकी गरिमा को पुनर्स्थापित करने और शोषण के विरुद्ध संघर्ष की चेतना जगाने का है। बताना गैरजरूरी है कि इसके मूल में कार्लमार्क्स व फ्रेडरिक एंगेल्स का वह दर्शन है, जिसमें श्रम को मानव समाज के निर्माण की मूल प्रेरणा व संचालक शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है और उसके व्यक्तिगत के बजाय सामाजिक स्वरूप पर जोर दिया जाता है।

चूंकि इस वक्त मजदूरों के साथ इस दर्शन का भी हाल बुरा है, कुछ उसके पैरोकारों द्वारा स्थितियों के आकलन में की गई गलतियों और कुछ आत्मावलोकन से परहेज के चलते, इसलिए इस देश में भूमंडलीकरण के चोले में आई नवउपनिवेशवादी नीतियों के 'सफल' पच्चीस सालों बाद सयाने लोग कहते हैं कि अब जब पूंजीवाद और साम्राज्यवाद के एकजुट प्रत्याक्रमण ने ऐसी स्थितियां पैदा कर दी हैं कि मजदूरों के पुराने कौशल बेकार हो गये, न वे श्रमिक रहे, न वह श्रमिक एकता और कथित रूप से कुछ ज्यादा ही कुशल श्रमिकों का एक हिस्सा अपनी निजी उपलब्धियों व महत्वाकांक्षाओं के फेर में पड़कर योग्यता व प्रतिस्पर्धा में नाम पर मजदूर आंदोलन के मूल्यों से गद्दारी पर आमादा है, इस दिवस का क्या औचित्य है? कहां तो कार्ल मार्क्स ने 'दुनिया के मजदूरों एक हो' का नारा दिया और कहा था कि उनके पास खोने को सिर्फ बेड़ियां हैं जबकि

जीतने को सारी दुनिया और कहां उन्मत्त पूंजी दुनिया भर में उपलब्ध सस्ते श्रम के शोषण का नया इतिहास रचने पर आमादा है।

विश्वव्यापी नवऔपनिवेशिक व्यवस्था के आधारस्तम्भों-विश्वबैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष व विश्व व्यापार संगठन के बढ़ते दबावों के बीच अनेक पिछड़े देशों की लोकतांत्रिक ढंग से चुनकर आने और लोकप्रिय होने का दावा करने वाली सरकारें भी उस उदारीकरण की राह पर चल पड़ी हैं, जो मुनाफाखोर कंपनियों को छोड़ हर किसी के लिए अनुदार है।

अब ये सरकारें अपने मेहनतकश नागरिकों की अनदेखी करके आर्थिक सुधारों के नाम पर श्रमिक हितों के बंटाधार और निवेशकों को अंधाधुंध सहूलियतों वाली आर्थिक नीतियों की निर्लज्ज अनुगामिनी बन गई हैं।

भारत की नरेंद्र मोदी सरकार इसका सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। इतना ही नहीं, श्रमिक एकता तोड़ने के लिए दुनिया भर में व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए ही श्रम करने पर जोर है और उस सोच को सिरे से खत्म किया जा रहा है, जो समाज के लिए श्रम करने और सामूहिकता की प्रवृत्ति के विकास में सहायक हो। इस आईने में देखें तो मजदूर आंदोलनों के विपर्यय और अवसान के अंदेशे बहुत परेशान करते हैं। उनके नेतृत्वों की समझदारी और रणनीतिक व सांगठनिक कौशलों पर सवाल उठाने का भी मन होता है। लेकिन कोई यह कहे कि इस एक पराजय से मजदूरों की एकता या उनके आंदोलनों की प्रासंगिकता ही खत्म हो गयी है तो उससे सहमत नहीं हुआ जा सकता।

क्योंकि आज भी न वर्गसंघर्षों का इतिहास बदला है, न श्रम, उत्पादन व पूंजी का मूल संबंध। आज जब अनेकानेक विभाजनों से मजदूरों की एकता तोड़कर उन्हें नए अत्याचारों व असुरक्षाओं के हवाले किया जा रहा है, प्रगतिशील और क्रांतिकारी मजदूर आंदोलनों की पहले से ज्यादा आवश्यकता है।

अगर कोई पूछता है कि क्या जुल्मतों के दौर में भी गीत गाये जायेंगे, तो उसे जवाब भी सुन लेना चाहिए कि-हां, जुल्मतों के दौर में ही गीत गाये जायेंगे।

अलबत्ता, इस वक्त मजदूर आंदोलनों को आत्मावलोकन की बहुत सख्त जरूरत है। समझने की कि उनसे सबसे बड़ी गलती यह हुई है कि उन्होंने समाजवादी दर्शन की उन उम्मीदों को नाउम्मीद कर डाला है जिनके तहत समझा गया था कि मजदूर संगठन क्रांतिकारी सामाजिक परिवर्तनों की अगुआई करने वाले हिरावल दस्ते के रूप में काम करेंगे।

इसके उलट उन्होंने खुद को मजदूरों, खासकर संगठित मजदूरों की चिंता तक सीमित कर लिया और उसी दृष्टि से अपनी उपलब्धियों का आकलन करने लगे। यह तक देखने की दूरदेशी नहीं अपनाई कि लगातार विकसित की जा रही टेक्नॉलाजी आगे चलकर उत्पादन में विशिष्ट श्रम की भूमिका घटा या बदल देने वाली है। जाहिर है कि मजदूरों व उनके आंदोलनों दोनों का भविष्य इस पर निर्भर होगा कि वे अपनी पुरानी गलतियों से सबक सीखेंगे या नहीं?

सबक सीखना हो तो शंकरगुहा नियोगी की यह सीख तो उन्हें माननी ही चाहिए कि मजदूर संगठन सिर्फ आठ नहीं, चौबीस घंटों के लिए होने चाहिए।

प्रसंगवश, नियोगी ने अपने संगठन के 17 विभाग बनाये थे-ट्रेड यूनियन, किसान, शिक्षा, बचत, स्वास्थ्य, खेलकूद, नशाबंदी, संस्कृति, मुहल्ला सुधार, महिला, मेस, कानून, पुस्तकालय, पर्चा वितरण, वालंटियर, फालबैक वेजेज और भवन निर्माण। मजदूरों की ऐसी बहुआयामी सक्रियता के बगैर यह वस्तुस्थिति बदलने वाली नहीं कि अभी भी अनेक कंपनियां दस-दस बारह-बारह घंटे काम के टाइमटेबल पर चल रही हैं और बड़े संघर्षों से हासिल सुरक्षाएं गंवाकर बर्खास्तगी व छंटनी आदि से डरे मजदूर उन्हें झेल रहे हैं। कही ठेके पर मजदूरी को मजबूर हैं और कहीं वीआरएस लेकर घर बैठ जाने को। ऐसा इसलिए है कि निरंकुश बड़ी पूंजी के एकतरफा भूमंडलीकरण जहां अपने देयर इज नो आल्टरनेटिव (यानी उसका कोई विकल्प नहीं है) के प्रचार के सहारे अपनी जड़ें लगातार गहरी करता जा रहा है, वहीं उसके इतने सालों बाद भी श्रम के भूमंडलीकरण की कोई चर्चा ही नहीं है। मजदूर संगठन हैं कि समझ ही नहीं पा रहे कि निर्बंध पूंजी के बरक्स निर्बंध श्रम की मांग के लिए यही सबसे उपयुक्त समय है।

❖ कृष्ण प्रताप सिंह

काव्य कोना

सोच का खेल

छायाचित्र में मुस्कुराहट देख कर
दिल ही दिल में दिल खो दिया।
हाय रे तौबा मेरी तौबा उस बनावट की
हकीकत कोसों दूर रह गई।

बहाना बना कर एकबार यूँ भी
कर ही दिया प्रशंसा उस सौंदर्य का।
व्योम में दिखा एक खुबसूरत सितारा
कम से कम वो छलावा तो नहीं ।

तटस्था का खेल कहीं भी कभी भी संभव कहाँ
निरपेक्ष और सापेक्ष में तकरार क्यों - कैसे
समझ का ही फेर है, शक्ति से इन्कार कैसे
फिर भी सोच के खेल में
काल के कालचक्र से क्या पूछें
लेना देना कालचक्र ही जाने।

❖ नाग मणि

म्यूजिक थेरेपी से होगा रोगों का उपचार

'भैरवी से ब्लड प्रेशर व साइनस, मालकौंस से तनाव, कान्हड़ा से अस्थमा, तोड़ी से सिरदर्द व क्रोध दूर करें'

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अब मानसिक बीमारियों का इलाज मनोविज्ञान विभाग के संगीत लैब / म्यूजिक थेरेपी लैब में होगा। सेंटर फॉर वेल बीइंग के तहत देश की पहली संगीत लैब शुरू हुई है। इसमें पहले चरण में विश्वविद्यालय के अध्यापक, छात्र व कर्मचारियों के लिए संगीत की थेरेपी शुरू होगी। इससे अवसाद, तनाव सहित अन्य मानसिक बीमारियों का इलाज हो सकेगा। इस केंद्र की शुरूआत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत हुई है। विश्वविद्यालय के पीजी डिप्लोमा इन साइकोथेरेपी काउंसलिंग एंड गाइडेंस, स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सभी विद्यार्थियों को परामर्श, संगीत चिकित्सा आदि का कौशल भी सिखाया जाएगा। मन को सुकून देने में हर राग का अलग-अलग महत्व है। सुबह के समय राग भैरवी, दोपहर में तोड़ी और शाम को राग जय-जयवंती का अलग ही प्रभाव है। संगीत थेरेपी से रक्तचाप, दिल की बीमारियों, थकान और तनाव में राहत के साथ-साथ एकाग्रता भी बढ़ती है। हर राग, ताल और संगीत में रोग को मिटाने की क्षमता होती है। यदि रात में नींद न आए तो मधुर संगीत सुनें। इस केंद्र में मरीजों का इलाज विशुद्ध शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत और लोक संगीत के साथ ही बॉलीवुड के शास्त्रीय रागों पर आधारित संगीत से किया जाएगा।

❖ आरपी सिंह

राग व उपचार

पूरिया धनाश्री : अनिद्रा
मालकौंस : तनाव
शिवरंजनी : मन को सुखद अनुभूति
मोहिनी : आत्मविश्वास बढ़ाता है
भैरवी : ब्लड प्रेशर और तंत्रिका तंत्र पर नियंत्रण
पहाड़ी : स्नायु तंत्र को बेहतर
दरबारी कान्हड़ा : तनाव दूर
अहीरभैरव व तोड़ी : उच्च रक्तचाप
कान्हड़ा : अस्थमा
भैरवी : साइनस
तोड़ी : सिरदर्द व क्रोध

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
चरवाणी: 73 8657 8657

मतलब की दुनिया

कहते हैं किसी से काम लेना हो तो पहले उसका मूड देख लेना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया के मार्केट में केवल शेयर ही नहीं सूरतें भी लुढ़कते हैं। हमारे मित्र बदनसीबलाल का मूड़ आज बहुत अच्छा है। जैसे ही मैं उनके यहाँ गया मुझे नाश्ता-वाश्ता करवाया और अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बोले - आज सुबह तुमने जंतर-मंतर की रैली वाली बात कर के मेरा दिल जीत लिया। आज मेरी सभी मुरादें पूरी होंगी। मैंने कहा झ अरे यार! तुम आदमी हो कि पैजामा? आज सूरज कहाँ से निकला है? मैं इससे पहले जब कभी रैलियों के बारे में कुछ कहता तुम भड़क जाते। भाषण देना शुरू कर देते कि यह रैली-वैली सब बेकार है। बड़े लोगों के टाइमपास करने का शगल और अपच को पचाने का बहाना है। और आज तुम्हीं रैलियों का नाम सुनकर विजयी स्वतंत्र उम्मीदवार की तरह नाच रहे हो। तबीयत तो ठीक है न? कहूँ तो डॉक्टर को बुला दूं। बदनसीबलाल अपनी उफान मारती खुशी से चहक उठे और कहने लगे झ्र तुम्हें क्या पता रैलियों का सुख। इसके लिए भोगी बनना पड़ता है। वह भी सताने वाले लोगों का। रैली में अभिनेता या क्रिकेटर आते तो मैं नहीं जाता। आज जो आ रहे हैं उनसे मेरा गहरा नाता है। मेरी दुखती रग का वही इलाज हैं। वहां आने वालों को बखूबी पता है कि जंतर-मंतर कोई जलियांवाला बाग तो है नहीं कि उन्हें जनरल डायर भून देंगे। वे तो ऐसे हैं जनरल डायरों को अपनी बगल में दबाए घूमते हैं। अच्छा हुआ जनरल डायर अब नहीं रहा, अगर वह होता तो आज उसका जलियांवाला बाग हो जाता। जो भी हो आज मैं इस रैली में उन लोगों से मिलूंगा जिनसे मुझे मिलने की एक अरसे से इच्छा थी। पता भी है यहाँ जनहित के बारे में बात करने वाले कैसे-कैसे लोग आते हैं?

'जानते भी हो वहाँ कौन-कौन आते हैं'

'क्या नयी बात है ? स्वाभाविक है। तू तो हर शादी में फोटो खिंचाने को आगे-आगे भागता है। बेटा, भ्रष्टाचार के विरोध में अगर सारे भ्रष्टाचारी फटाफट जाकर तख्त पर आगे-आगे बैठ जाते हैं तो यह भी उनके भ्रष्टाचार का ही विस्तार है।

'ऐसी-तैसी करा। वैसे करना क्या है आज तुझे ?'

'बैंक की पेटी में चौक डाला था, खो गया। उसका पता करना है। एक उद्योगपति जिसे भरत-रत्न मिलने की पूरी उम्मीद है, की कंपनी ने मेरी सिक्योरिटी मार ली है। उसपर केस डाला है, वहां जाना है। एक कोरियर वाले ने पैसे ज्यादा लेकर भी कोरियर नहीं पहुंचाया, वहां जाना है। एक पड़ोसी जो शायद तुझे वहीं बैठा मिलेगा, मेरे कोर्टयार्ड के बराबर में नाजायज कमरा बना रहा है, उस सिलसिले में वकील के पास जाना है, एक संपादक ने स्वीकृत रचना तीन साल बाद लौटा दी, उससे बात करनी है, एक बिना मीटर के पड़ोसी ने तार हमारे कनेक्शन में डाल दिया था, उसके पैसे हमारे बिल में लगकर आ गए, उसका निपटारा कराना है, जल विभाग ने बिल में हजार रुपए ज्यादा लगाके भेज दिए हैं वहां जाना है, प्रोपर्टी टैक्स का झूठा नोटिस आया हुआ है वहां जाना है..

'हो सकता है ये सब तुझे वहीं बैठे मिल जाएं!'

'वहां नहीं तो और कहां मिलेंगे।'

ओ बस कर यार ! यही करता रहता है कि कुछ काम भी करता है ?

यही करता है। काम तू कर ना। जाके दर्ज हो इतिहास में, तुझे क्या रोक रहा हूं?

'तू भी यही करता रह। पर एक बात बता दूं, इतिहास में कभी दर्ज नहीं हो पाएगा।'

'अरे, मेरे पास टाइम नहीं दर्ज होने का। तू जा ना। एक बात बता, कोई सारी जिंदगी भ्रष्टाचार से लड़ता रहा हो पर वो इस आंदोलन में न जा पाए, तो क्या उसका सारा किया-धरा, अनकिया हो जाएगा!?'

'फिर वही बेवकूफी की बातें!'

'मैं तो ऐसी ही बातें करता हूं, तू निकलता क्यों नहीं!?'

'हां, ठीक है, जाता हूं।'

'ठीक है।' ठीक है तो ठीक है।

सूडोकु नवताल- 6686

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6685 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

दैनिक पंचांग

01 मई 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

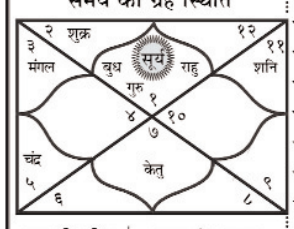

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.19 बजे से
चंद्र	सिंह में	मिथुन	08.17 बजे से
मंगल	मिथुन में	कर्क	10.30 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.47 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	14.58 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.09 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.24 ब.से
राहु	मेष में	धनु	21.40 बजे से
केतु	तुला में	मकर	23.45 बजे से
		कुंभ	01.32 बजे से
		मीन	03.04 बजे से
		मेष	04.35 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2023 वर्ष का 121 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
वक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 22.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 17.51 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 11.44 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 09.23 बजे तदनन्तर विष्टि 22.10 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 10.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 56'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871600
जूलियन दिन 2460065.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना सव्वाल **तारीख** 10
विशेष मोहिनी एकादशी, महाराष्ट्र व गुजरात स्थापना दिवस, अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22	बजे तक	चर	05.43 से	07.14	बजे तक
काल	07.22 से	08.50	बजे तक	रोग	07.14 से	08.45	बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19	बजे तक	काल	08.45 से	10.17	बजे तक
रोग	10.19 से	11.48	बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48	बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17	बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19	बजे तक
चर	01.17 से	02.45	बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51	बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14	बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43	बजे तक	चर	04.22 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

शब्द पहेली - 7749

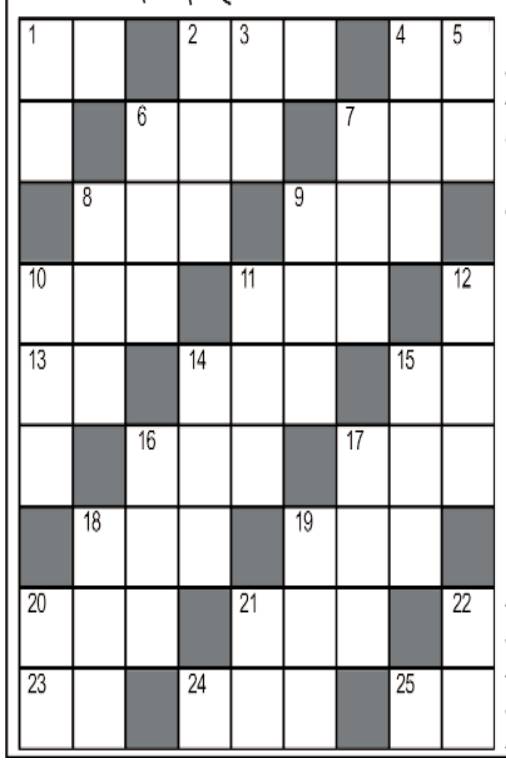

बाएँ से दाएँ

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े की दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. इंकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. ठंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध नो हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -7748 का हल

र	ब		ह	सौ	न		रा	य
न	हा	ना		मा	र	ना		म
	र	च	ना		क	पा	स	
रा		ना	का	रा		क	र	ना
य	ध		म	ह	री		ल	य
न	र	ग		त	स	ला		क
	ती	स	रा		ना	य	क	
रा		का	य	र		क	हा	री
ह	त्या		ता	म	रा		र	म

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार को विकसित करने की ओर अधिक ध्यान देंगे। नई योजनाएं और विचारधारा की नवीनता से व्यापार प्रगति की दिशा में अग्रसर होने लगेगा।

वृष राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। खान-पान पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल देने पर हताशा से उबर पाएंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी के साथ भावनात्मक संबंध से बंध सकते हैं और उस संबंध में आज कुछ अधिक भावनाशील रहेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और आर्थिक लाभ होगा। व्यापार के विस्तार की नई योजनाएं शुरू कर सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगी। कारोबार में समय अनुकूल रहेगा और आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार में विकास होने से मन में आनंद छाया रहेगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायी रहेगा। कारोबार में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

तुला राशि : आज का दिन व्यवसायियों के लिए अनुकूल है। कारोबार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। वाणी पर संयम रखने से अन्य लोगों के साथ मनमुटाव के प्रसंगों को टाल सकेंगे। आध्यात्मिक विचार और प्रवृत्तियों में दिनभर मन लगा रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में अनुकूल वातावरण मिलने के योग बन रहे हैं। आज का प्रत्येक कार्य बिना विघ्न के संपन्न होगा। गृहस्थ जीवन में उग्र वातावरण बना रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहेगी, कठिन परिश्रम से कार्य फसल होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे तथा धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं।

कुंभ राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में भी लाभ होगा। शेयर और प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति छाई रहेगी।

मीन राशि : आज का दिन लाभदायी है। कार्यक्षेत्र में अच्छा माहौल रहेगा और व्यापार-व्यवसाय में अपेक्षित सफलता मिलने की संभावना रहेगी। आकस्मिक धनलाभ से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

लखनऊ के खिलाफ आरसीबी को मध्यक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी। लखनऊ

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में अपने मध्यक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। विराट कोहली, फाफ डुप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल की मौजूदगी में आरसीबी के शीर्ष क्रम ने अब तक आठ मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन मध्यक्रम टीम का कमजोर पक्ष साबित हुआ है। कोहली, डुप्लेसिस और मैक्सवेल से प्रत्येक मैच में टीम को जिताने की उम्मीद नहीं की जा सकती और समय आ गया है कि महिपाल लोमरोर, शाहबाज अहमद और दिनेश कार्तिक जैसे बल्लेबाज भी प्रभावी प्रदर्शन करें। आरसीबी के क्षेत्ररक्षण में भी सुधार की गुंजाइश है और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बाद कोहली भी इस ओर इशारा कर चुके हैं। डुप्लेसिस

के पूर्ण फिटनेस हासिल नहीं करने तक पूर्व भारतीय कप्तान कोहली टीम की अगुआई करते रहेंगे। आरसीबी की टीम डुप्लेसिस का इस्तेमाल 'इंपेक्ट प्लेयर' के रूप में कर रही है। आरसीबी के लिए मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी की है और उन्हें अन्य तेज गेंदबाजों से समर्थन की जरूरत है। हर्षल पटेल को मुश्किल समय के दौरान गेंदबाजी की जिम्मेदारी दी जा रही है लेकिन उन्हें 9.94 के अपने इकोनॉमी रेट में सुधार करना होगा। दूसरी तरफ लखनऊ की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ी जीत के बाद इस मुकाबले में उतरेगी। पंजाब के खिलाफ बल्लेबाजी प्रदर्शन दशार्ता है कि जब काइल मायर्स, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाज लय में हों तो कोई भी स्कोर हासिल किया जा सकता है। कप्तान लोकेश राहुल हालांकि दबाव में हैं और लखनऊ के घरेलू मैदान पर छाप छोड़ना चाहेंगे। लखनऊ की पिच ने हालांकि निराश किया है और यह घरेलू टीम के मजबूत पक्षों के अनुसार नहीं है। मोहाली में बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों ने ढेरों रन बटोरे लेकिन यहां धीमी पिच पर उन्हें जूझना पड़ रहा है। राहुल और उनकी टीम को हालांकि पिछले घरेलू मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जब टीम अच्छी स्थिति में होने के बावजूद 136 रन के लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही थी। स्पिनरों ने लखनऊ की पिच पर गेंदबाजी का लुत्फ उठाया है और रवि बिश्नाई ने अनुभवी अमित मिश्रा के साथ मिलकर टीम के लिए जिम्मेदारी उठाई है। मार्क वुड की गैरमौजूदगी में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने प्रभावित किया। आवेश खान ने सात मैच में लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे।

टीम इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स : लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कृणाल पंड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई और मयंक यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, आकाश दीप, फिन एलेन, अनुज रावत, अविनाश सिंह, मनोज भांडगे, माइकल ब्रेसवेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, सिद्धार्थ कौल, महिपाल लोमरोर, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज, वेन पार्नेल, हर्षल पटेल, सुयश प्रभुदेसाई, राजन कुमार, शाहबाज अहमद, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, सोनू यादव, विजयकुमार वैशाक और डेविड विली।

एशिया रग्बी डिवीजन 2 चैंपियनशिप

कतर, कजाकिस्तान का सामना करेगा भारत

एजेंसी। मुंबई

विकास खत्री के नेतृत्व वाली भारतीय रग्बी पुरुष टीम एस्पायर वार्मअप ट्रैक फील्ड, डिवीजन 2 में कतर और कजाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। यह टूर्नामेंट दोहा, कतर में रविवार से शुरू हो रहा है। इस साल के अंत में डिवीजन 2 प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए तीन टीमें 30 अप्रैल से 6 मई 2023 तक राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारतीय पुरुष रग्बी टीम के प्रमुख कोच नास बोथा ने कहा, हम वास्तव में कतर में टूर्नामेंट के लिए उत्सुक हैं। हमने कतर और कजाकिस्तान को खेलते देखा है और वे बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित और प्रबंधित टीम हैं और हम जानते हैं कि यह बेहद कठिन होने वाला है लेकिन यह भारत के खिलाड़ियों के लिए एक शानदार अवसर है। हम सभी इसके लिए उत्सुक हैं और हम और इंतजार नहीं कर सकते। भारतीय टीम ने नवंबर 2022 में रवींद्र सरोबर स्टेडियम, कोलकाता में आयोजित एशिया रग्बी डिवीजन 3 - साउथ रीजन टूर्नामेंट में क्रमशः बांग्लादेश और नेपाल को क्रमशः 82-0 और 86-0 से हराकर डिवीजन 2 के लिए क्वालीफाई किया। डिवीजन 2 में खेलने से भारतीय टीम को एशिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपनी ताकत साबित करने का मौका मिलता है और यह रग्बी इंडिया के रोडमैप में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस चैंपियनशिप के विजेताओं को अत्यधिक प्रतिष्ठित डिवीजन 1 में पदोन्नति के लिए खेलने और एशिया में रग्बी टीमों के एलीट समूह का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

NEWS इन ब्रीफ

युवराज ने रोहित को 36वें जन्मदिन पर दी बधाई

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय आलराउंडर युवराज सिंह ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उनके 36वें जन्मदिन पर रविवार को बधाई दी। युवी ने कहा कि मुम्बई इंडियंस के कप्तान को गर्व होना चाहिए कि उन्होंने कितना लम्बा सफर तय किया है। रोहित 30 अप्रैल 2023 को 36 साल के हो गए। वह एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। वनडे विश्व कप विजेता ने ट्विटर पर लिखा, जन्मदिन मुबारक भाई, टीम में एक युवा खिलाड़ी, जब हम पहली बार मिले थे, से लेकर अब टीम का नेतृत्व करने तक, आपने अच्छा किया है।

पांचवें स्थान पर खिसकीं गोल्फर अदिति अशोक

लॉस एंजिल्स। भारत की स्टार महिला गोल्फर अदिति अशोक विल्शेयर कंट्री क्लब में एलए चैंपियनशिप के तीसरे दौर में संयुक्त 5वें स्थान पर खिसक गईं हैं। अदिति, जिन्होंने पहले दो दिनों में 66-70 का स्कोर किया और शीर्ष पर रहीं, ने तीन राउंड में 1-ओवर 72 का स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर 5-अंडर का रहा और नई लीडर चेयेन नाइट से चार शॉट पीछे हो गईं।

कश्यप ने वेटरंस राष्ट्रीय टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक जीता

जालंधर। असम के अनिल कश्यप ने रविवार को यहां भारतीय रिजर्व बैंक के सुधीर केसरवानी को हराकर 29वीं राष्ट्रीय मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप में 40 वर्ष से अधिक वर्ग का पुरुष एकल खिताब जीता। कश्यप ने केसरवानी को सीधे गेम में 11-6, 11-4, 11-8 से हराया।

आखिरी गेंद पर सिकंदर ने पलटी बाजी, 3 रन लिया, जिताया मैच

एजेंसी। नई दिल्ली

रविवार को आईपीएल 2023 के 41वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मैच में 4 विकेट से मात दी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 201 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में पंजाब किंग्स ने यह लक्ष्य आखिरी गेंद पर जीत लिया। पंजाब को आखिरी ओवर में 9 रनों की जरूरत थी। ओवर की पहली गेंद पर सिकंदर रजा ने 1 रन भागा और दूसरी गेंद पर शागरूख खान ने बाय का एक रन भाग लिया। इसकी अगली गेंद पर रजा कोई रन नहीं बना पाए, लेकिन इससे अगली दों गेंदों पर रजा ने 2-2 रन दौड़कर पूरे किए। अंतिम गेंद पर 3 रन चाहिए थे और रजा ने गैप में गेंद खेलकर तीन रन दोड़कर पंजाब को जीत दिलाई। पंजाब की ओर से लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 24 गेंदों में 42 रन बनाए, जबकि कप्तान शिखर धवन ने 15 गेंदों में 28 रन की पारी खेली। इसके बाद अथर्व तायडे ने 17 गेंदों में 13 रन और लियाम लिविंगस्टोन ने 24 गेंदों में 40 रन बनाए। सैम करन ने 20 गेंदो में 29 और जितेश शर्मा 10 गेंदों में 21 रनों की पारी खेली। अंत में शाहरूख खान ने नाबाद 2 और सिकदर रजा ने नाबाद 13 रन बनाए।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाए थे। चेन्नई की इस धीमी, सूखी और कम उछाल वाली पिच पर डेवॉन कॉनवे ने 52 गेंदों में 16 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 92 रनों की पारी खेली। कॉनवे के अलावा रुतुराज गायकवाड़ ने 31 गेंदों में 37 रनों की पारी खेली। वहीं शिवम दुबे 17 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। मोईन अली 10 और रविंद्र जडेजा 12 रन बनाकर चलते बने। अंत में कप्तान एमएस धोनी ने 4 गेंदों में नाबाद 13 रन बनाए। पंजाब की ओर से गेंदबाजी में सैम करन, अर्शदीप सिंह, राहुल चाहर और सिकंदर रजा चारों गेंदबाजों ने 1-1 विकेट हासिल की।

जायसवाल का शतक, राजस्थान ने खड़ा किया 200 से ऊपर का स्कोर

मुंबई। आईपीएल 2023 का 42वां मैच आज मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल की शतकीय पारी के बदौलत राजस्थान ने 213 रनों का लक्ष्य रखा है। राजस्थान के लिए ओपनिंग करने आए जायसवाल ने 62 गेंदों में 16 चौके और 8 छक्कों की मदद से 124 रन बनाए। जायसवाल के अलावा राजस्थान का ओर कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया। जोस बटलर 18 रन और कप्तान संजू सैमसन 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पाडिकल 2, जेसन होल्डर 11, शिमरोन हेटमायर 8 और ध्रुव जुरे 2 रन बनाकर चलते बने। अंत में रविचंद्रन अश्विन ने नाबाद 7 रनों की पारी खेली।

दिल्ली पुलिस ने सात महिला पहलवानों को सुरक्षा मुहैया कराई

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली सभी सात महिला पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने रविवार को सुरक्षा मुहैया कराई। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को सिंह पर आरोप लगाने वाली पीड़िताओं को उचित सुरक्षा मुहैया कराने को कहा था। दिल्ली पुलिस ने सभी महिला पहलवानों को भी जांच में शामिल होने और 161 सीआरपीसी के तहत अपने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है, ताकि वे भविष्य की कार्रवाई तय कर सकें। सूत्रों ने बताया कि एक-दो दिन में महिला पहलवान दिल्ली पुलिस के कनॉट प्लेस पुलिस थाने आकर अपना बयान दर्ज करा सकती हैं। शनिवार को सिंह के खिलाफ दर्ज दो एफआईआर में से एक की कॉपी शीर्ष पहलवानों को सौंपी गई, जो यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही हैं। पुलिस ने कहा कि हालांकि, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी की प्रति पहलवानों को नहीं दी गई है।

मेरे इस्तीफा देने से अगर खिलाड़ी घर चले जाएं, आराम से सोएं तो कोई दिक्कत नहीं:सिंह

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पहलवानों का विरोध प्रदर्शन राजनीति है। सिंह ने कहा कि पहलवान कांग्रेस और विपक्षी दलों के हाथों का खिलौना बन गए हैं। इस्तीफा उनका उद्देश्य नहीं है, उनका उद्देश्य राजनीति है। सिंह ने कहा कि वो डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को तैयार हैं, अगर इससे प्रदर्शन खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है, जैसा कि बजरंग पुनिया ने दावा किया है। बृजभूषण शरण सिंह का ये बयान उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों और दो एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद आया है। उन्होंने कहा कि मेरे इस्तीफा देने से अगर पहलवान घर चले जाते हैं, आराम से सोते हैं तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है।

राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियनशिप रोड स्पीड स्केटिंग की मेजबानी करेगा झारखंड

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के खेलगांव मेगा स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहली बार झारखंड की मेजबानी में एक जून से पांच जून तक चौथा नेशनल रैंकिंग चैंपियनशिप रोड स्पीड स्केटिंग का आयोजन होगा। रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष विकास सिंह ने बताया कि नेशनल स्तर के आयोजन में लगभग 1200 खिलाड़ियों की भागीदारी की संभावना है। इनमें 50 खिलाड़ी झारखंड के भी होंगे। अभी इस खेल में झारखंड के 450 रजिटर्ड खिलाड़ी है। इनका प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के इस आयोजन मे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के 30 से अधिक रेफरी एवं तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। प्रस्तावित खेलों में क्वाड एवं इन लाइन की प्रतियोगिताएं होंगी, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के बालक एवं बालिका (5-7 ,7-9, 9-11, 11-14, 14-17 एवं 17 आयु वर्ग) भाग लेंगे। साथ ही 35 आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला मास्टर्स भी भाग लेंगे। खिलाड़ियों को रहने, खाने और आने- जाने की व्यवस्था अपने स्तर पर करना होगा। हालांकि फेडरेशन खेलगांव के 3 किलोमीटर के इर्द-गिर्द रहने-खाने की व्यवस्था की कोशिश कर रहा है। झारखंड रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि रांची के खेलगांव मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परिसर में एशिया का पहला स्केटिंग स्टेडियम बन रहा है, जहां स्केटिंग के सारे इवेंट एक ही परिसर में आयोजित होंगे।

फखर जमान का लगातार तीसरा शतक, पाक को 2-0 की बढ़त

रावलपिंडी। फखर जमान के लगातार तीसरे वनडे शतक से पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट से रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की और पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। फखर ने नाबाद 180 रन की अपनी बेहतरीन पारी में 17 चौके और छह विशाल छक्के लगाए। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के 336/5 के बड़े स्कोर का 10 गेंद शेष रहते सफलतापूर्वक पीछा कर लिया। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे। फखर लगातार तीन वनडे शतक बनाने वाले पाकिस्तान के चौथे बल्लेबाज बने और साथ ही सबसे तेज 3000 वनडे रन पूरे करने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए। पाकिस्तान का 337/3 का स्कोर पाकिस्तान पुरुष टीम का चौथा सर्वाधिक स्कोर है और लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरा सर्वाधिक स्कोर।

आईपीएल 2023 | हैदराबाद के खिलाफ मिली हार पर मिचेल मार्श ने कहा

हमें टीम पर भरोसा, वापसी करेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

शनिवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करीबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को नौ रन से हार का सामना करना पड़ा। 198 के लक्ष्य का पीछा करते हुए, दिल्ली की टीम नौ रन पीछे रह गई। मैच के बारे में बात करते हुए, मिचेल मार्श, जिन्होंने पहले 4 विकेट लिए और फिर 39 गेंदों पर 63 रनों की शानदार पारी खेली, ने कहा, मैच के इतने नजदीक पहुंचकर हारना निराशाजनक था। हम हमेशा इस बारे में बात करते हैं। टी20 क्रिकेट में शायद कुछ ऐसे क्षेत्र थे जहां हमने खुद को नीचा दिखाया लेकिन फिर भी समूह पर गर्व है और टीम में बहुत अधिक विश्वास है। अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने कहा, मैं अपनी गेंदबाजी को बहुत सरल रखने की कोशिश करता हूं। मैं वास्तव में अपनी भूमिका के बारे में स्पष्ट हूं। मैं अपने कटर

और धीमी गेंदों के साथ विकेट का उपयोग अपने फायदे के लिए करने की कोशिश करता हूं। हमेशा टी20 क्रिकेट में थोड़े से भाग्य की जरूरत है, खासकर मेरी भूमिका के साथ। लेकिन थोड़ी सी मेहनत पर अच्छा इनाम भी मिलता है।

फिल सॉल्ट के साथ 112 रनों की ठोस साझेदारी पर मार्श ने कहा, ₹यह फिल के साथ एक महान साझेदारी थी। मैंने उसके साथ पहली बार बल्लेबाजी की और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। इस पूरे टूर्नामेंट में अब तक कई बार हमने शुरूआती विकेट गंवाए हैं, इसलिए हमारे लिए एक मंच स्थापित करने में सक्षम होना अच्छा था, लेकिन दुर्भाग्य से हम सीमा पार नहीं कर सके। लेकिन बल्ले से योगदान देने में सक्षम होना बहुत सुखद था और उम्मीद है कि मैं कुछ और जीत में योगदान दे सकता हूं।

अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करना जारी रखें : जहीर

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2023 में लगातार तीन मैच हारने का क्रम शनिवार रात को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नौ रन की जीत के साथ तोड़ दिया। हैदराबाद ने 197/6 का मजबूत स्कोर बनाने के बाद दिल्ली को 188/6 के स्कोर पर रोककर जीत हासिल की। स्पिनर मयंक मारकंडे ने चार ओवर में 20 रन पर दो विकेट लिए। उनके शिकारों में ओपनर फिल साल्ट शामिल थे जिन्होंने 35 गेंदों में 59 रन की अपनी पारी में नौ चौके लगाए। साल्ट और मिचेल मार्श (39 गेंदों में 63 रन)ने दूसरे विकेट के लिए 112 रन जोड़े। दिल्ली के कप्तान डेविड वार्नर खाता खोले बिना आउट हुए। इस बीच हैदराबाद की तरफ से अभिषेक शर्मा ने 36 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाये। हेनरिक क्लासेन ने 27 गेंदों में 53 रन बनाये। मार्श ने गेंद से हाथ दिखाते हुए 27 रन पर चार विकेट लिए लेकिन दिल्ली जीत से दूर रह गयी। इस जीत से हैदराबाद की टीम आठ मैचों में तीसरी जीत और छह अंकों के साथ तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गयी। जियोसिनेमा के आईपीएल विशेषज्ञ जहीर खान अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि हैदराबाद को उन्हें ओपनिंग में ही रखना चाहिए। जहीर ने कहा, अभिषेक शर्मा को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर ही बल्लेबाजी करनी चाहिए। हालांकि हेनरी ब्रूक ने शतक बनाया है। आईपीएल एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें शीर्ष क्रम पर आपको अपनी गलतियों की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार ने दिया छप्पर फाड़ रिटर्न

आरआईएल और एसबीआई को सबसे अधिक फायदा

एजेंसी। नई दिल्ली
भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला कारोबारी हफ्ता बेहद शानदार रहा। शेयर मार्केट में पूंजीकरण के हिसाब से 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 9 ने अपने मूल्यांकन में 1,84,225.43 करोड़ रुपये की राशि जोड़ी। इसमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हुआ है। केवल हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में ही गिरावट देखने को मिली है। इस दौरान बीएसई का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 1457.38 अंक या 2.44 प्रतिशत बढ़कर 61,112.44 अंक पर बंद हुआ है। बता दें, पिछले हफ्ते बाजार में रैली देखने को मिली थी। बैंकिंग, आईटी और फार्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 48,238.78 करोड़ रुपये बढ़कर 16,37,408.27 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 31,325.39 करोड़ रुपये बढ़कर 5,15,887.19 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 23,472.25 करोड़ रुपये बढ़कर 6,40,949.71 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 21,003.35 करोड़ रुपये बढ़कर 5,28,377.17 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 19,886.94 करोड़ रुपये बढ़कर 11,76,750.92 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 18,874.22 करोड़ रुपये बढ़कर 4,45,509.68 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 10,447.1 करोड़ रुपये बढ़कर 5,19,662.10 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 8,115.33 करोड़ रुपये बढ़कर 9,42,052.68 करोड़ रुपये और एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 2,862.07 करोड़ रुपये बढ़कर 5,09,126.31 करोड़ रुपये हो गया। पिछले हफ्ते हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में गिरावट के कारण कंपनी का बाजार पूंजीकरण 10,244.22 करोड़ रुपये कम होकर 5,76,683.68 करोड़ रुपये हो गया है।

ओआईएल ने एजीसीएल से किया समझौता

एजेंसी। गुवाहाटी
असम गैस कंपनी लिमिटेड (एजीसीएल) और केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) ने शहर में गैस पाइप लाइन बिछाने और असम व त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में प्राकृतिक गैस वितरण नेटवर्क संचालित करने के लिए शनिवार को एक संयुक्त उद्यम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी (जेवीपीएलसी) की स्थापित के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जेवीपीएलसी में असम सरकार के स्वामित्व वाली एजीसीएल की 51 प्रतिशत इक्विटी होगी, जिसमें ओआईएल शेष 49 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखेगी। यह लखीमपुर, धेमाजी, दारंग, उदलगुरी, सोनितपुर और विश्वनाथ चराली और त्रिपुरा के कुछ जिलों में स्थानीय प्राकृतिक गैस ग्रिड के निर्माण और खाना पकाने के उद्देश्यों के लिए घरेलू और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को पाइप्ड प्राकृतिक गैस प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। दिसपुर में जनता भवन में आयोजित एक समारोह में हस्ताक्षर किए गए।

रांची के मेगा ट्रेड फेयर में उमड़े लोग, खूब की खरीदारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची
मोरहाबादी मैदान में इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर के तीसरे दिन रविवार को लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। रांचीवासी छुट्टी का लाभ उठाते हुए परिवार के साथ मेला घूमने पहुंचे। सभी स्टॉलों में लोगों की भीड़ रही। लोग अपनी जरूरत की चीजें खरीदते दिखे। झारखंड चैंबर और जीएस मार्केटिंग एसोसिएट्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ट्रेड फेयर में पूर्णरूपेण वातानुकूलित कुल नौ हैंगर में होम एंड डेकोर, रियल इस्टेट, फर्नीचर, इलेक्ट्रिकल्स एण्ड इलेक्ट्रॉनिक, ऑटोमोबाइल, फर्नीचर, उद्योग सहित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगाये गये हैं। ट्रेड फेयर में लोगों को कई उत्पादों पर छूट दी जा रही है। फर्नीचर इंटीरियर में लगे जयपुर वर्ल्ड के स्टॉल में ऑफर के तहत दो बेडशीट एक हजार रुपये में दिये जा रहे हैं जबकि दुबई परफ्यूम के स्टॉल में विभिन्न प्रकार के परफ्यूम पर 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। यहां परफ्यूम की शुरूआती कीमत 200 रुपये से हो रही है। तरह तरह के फ्लेवर में यह परफ्यूम लोगों को पसंद भी आ रहा है। इंटरनेशनल हॉल नंबर दो में पांच हजार रुपये के लाइट की खरीदारी पर सुनिश्चित उपहार मिल रहा है। झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि रविवार को ट्रेड फेयर में दोपहर दो बजे के बाद से लोगों का आना का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चला। लोग जरूरत के अनुसार खरीदारी करते दिखे। पूर्णरूपेण वातानुकूलित स्टॉल में लोगों ने जमकर खरीदारी की। साथ ही लोगों ने परिवार के साथ फूड कोर्ट में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

नोएडा में प्रॉपर्टी की कीमतों में भारी उछाल

एजेंसी। नोएडा
नोएडा में अब आशियाना खरीदने और बनाने का सपना भी महंगा हो गया है। 23 अप्रैल को हुई नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में आवासीय भूखंड, ग्रुप हाउसिंग और संस्थागत उपयोग की संपत्तियों की आवंटन दरों में छह से दस प्रतिशत की बढोत्तरी की है। इससे उद्योग लगाने के साथ मकान बनाने में लोगों को अधिक पैसा खर्च करना पड़ेगा। वर्ष 2022 में भी आवंटन दरों में 10 से 15 प्रतिशत तक प्राधिकरण ने इजाफा किया था। इस साल भी 10 फीसदी तक रेट बढ़े हैं। नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में 23 अप्रैल को अवस्थापना और औद्योगिक विकास आयुक्त और नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक हुई। इस दौरान 19 प्रस्ताव रखे गए। बोर्ड बैठक के दौरान ई-श्रेणी के आवासीय सेक्टरों के सबसे अधिक दस प्रतिशत का इजाफा किया गया है। ए-प्लस श्रेणी की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। जबकि ए, बी, सी और डी श्रेणी के सेक्टरों में भूखंड की दरों में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। आवासीय भवन यानी फ्लैट और व्यावसायिक संपत्ति की दरों में कोई इजाफा नहीं हुआ है। बीते महीनों में औद्योगिक भूखंडों की नीलामी में अधिक रेट प्राधिकरण को प्राप्त हुए थे। ऐसे में औद्योगिक क्षेत्र की फेज वन, फेज टू और फेज तीन की दरों में छह प्रतिशत इजाफा किया गया है। संस्थागत संपत्ति क्षेत्र में भी फेज वन, फेज टू और फेज तीन में स्थित आईटी-आईटीईएस और डाटा सेंटर उपयोग की संपत्तियों में भी छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

विदेश

ट्वीट की मां काली की आपत्तिजनक फोटो, भड़के लोग

भारत के साथ यूक्रेन ने की बेहद घटिया हरकत

एजेंसी। कीव
रूस के साथ जारी जंग के बीच यूक्रेन ने भारत के साथ नापाक हरकत की है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने एक फोटो साझा की है, जिसे देखने के बाद हर भारतीयों ने नाराजगी जाहिर की है। यूक्रेन ने हिंदुओं में पूजनीय मां काली की एक आपत्तिजनक फोटो साझा की है, जिस पर यूक्रेन को लेकर हिंदू समुदाय के लोग तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से मां काली की एक फोटो शेयर की है, जो बेहद ही अपमानजनक है। इस फोटो को लेकर भारतीय यूजर्स ने नाराजगी जाहिर करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर से एक्शन लेने की मांग की है। यूक्रेन द्वारा शेयर की गई यह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। यूजर्स इसे यूक्रेन की घटिया मानसिकता बता रहे हैं। यूक्रेन के डिफेंस मिनस्ट्री के आधिकारिक ट्विटर हैंडल @डिफेन्सयू की तरफ से 30 अप्रैल को मां काली की फोटो शेयर की गई है। इसमें देखा जा सकता है कि मां काली को हॉलीवुड की एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो की तरह दिखाया गया है। तस्वीर में काली माता के चेहरे पर ब्लास्ट से हुआ धुआं नजर आ रहा है। तस्वीर में जीभ बाहर दिख रही है। साथ ही माता काली के गले में खोपड़ियों की माला है। इस फोटो को देखने के बाद भारतीय हिंदू कह रहे है कि यूक्रेन भारतीयों को इसलिए टारगेट कर रहा है क्योंकि भारत की तरफ से उन्हें जंग में मदद नहीं मिली है। कुछ यूजर्स इसे भारत और रूस के बेहतर संबंध के बाद यूक्रेन की बौखलाहट बता रहे हैं। यूक्रेन ने फोटो कैप्शन में 'वर्क ऑफ आर्ट' लिखा हुआ है।

अफगानिस्तान में मोर्टार माइन विस्फोट में 3 बच्चों की मौत

अफगानिस्तान। अफगानिस्तान के पूर्वी वर्दक प्रांत में एक मोर्टार माइन के फटने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। प्रांतीय सरकार ने यहां एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में शनिवार को कहा गया कि सैयदाबाद जिले में शुक्रवार को बच्चों का एक समूह खिलौने जैसे उपकरण के साथ खेल रहा था, तभी अचानक विस्फोट हो गया, जिससे तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह अफगानिस्तान के पूर्वी लोगार प्रांत में इसी तरह के एक विस्फोट में तीन बच्चों की मौत हो गई थी। अफगानिस्तान कथित तौर पर दुनिया के सबसे अधिक खदान-दूषित देशों में से एक है, क्योंकि पिछले चार दशकों के युद्धों और नागरिक संघर्षों से बचे बिना विस्फोट वाले उपकरणों के विस्फोटों के कारण हर महीने दर्जनों लोग मारे जाते हैं।

टेक्सास में 5 लोगों की गोली मारकर हत्या, बंदूकधारी फरार

एजेंसी। ह्यूस्टन
दक्षिण-पूर्वी टेक्सास स्थित एक घर में घुसकर की गई गोलीबारी में आठ साल के बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एआर-15 स्टाइल राइफल से लैस एक संदिग्ध अभी भी फरार है। पुलिस अधिकारियों ने लगभग 11:30 बजे स्थानीय समय (0330 जीएमटी शनिवार) पर गोलीबारी पर जवाब दिया। सैन जैसिंटो काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, ह्यूस्टन के लगभग 55 मील (89 किमी) उत्तर में क्लीवलैंड में घर में घुसकर किए गए उत्पीड़न के बारे में पुलिस को कॉल आया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, सैन जैसिंटो काउंटी के शेरिफ ग्रेग केपर्स ने कहा कि आठ से लेकर लगभग 40 साल के सभी पीड़ित होंडुरास के थे। उन्होंने बताया कि जब पुलिस पहुंची तो वहां कम से कम 10 लोग मौजूद थे। केपर्स के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कहा कि उनका मानना है कि संदिग्ध व्यक्ति नशे में था और उसने अपने सामने वाले यार्ड में एआर-15 राइफल से फायरिंग शुरू कर दी। पीड़ित जब चिल्लाए, तब पड़ोसियों ने उन्हें चुप रहने के लिए कहा, क्योंकि वह एक बच्चे को सुलाने की कोशिश कर रहे थे। केपर्स ने एबीसी न्यूज से कहा, लोगों ने देखा कि एक संदिग्ध व्यक्ति शराब पी रहा था और वह रहा था।

चर्चित

कोहिनूर से पुराना भारतीय हीरा शामिल, यहूदियों से जबरन खरीदे व्यापार पर बनाई थी संपत्ति

लंदन में होगी गहनों की सबसे बड़ी नीलामी

एजेंसी। लंदन
लंदन के किंग स्ट्रीट पर सोमवार को एक बहुत बड़ा ऑक्शन यानी नीलामी होने वाली है। इनमें दुनिया के पुराने गहने बिकने के लिए रखे जाएंगे। ये नीलामी ब्रिटेन का ऑक्शन हाउस क्रिस्टिज करवाने वाला है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इस नीलामी में दुनिया का सबसे पुराना हीरा 'ब्रोलिटी ऑफ इंडिया' भी शामिल होगा। इसकी कीमत 63 करोड़ रुपए है। नीलामी से आए पैसों को सामाजिक कल्याण के कामों में लगाए जाने की बात कही जा रही है। लंदन में होने वाले इस ऑक्शन को दुनिया की सबसे बड़ी गहनों की बिक्री बताया जा रहा है। इसमें 700 गहने शामिल होंगे। ये गहने हीडी हॉर्टन नाम की एक ऑस्ट्रियन महिला के हैं। जिसकी मौत पिछले साल हो गई थी। हीडी के पति हेलमट हॉर्टन जर्मनी के एक अरबपति थे। सारे गहने हीडी को उन्हीं से विरासत में मिले थे। हेलमट हॉर्टन पर आरोप है कि उन्होंने अपना बिजनेस सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान यहूदियों से जबरन खरीदे गए सामानों पर खड़ा किया था। डेविड डे जोंग नाम के लेखक ने नाजी बिलेनियर्स पर लिखी अपनी किताब में बताया है कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान यूरोप में यहूदियों से जबरन उनके बिजनेस खरीदे गए थे। ये काम दो फेज में हुआ था। 1938 से पहले और उसके बाद में। दोनों में हेलमट हॉर्टन काफी एक्टिव थे। 1938 से पहले यहूदियों में डर पैदा कर उनके बिजनेस को खरीदा गया और बाद में उन्हें अपने बिजनेस बेचने के लिए मजबूर कर दिया गया था। यहूदी अपनी जान बचाने के लिए बेहद कम दामों में अपने व्यापार, दुकानें और सामान बेचकर जर्मनी छोड़कर चले गए थे। ब्रिटिश वॉग के मुताबिक 90.8 कैरट का 'ब्रोलिटी ऑफ इंडिया' हीरा कोहिनूर से भी पुराना माना जाता है। इसका पहला जिक्र 12वीं सदी में हुआ। इतिहासकारों के मुताबिक इसकी पहली मालिक 12वीं शताब्दी में फ्रांस की महारानी एलेनॉर ऑफ एक्वेनेटन को बताया जाता है। माना जाता है कि इस रंगहीन हीरे की उत्पत्ति आंध्र प्रदेश में हुई थी। कई सालों तक गुमनाम रहने के बाद यह हीरा 1950 में उस वक्त सामने आया जब न्यूयॉर्क के हेनरी विन्सटन ने इसे भारत के किसी राजा से खरीदा। इसके बाद 1971 में इस हीरे को हेलमट हॉर्टन ने खरीद लिया था। रानी के ताज में जड़ा कोहिनूर ही नहीं, टीपू की अंगूठी व शाहजहां का वाइन कप भी ले गए अंग्रेज पहले ईस्ट इंडिया कंपनी और फिर ब्रिटिश राज के शासन के दौरान अंग्रेज भारत से बहुत कुछ ले गए। इनमें सबसे चर्चित है कोहिनूर हीरा। सितंबर 2022 में क्वीन एलिजाबेथ की डेथ से पहले तक ये उनके ताज की शान था।

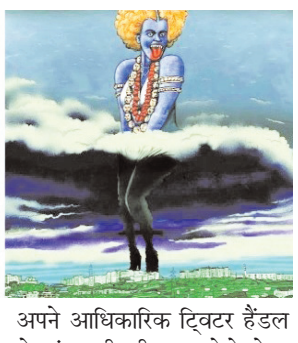

पेज एक के शेष

दिल्ली से न्यूयार्क ...

सामान्य तौर पर लोगों से मिलना-जुलना हो जाता था। 2014 में दिल्ली आने के बाद मैंने पाया कि यहां का जीवन और काम का स्वरूप अलग है। सुरक्षा का तामझाम, समय की सीमा सबकुछ अलग है। शुरूआती दिनों में खाली-खाली सा महसूस करता था। 50 साल पहले घर इसलिए नहीं छोड़ा था कि अपने ही देशवासियों से संपर्क नहीं हो पाएगा। देशवासी सबकुछ हैं और उनसे कटकर नहीं रह सकता था। मन की बात ने मुझे मौका दिया। पदभार और प्रोटोकॉल व्यवस्था तक सीमित रहा। जनभाव मेरा अटूट अंग बन गया।'

मन की बात से खड़े हुए जन आंदोलन
'मन की बात के जरिए कितने ही आंदोलन खड़े हुए। 'मन की बात' जिस विषय से जुड़ा, वो जन आंदोलन बन गया। खिलौनों की इंडस्ट्री को फिर से स्थापित करने का मिशन मन की बात से ही शुरू हुआ था। हमारे भारतीय श्वान (देशी कुत्ते) के बारे में जागरूकता बढ़ाने की शुरूआत भी मन की बात से ही शुरू हुई थी। इसके साथ ही गरीब और छोटे दुकानदारों से झगड़ा न करने की मुहिम भी शुरू की गई थी। ऐसे हर प्रयास समाज में बदलाव का कारण बने हैं।'

पर्यावरण को लेकर मन की बात का प्रयास भी जारी
'मैं हमेशा ही कहता हूं कि हमें विदेश में टूर जाने से पहले अपने देश के टूरिज्म प्लेसों पर जाना चाहिए। ऐसे ही हमने स्वच्छ सियाचिन, सिंगल यूज प्लास्टिक और ई-वेस्ट पर भी बात की है। आज दुनिया जिस पर्यावरण को लेकर इतनी परेशान है, उसे लेकर मन की बात का प्रयास भी जारी है। मुझे यूनेस्को की डीजी का बयान भी आया है। उन्होंने मन की बात के 100वें एपिसोड पर बधाई दी है और एक संदेश भी भेजा है।'

2030 तक हम हर जगह अच्छी शिक्षा पहुंचाना चाहते हैं
'भारत और यूनेस्को का इतिहास बहुत पुराना है। एजुकेशन पर यूनेस्को काम कर रहा है। 2030 तक हम हर जगह अच्छी शिक्षा पहुंचाना चाहते हैं। हम संस्कृति को भी बचाना चाहते हैं। आप भारत का इसमें रोल बताइए? आपसे बात करके खुशी हो रही है। आपने शिक्षा और संस्कृति संरक्षण पर सवाल पूछा है। ये दोनों विषय मन की बात के पसंदीदा विषय रहे हैं। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का विकल्प जैसे प्रयास हुए हैं। गुजरात में गुणोत्सव और शाला प्रवेश उत्सव शुरू किए थे।'

कल्चरल प्रिजर्वेशन के प्रयासों को भी जगह दी
'मन की बात में हमने लोगों के प्रयासों को हाईलाइट किया। एक बार हमने ओडिशा में ठेले पर चाय बेचने वाले स्वर्गीय डी प्रकाश राव के बारे में बात की, जो गरीब बच्चों को पढ़ाते थे। झारखंड के संजय कश्यप, हेमलता जी का उदाहरण हमने दिया। कल्चरल प्रिजर्वेशन के प्रयासों को भी जगह दी। लक्षद्वीप का क्लब, कर्नाटक का कला चेतना मंच... देश के कोने-कोने से मुझे उदाहरण भेजे गए। देशभक्ति पर गीत, लोरी और रंगोली के कम्पटीशन शुरू किए। स्टोरी टेलिंग पर भी मैंने बात की। इस साल हम जी-20 की अध्यक्षता कर रहे हैं। यह वजह है कि एजुकेशन के साथ डायवर्स ग्लोबल कल्चर को समृद्ध करने के लिए प्रयास और तेज हुआ है।'

मन की बात ईश्वर रूपी जनता के चरणों में प्रसाद की थाल जैसे
'हर महीने मैं देशवासियों के त्याग की पराकाष्ठा देखता हूं। मुझे लगता ही नहीं है कि आपसे थोड़ा भी दूर हूं। यह मेरे लिए आध्यात्मिक यात्रा बन गया है। यह तो मैं नहीं, तू ही की संस्कार साधना है। कल्पना करिए कि कोई देशवासी 40-40 साल से निर्जन जमीन पर पेड़ लगा रहा है। कोई 30 साल से जल संरक्षण के लिए बावड़ी बना रहा है। कोई निर्धन बच्चों को पढ़ा रहा है। कोई गरीबों की इलाज में मदद कर रहा है। कितनी ही बार मन की बात में इनका जिक्र करते वक्त मैं भावुक हुआ। आकाशवाणी के साथियों को इसे दोबारा रिकॉर्ड करना पड़ा।'

अहम से वयम की यात्रा
'जनभाव कोटि-कोटि जनों के साथ मेरे भाव अटूट विश्व का अंग बन गया। हर महीने मैं लोगों के हजारों संदेश पढ़ता हूं। मैं देशवासियों के भावों को महसूस करता हूं। मुझे लगता ही नहीं कि मैं आपसे थोड़ा भी दूर हूं। मेरे लिए मन की बात कार्यक्रम नहीं है। मेरे लिए यह आस्था, पूजा और व्रत है। जैसे लोग ईश्वर की पूजा करने जाते हैं, तो प्रसाद लाते हैं। मेरे लिए मन की बात में आपके संदेश प्रसाद की तरह हैं। मेरे लिए मन की बात आध्यात्मिक यात्रा बन गया है। यह अहम से वयम की यात्रा है।'

देशवासियों की सेवा और सामर्थ्य ने प्रेरणा दी
'उपनिषदों में कहा गया है- चलते रहो, चलते रहो, चलते रहो। आज हम इसी चरैवेति भावना के साथ मन की बात का 100वां एपिसोड पूरा कर रहे हैं। भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने में मन की बात माला के धागे की तरह है। हर एपिसोड में देशवासियों की सेवा और सामर्थ्य ने प्रेरणा दी है। एक तरह से मन की बात का हर एपिसोड अगले एपिसोड की जमीन तैयार करता है। यह कार्यक्रम हमेशा सद्भावना, सेवा भावना से आगे बढ़ा है।'

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ...

वहीं 30 मिनट से 120 मिनट तक के लिए 80 रुपये लगेंगे। प्राइवेट कारों को 30 मिनट के लिए पार्किंग शुल्क 30 रुपये लगेगा। वहीं 30 मिनट से 120 मिनट तक 40 रुपये देना पड़ेगा। टू-व्हीलर गाड़ियों को 30 मिनट तक के लिए 10 रुपये देना होगा। 30 मिनट से 120 मिनट तक के लिए 15 रुपये देना होगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के लिए काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी पार्किंग दरों को बदला गया है। कर्मचारियों के लिए पार्किंग शुल्क महीने के हिसाब से बदला गया है। ऑटो ट्रक और मालवाहक गाड़ियों के लिए एक महीना का शुल्क दो हजार रुपये रखा गया है। वहीं दो पहिया वाहन को एक महीने के लिए तीन हजार रुपये देने होंगे।

झारखंड में आज से ...

ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ से निपटने के लिए रेलवे ने झारखंड- बिहार और यूपी समेत कई रूटों पर समर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया है, जिससे ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। गर्मी छुट्टी को देखते हुए मालदा डिविजन की ओर से समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा हुई है, जो एक मई से छह जोड़ी ट्रेनें चलेंगी। इसके तहत छत्रपति शिवाजी टर्मिनस-मालदा टाउन स्पेशल ट्रेन के अलावा उधना जंक्शन-मालदा टाउन, गुवाहाटी-रांची, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और सियालदह-न्यू जलपाईगुड़ी स्पेशल ट्रेन चलेगी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

मैं बंदूकों के साये में हूं, जो होना है, होकर रहेगा : खान

एजेंसी। नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान जो गैंगस्टर की टारगेट पर हैं और जिन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है ने आखिरकार बताया कि वो कैसे इन सारी चीजों से निपट रहे हैं। 'टाइगर जिंदा है' के अभिनेता को मुंबई पुलिस ने जान के खतरे के कारण वाई प्लस सिक्योरिटी दी है। एक कार्यक्रम में अपना अनुभव साझा करते हुए अभिनेता ने कहा कि असुरक्षा से सुरक्षा बेहतर है। मुझे सुरक्षा दी गई है। अब सड़क पर साइकिल चलाना या अकेले कहीं जाना संभव नहीं है। इन सब से भी अधिक अब मुझे ये दिक्कत है कि जब मैं ट्रैफिक में होता हूं तो वहां बहुत ज्यादा सिक्योरिटी होती है। सुरक्षा गार्डों की गाड़ियों के कारण आम लोगों को दिक्कत होती है। वो लोग मुझे लुक भी देते हैं। पर मेरे प्यारे फैन्स, बहुत गंभीर खतरा है, इसलिए सिक्योरिटी दी गई है। मैं वही कर रहा हूं जो करने के लिए कहा गया है। 'किसी का भाई, किसी की जान' सिनेमा में एक डॉयलोग है कि उन्हें सौ बार भाग्यशाली होने की जरूरत है, मुझे केवल एक बार भाग्यशाली होने की जरूरत है। सलमान ने कहा कि मैं सभी जगह पूरी सुरक्षा के साथ जाता हूं। लेकिन मैं ये भी जानता हूं कि जो होना है, वो तो हो कर ही रहेगा, चाहे आप कुछ भी कर लो। लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं बिना सुरक्षा के घूमने लगूंगा, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मेरे आस पास आज कल बहुत सारे शेरा हैं। मैं इतने सारे बंदूकों से घिरा रहता हूं कि कभी-कभी मुझे खुद भी डर लगता है।

चंद्रबाबू की तारीफ नहीं सुहाई, नेताओं ने रजनीकांत पर बोला हमला

एजेंसी। अमरावती

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष एन। चंद्रबाबू नायडू की प्रशंसा करने के लिए राज्य के मंत्रियों और सत्ताधारी वाईएसआरसीपी के नेताओं ने तमिल सुपरस्टार रजनीकांत पर जमकर निशाना साधा है। पर्यटन मंत्री आर.के. रोजा ने नायडू की प्रशंसा के लिए रजनीकांत की खिंचाई की। उन्होंने सुपरस्टार के बयानों को हास्यास्पद बताया। विजयवाड़ा में तेदेपा के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के शताब्दी समारोह में रजनीकांत ने चंद्रबाबू नायडू की जमकर प्रशंसा की थी। रोजा ने रजनीकांत को याद दिलाया कि नायडू 2004 तक अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे और

पिछले 20 वर्षों में हैदराबाद में नायडू के बिना भी विकास हुआ है। जल संसाधन मंत्री अंबाती रामबाबू ने रजनीकांत को कायर बताया। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने राजनीति में प्रवेश की घोषणा की लेकिन बाद में पीछे हट गए। उन्होंने कहा, रजनीकांत राजनीति पर बोलने के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं।

कांग्रेस के कई नेता मेरे साथ : बृजभूषण

गोंडा। धरने पर बैठे पहलवानों के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इस्तीफा देना उनके लिए कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, किन्तु वह अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं देंगे। इसके अलावा उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर बड़ा बयान दिया है। कहाः यूपी की जो अन्य पार्टियां है, जिसमें विशेषकर आपका इशारा सपा है। सपा के नेता अखिलेश यादव हैं वो मुझे बचपन से जानते हैं और ज्यादातर पहलवान उत्तर प्रदेश के अंदर वो ऐसे समाज से आते हैं जो समाजवादी विचारधारा से आते हैं। अगर यूपी में दस हजार बच्चे पहलवानी करते हैं तो उसमें आठ हजार ऐसे हैं जो समाजवादी परिवार से हैं और उन सबको पता है कि हमारे नेताजी कैसे हैं।

दिल्ली में एक किलो घी=एक करोड़ का

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के पूर्व संस्थापक सदस्य और मशहूर सिंगर कुमार विश्वास ने एक अलग ही अंदाज में तंज कसा है। दरअसल एक यूजर ने घी की तस्वीर को ट्वीट करते हुए कुमार विश्वास से पूछा था कि आप शहर, गांव में घी का क्या भाव चल रहा है? उन्होंने इसका एक अलग ही अंदाज में जवाब देते तंज कस दिया। कुमार ने ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा- दिल्ली का तो साउथ तक बिक रहा है, 'एक करोड़ रुपये=एक किलो घी।' माना जा रहा है कि कुमार विश्वास का यह ट्वीट दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए किया है। महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने सीएम केजरीवाल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए घी वाले कोडवर्ड के इस्तेमाल की बात कही थी। मिथलेश नाम के यूजर ने लिखाः दिल्ली का एक किलो घी=साउथ का एक करोड़ रुपए। इसीलिए अब आम आदमी भी 45 करोड़ के शीशमहल में निवास करने लगे। वहीं दूसरे यूजर ने हाथ जोड़ने वाली इमोजी का इस्तमाल करते हुए लिखा- हा हा , क्या व्यंग्य मारे है कविवर। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि ह्लसाथ मे ये भी लिख देते कि इसका शीशमहल से कोई संबंध नही हैं। इसके अलावा मुकुल नामक यूजर ने लिखाः कुमार विश्वास जो खिलाड़ी जंतर मंतर पर बैठे है उन पर कुछ विचार प्रकट करना चाहेंगे? या सत्यपाल मलिक जी ने जो सनसनीखेज खुलासे कियें उस पर? क्या सिर्फ घी-तेल पर ही रह जायेंगे।

NEWS इन ब्रीफ

अभिषेक बनर्जी का केस लेने के लिए सिंघवी को लिखा पत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस नेता और कलकत्ता हाई कोर्ट के वकील कौस्तव बागची ने रविवार को अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगी अभिषेक मनु सिंघवी को एक कड़ा पत्र लिखा है। पत्र में बागची ने तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी केस की जानकारी लेने के लिए कड़े शब्दों में उनकी निंदा की है। पत्र में बागची ने कहा कि हालांकि एक पेशेवर और वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी के पास कोई भी ब्रीफ चुनने का पूरा अधिकार है, लेकिन कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के रूप में वह अपनी पार्टी और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति अपने दायित्वों की अनदेखी नहीं कर सकते।

पुंछ में एलओसी पर 2 घुसपैठिए पकड़े गए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शनिवार को दो घुसपैठिए पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा गया। अधिकारियों ने कहा, जम्मू-कश्मीर के पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से में पोलास गांव से दो घुसपैठियों, अब्दुल हमीद और उनके बेटे अब्बास को पुंछ में नियंत्रण रेखा के साथ गुलपुर सेक्टर में भारतीय सीमा में आने के बाद पकड़ा गया। उनसे पूछताछ चल रही है कि क्या वे अनजाने में भारतीय पक्ष में भटक गए थे, या जानबूझकर एलओसी पार कर गए।

नीतीश को शुरूआती सफलता मिली है, लेकिन दिल्ली अभी दूर है : शिवानंद

एजेंसी। पटना

नीतीश कुमार को विपक्षी नेताओं से समर्थन मिलने के बाद अब इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि चुनावी संग्राम में बेहतर चाणक्य कौन है- अमित शाह, नीतीश कुमार या शरद पवार। ये सभी अपने-आप में खास हैं, लेकिन चुनावी रणनीति बनाने की इनकी क्षमता की परीक्षा 2024 के लोकसभा चुनाव में होगी। राष्ट्रीय जनता दल के उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने कहा, फिलहाल बिहार के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो नीतीश कुमार को शुरूआती सफलता मिल रही है। देश के बड़े नेता विपक्षी एकता बनाने की उनकी पहल में उनके साथ हैं। विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस पार्टी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसके नेताओं को उदारता दिखानी होगी और क्षेत्रीय दलों को उनके किले में फलने-फूलने देना होगा। उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा था और एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। उसने उपचुनाव में एक सीट जीती है। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में उसने 403 सीटों पर चुनाव लड़ा और मात्र दो जीत सकी। पार्टी तेलंगाना में भी इसी तरह की स्थिति का सामना कर रही है। तिवारी ने कहा, यहां एक मैचमेकर के रूप में नीतीश कुमार की भूमिका महत्वपूर्ण है। वह 'एक सीट, एक उम्मीदवार' का फामूर्ला लेकर आए हैं जिसे कांग्रेस पार्टी ने स्वीकार कर लिया। यही कारण था कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार के साथ बातचीत की। इसके बाद उन्होंने राहुल गांधी के साथ बैठक की। नीतीश कुमार के प्रस्ताव को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी स्वीकार कर लिया।

नीतीश की राह महाराष्ट्र में हो सकती है आसान

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और सभी राष्ट्रीय विपक्षी पार्टियां राज्यों में अलग-अलग मोर्चों और स्तरों पर एकता बनाने में जुट गई हैं। इस बार, जनता दल (यू) के अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एकजुट विपक्ष' तैयार करने का बीड़ा उठाया है ताकि वह नौ साल से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन का मुकाबला कर सके। विपक्षी दलों के अपने जोड़-घटाव के साथ एक साथ कई इंद्रधनुष वाली स्थिति के बावजूद नीतीश की राह मुश्किल है नामुमकिन नहीं। कांग्रेस के अलावा किसी भी बड़े विपक्षी दल की अपने क्षेत्र विशेष से बाहर उपस्थिति, प्रभाव या राष्ट्रव्यापी विश्वसनीयता नहीं है - चाहे वह नीतीश की खुद की पार्टी जदयू हो या दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की पार्टियां। हालांकि, किसी भी विपक्षी मोर्चे के लिए महाराष्ट्र एक महत्वपूर्ण कारक होगा क्योंकि यहां 48 लोकसभा सीटें हैं जो उत्तर प्रदेश के बाद देश में सबसे अधिक है। यहां कई दल हैं जिनमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना (उद्धव गुट) की महाविकास अघाड़ी और वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) तथा अन्य छोटे दल शामिल हैं। राज्य में मुख्य विपक्षी दलों के अपने गढ़ हैं और उनके समर्पित मतदाता हैं तो वहीं, वीबीए के पास लगभग 6-7 प्रतिशत और समाजवादी समूह के पास 7-8 प्रतिशत वोटर हैं। कम्युनिस्ट भी यहां शक्तिशाली हैं, हालांकि चुनिंदा इलाकों में ही उनके समर्थक हैं। यदि ये सभी मिलकर एक हो जाएं तो भाजपा के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंधे आशावादी दिखते हैं। उन्होंने दावा किया, हिमालय का मार्ग सह्याद्री के रास्ते प्रशस्त होगा। महाराष्ट्र एक महत्वपूर्ण राज्य है और भाजपा हर जगह नीचे खिसक रही है। एमवीए के खाते में कम से 40 सीटें आएंगी। शुरूआत कर्नाटक से होगी।

फोटो ऑफ द डे

रविवार को पटना में मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर एक ईट कारखाने में ईंटों ढोते मजदूर। (फोटोः आईएएनएस)

भिवंडी में ढही तीन मंजिला इमारत पांच लोगों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी शहर में तीन मंजिला इमारत गिरने से 5 लोगों की मौत हो गयी है जबकि बचाव अभियान में अब तक 14 लोगों को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। बचाव कार्य जारी है। हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है। उधर, भिवंडी में इमारत ढहने के मामले में नारपोली पुलिस ने बिल्डर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिल्डर इंद्रपाल पाटिल को ठाणे पुलिस ने हिरासत में लिया है। बताया गया कि इमारत के ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर गोदाम थे, जबकि ऊपरी मंजिल पर चार परिवार रहते थे।

FILMY हलचल

मेरी लव स्टोरियां मेरे साथ कब्र तक जाएंगी : सलमान खान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने स्वीकार किया है कि वह 'प्यार में बदकिस्मत' रहे हैं, शायद उनकी अपनी गलतियों की वजह से। चैट शो 'आप की अदालत' में जब सलमान खान से पूछा गया कि क्या वह प्रेम संबंधों पर आत्मकथा लिखने का इरादा रखते हैं। इस पर सलमान ने जवाब देते हुए कहा कि मेरी लव स्टोरियां मेरे साथ कब्र तक जाएंगी। जब सलमान से शादी करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब में कहा, जब ऐसा कोई आएगा तो हो जाएगा सर। वास्तव में, सभी अच्छे हैं, मेरी पिछली सभी गर्ल फ्रेंड अच्छी थीं, गलती मुझमें है। पहले वाला गया तो उसका दोष हो सकता था, दूसरा गया और तीसरा गया तो उनमें दोष हो सकता है, लेकिन चौथे के साथ संदेह पैदा होता है कि दोष उनका है या मेरा।

बॉलीवुड में काम न करने पर डिनो मोरिया ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड में ऐसे कई अभिनेता हैं, जिन्होंने अनगिनत फिल्में की हैं और लोकप्रिय भी हुए हैं, लेकिन उनमें से सभी उस लोकप्रियता को बरकरार नहीं रख पाए हैं। ऐसा ही एक नाम है अभिनेता डिनो मोरिया का। हॉरर फिल्म 'राज' ने डिनो को असली पहचान दिलाई और फिल्म में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ उनकी केमिस्ट्री भी लोगों को खूब पसंद आई। बाद में उनके अफेयर की चर्चा होने लगी और वक्त के साथ डिनो मोरिया नाम गुमनामी में चला गया। बीच में दिए एक इंटरव्यू में डीनो मोरिया ने अपने करियर में की गई गलतियों को स्वीकार किया। सिर्फ पैसों के पीछे पड़े डिनो ने इस इंटरव्यू में माना कि उन्होंने कई फिल्में सिर्फ पैसे कमाने के लिए कीं।

ऐश्वर्या की फिल्म 'पीएस-2' ने दो दिन में कमाए 50 करोड़, सलमान की फिल्म का रहा बुरा हाल

तमिल फिल्म डायरेक्टर मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन-2' इस वक्त चर्चा में है। दो दिनों में फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। दूसरी तरफ सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान' का जादू फीका पड़ गया है। हालांकि, फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन-2' के हिंदी वर्जन ने ज्यादा कमाई नहीं की, लेकिन तमिल भाषा की फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब तक फिल्म ने 50 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसलिए तमिल सुपरस्टार चियान विक्रम, ऐश्वर्या राय बच्चन, कार्थी, तृषा कृष्णन और जयराम रवि स्टारर डायरेक्टर मणिरत्नम की यह फिल्म काफी चर्चा में है। यह फिल्म 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दूसरी तरफ, सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान' ने पहले दिन 15.81 करोड़ रुपये बटोरे। फिल्म ने वीकेंड में 26.61 करोड़ रुपये बटोरे। 9वें दिन फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है। फिल्म ने कुल 97.51 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

जुनून

ओड़िशा का गांव के बच्चे हैं गजब के जुनूनी

जहां झोपड़ी, वहीं बना डाला इंटरनेशनल स्कूल

एजेंसी। नई दिल्ली

ओड़िशा के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में एक वर्ल्ड क्लास स्कूल की शुरूआत की जा रही है। खास बात यह है कि विश्व स्तरीय सभी सुविधाओं से लैस यह स्कूल पूरी तरह निःशुल्क है। यह स्कूल एक ऐसे व्यक्ति ने बनाया है जिसने अपना बचपन इसी गांव की एक कच्ची झोपड़ी में रहते हुए मजदूरी कर के बिताया है। इस स्कूल में छात्रों को पढ़ाने के लिए विदेशों से एक्सपर्ट फैकल्टी आ रहे हैं। वहीं संगीत सिखाने के लिए जुबिन नौटियाल, सोनू निगम, खेलों के लिए पूर्व भारतीय कप्तान रवि शास्त्री, बिजनेस एजुकेशन के लिए राजीव बजाज जैसी हस्तियां योगदान देंगी। भुवनेश्वर से करीब

165 किलोमीटर दूर कियोंनझार जिले के बेरूनपड़ी ग्राम में मौजूद स्थित यह 'उत्कल गौरव इंटरनेशनल स्कूल' ऐसे छात्रों के लिए बनाया गया है जिनके माता-पिता निर्धन व पिछड़े हुए हैं और शिक्षा का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। फिलहाल यह स्कूल अभी 10 एकड़ में है और क्षमता पूरी होने पर इसे बढ़ाकर 20 एकड़ कर दिया जाएगा। स्कूल की कुल क्षमता 25 सौ छात्रों की है।

स्कूल के निदेशक डॉक्टर प्रदीप सेठी हैं। प्रदीप सेठी ने अपना जीवन इसी गांव की एक कच्ची झोपड़ी में बिताया, शुरूआती दौर में परिवार और अपना खर्च उठाने के लिए दैनिक मजदूरी की, लेकिन शिक्षा का दामन नहीं छोड़ा। सेठी कड़ी मेहनत करते हुए इस गांव की कच्ची झोपड़ी से दिल्ली के एम्स अस्पताल तक पहुंचे। डॉक्टर सेठी ने एमबीबीएस और फिर एमडी की पढ़ाई पूरी की।

डॉक्टर सेठी के मुताबिक दिल्ली में बड़ा डॉक्टर बनने के बावजूद उनका दिल अपने गांव में ही बसा था। पढ़ाई पूरी करने और प्रैक्टिस शुरू करने के करीब 15 साल बाद डॉक्टर सेठी अपने गांव पहुंचे। उड़ीसा के बेहद ग्रामीण और पिछड़े इलाके में स्थित अपने गांव वालों को उन्होंने पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित किया। गांव में एक इंटरनेशनल स्कूल बनाने के लिए जमीन खरीदी। इस बीच कई गांव वाले भी उनके साथ जुड़े और स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जमीन दान दी। इसका नतीजा यह हुआ कि उड़ीसा के इस ग्रामीण अंचल में दिल्ली-मुंबई के शहरों जैसा बड़ा स्कूल बनकर तैयार हुआ। डॉक्टर शेट्टी के मुताबिक वे केवल एक स्कूल तक सीमित नहीं रहना चाहते थे इसलिए इसे इंटरनेशनल स्कूल की शक्ल दी गई। इसमें विदेशों के फैकेल्टी को अनुबंधित किया गया है। यहां कई स्किल डेवलपमेंट और प्लेसमेंट कोर्सेज भी विकसित किए जा रहे हैं। यहां कक्षा 1 से लेकर 12 तक की कक्षाएं चालू हैं। डॉक्टर सेठी के मुताबिक 50 और नए क्लासरूम जोड़े जा रहे हैं। इसी वर्ष मार्च में स्कूल के प्रारंभिक खंडों की शुरूआत की गई है।